राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

10 पुरानी पेंशन योजना में जाने से भविष्य में देनदारी बढ़ सकती है...

देश का मान बढ़ावा, आरोप बेहद गंभीर-हर हाल में जांच हो... 11

वर्ष : 13 | अंक : 247 | नई दिल्ली, शुक्रवार, 20 जनवरी, 2023 | पौष शुक्ल एकादशी, विक्रम संवत् 2079 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

विदेश मंत्री जयशंकर, मालदीव के राष्ट्रपति सोलिह ने हवाई अड्डा परियोजना के भूमि पूजन में लिया हिस्सा

- यह एक साझेदारी है जिसने हमें चुनौतियों का तेजी से और प्रभावी ढंग से जवाब देने में सक्षम बनाया है, जैसा कि हमने हाल ही में कोविड महामारी के दौरान देखा

माले, एजेंसी

विदेश मंत्री एस जयशंकर और मालदीव के राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह ने हनिमाधू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की पुनर्विकास परियोजना के भूमिपूजन समारोह में संयुक्त रूप से भाग लिया जो भारत-मालदीव की मजबूत विकास साझेदारी में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। जयशंकर भारत के दो प्रमुख समुद्री पड़ोसियों के साथ द्विपक्षीय संबंधों का विस्तार करने के लिए मालदीव और श्रीलंका की तीन दिवसीय यात्रा पर हैं। भूमिपूजन समारोह में जयशंकर ने कहा कि मालदीव के साथ भारत की साझेदारी एक दूसरे के कल्याण और हितों के लिए मिलकर काम करने की वास्तविक इच्छा पर आधारित है। उन्होंने बुधवार शाम को कहा, यह एक साझेदारी है जिसने हमें चुनौतियों का तेजी से और प्रभावी ढंग से जवाब देने में सक्षम बनाया है, जैसा कि हमने हाल ही में कोविड महामारी के दौरान देखा। यह एक साझेदारी है जिसने हमें परिणाम देने और हमारे लोगों को उनकी इच्छाओं, अकांक्षाओं और प्राथमिकताओं के अनुसार ठोस लाभ लाने में सक्षम बनाया है। अब हम सभी जानते हैं कि मौजूदा जटिल भू-राजनीतिक माहौल ने नए व्यवधान पैदा किए हैं जो दुनिया के हर देश को प्रभावित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस संदर्भ में सहयोग और सहभागिता की आवश्यकता और भी अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। भारत ने उभरती हुई आर्थिक चुनौतियों से निपटने के लिए मालदीव को समर्थन दिया है, जिसमें आपातकालीन वित्तीय सहायता भी शामिल है। यह माले को निरंतर सहयोग के लिए नई दिल्ली की दृढ़ प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

जयशंकर ने कहा कि हनिमाधू अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा विकास परियोजना की शुरूआत मजबूत भारत-मालदीव विकास साझेदारी में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। उन्होंने ट्वीट किया, हनिमाधू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा विकास परियोजना के भूमि पूजन कार्यक्रम में राष्ट्रपति सोलिह, उनके मंत्रियों और स्थानीय नेताओं के साथ शामिल हुआ। उन्होंने कहा, यह परियोजना उत्तरी मालदीव और बाकी दुनिया के लोगों के बीच की खाई को पाट देगी और हमारे लोगों को एक साथ लाएगी। इसके कार्यान्वयन के लिए मालदीव के साथ होना भारत के लिए सौभाग्य की बात है। राष्ट्रपति सोलिह ने हवाई अड्डा विकास परियोजना को एक सुनियोजित, सुविचारित और क्रियान्वित परियोजना बताया। ऐतिहासिक परियोजना माले क्षेत्र के बाहर शुरू की गई सबसे बड़ी और सबसे महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजना है।

मौसम

अधिकतम तापमान 15.0°C

न्यूनतम तापमान 06.0°C

बाजार

सोना	56,00
चांदी	53,300
सेंसेक्स	54,306
निफ्टी	22,503

हमारी प्राथमिकता सिर्फ विकास, ना कि वोट बैंक की राजनीति : पीएम नरेंद्र मोदी

यादगिर, एजेंसी

- प्रधानमंत्री ने डबल इंजन सरकार होने के फायदे भी गिनाए और कहा कि इससे दोगुना कल्याण और दोगुना विकास होता है
- देश अगले 25 वर्षों के नए संकल्पों को सिद्ध करने के लिए आगे बढ़ रहा है
- भारत विकसित तब हो सकता है जब देश का हर नागरिक, हर परिवार, हर राज्य इस अभियान से जुड़े। भारत विकसित तब हो सकता है, जब खेत में काम करने वाला किसान हो या फिर उद्योगों में काम करने वाले श्रमिक, सभी का जीवन बेहतर हो।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकारों की प्राथमिकता केवल विकास है जबकि कर्नाटक में शासन कर चुके दूसरे दलों की वोट बैंक की राजनीति के कारण दक्षिण के इस राज्य के कुछ क्षेत्र पिछड़ेपन के शिकार हो गए।

यहां के पास कोडेकल में सिंचाई, पेयजल और राष्ट्रीय राजमार्ग से संबंधित विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास करने के साथ ही प्रधानमंत्री ने डबल इंजन सरकार होने के फायदे भी गिनाए और कहा कि इससे दोगुना कल्याण और दोगुना विकास होता है।

केंद्र के साथ-साथ राज्यों में भी भाजपा की सरकार बने, इसके लिए डबल इंजन की सरकार भाजपा का प्रमुख चुनावी मुद्दा रहा है। कर्नाटक में इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं। सत्तारूढ़ भाजपा कर्नाटक में मई में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी है और उसने कुल 224 में से कम से कम 150 सीट जीतने का लक्ष्य रखा है। ऐसे में प्रधानमंत्री का डबल इंजन सरकार पर जोर देने को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास करने के बाद मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि देश अगले 25 वर्षों के नए संकल्पों को सिद्ध करने के लिए आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा, यह 25 साल देश के प्रत्येक व्यक्ति के लिए अमृत काल है। प्रत्येक राज्य के लिए अमृत काल है। अमृत काल में हमें विकसित भारत का निर्माण करना है। उन्होंने कहा, भारत विकसित तब हो सकता है जब देश का हर नागरिक, हर परिवार, हर राज्य इस अभियान से जुड़े। भारत विकसित तब हो सकता है, जब खेत में काम करने वाला किसान हो या फिर उद्योगों में काम करने वाले श्रमिक, सभी का जीवन बेहतर हो। आजादी के 75वें वर्ष से लेकर 100वें वर्ष तक के सफर को प्रधानमंत्री अक्सर अमृत काल कह कर पुकारते हैं। पिछले साल स्वतंत्रता दिवस पर इसका उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने इस कालखंड में भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का आह्वान किया था।

कर्नाटक में मोदी का इस महीने इस प्रकार का यह दूसरा दौरा है। इससे पहले वह राष्ट्रीय युवा महोत्सव के उद्घाटन के लिए हुब्बल्लि आए थे और उन्होंने इस दौरान एक रोड शो भी किया था।

मोदी ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों ने यादगिर और उत्तरी कर्नाटक के आसपास के इलाकों को पिछड़ा घोषित कर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया था लेकिन उनकी सरकार ने यादगिर सहित देश के 100 से अधिक जिलों में आकांक्षी जिला कार्यक्रम शुरू किया।

उन्होंने कहा, इस क्षेत्र के विकास में पिछड़ने का कारण यह है कि यहां की पिछली सरकारों ने पिछड़ेपन से छुटकारा दिलाने की सोची ही नहीं। इसके (विकास) प्रति प्रयास करना तो दूर की बात है। जब बिजली, सड़क और पानी के बुनियादी ढांचे में निवेश करने का समय था, तब सत्ता में रहने वाली पार्टियों ने वोट बैंक की राजनीति को प्राथमिकता दी।

किसी पार्टी या सरकार का नाम लिए बगैर उन्होंने कहा कि हर परियोजना और कार्यक्रमों को एक चश्मे से देखा गया कि कैसे एक विशेष समुदाय के वोटों को सिर्फ एक मजबूत वोट बैंक में परिवर्तित किया जाए तथा इसका सबसे बड़ा नुकसान कर्नाटक और इस क्षेत्र के लोगों को उठाना पड़ा। उन्होंने कहा, हमने इन जिलों में सुशासन पर बल दिया है। विकास के पैमाने पर काम शुरू किया है। जिन जिलों को पहले की सरकारों ने पिछड़ा घोषित किया, उन जिलों में हमने विकास की आकांक्षा को प्रोत्साहित किया। पूर्ववर्ती सरकारों की प्राथमिकता वोट बैंक की राजनीति थी लेकिन हमारी प्राथमिकता विकास है।

यादगिर कल्याण कर्नाटक या हैदराबाद-कर्नाटक क्षेत्र के नाम से जाना जाता था। ये जिले हैदराबाद के निजाम के पूर्ववर्ती शासन के अधीन थे और इनकी गिनती राज्य के पिछड़े क्षेत्रों में होती हैं। इन जिलों में बीदर, बेल्लारी, कलबुर्गी, कोप्पल, रायचूर और यादगिर शामिल हैं और इस क्षेत्र को पिछड़ेपन के कारण संविधान (अनुच्छेद 371 जे) के तहत विशेष दर्जा प्राप्त है।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन के दौरान कई विकास योजनाओं व कार्यक्रमों का उल्लेख किया कहा कि राज्य की जनता देख सकती है कि उन्हें डबल इंजन सरकार का कितना फायदा मिल रहा है। उन्होंने कहा कि वह जब केंद्र की सत्ता में आए थे तब देश में केवल तीन करोड़ ग्रामीण मकान ऐसे थे जहां नल से जल की आपूर्ति होती थी लेकिन अब ऐसे 11 करोड़ ग्रामीण घर हैं। हर घर नल से जल अभियान को सर्वश्रेष्ठ उदाहरण बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, ह्यह्यडबल इंजन सरकार यानी दोगुना कल्याण, डबल इंजन सरकार यानी दोगुना विकास। उन्होंने कहा कि भारत को विकसित होना है तो सीमा सुरक्षा, तटीय सुरक्षा और आतंरिक सुरक्षा की तरह जल सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों को समाप्त करना होगा।

रेसलर विनेश फोगाट की चेतावनी

- बेटियां अगर सामने आकर बताने लगीं कि उनके साथ क्या-क्या हुआ तो देश का दुर्भाग्य होगा
- दिल्ली के जंतर-मंतर पर खिलाड़ियों ने दूसरे दिन भी प्रदर्शन जारी रखा।

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय कुश्ती महासंघ (WFI) के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ जारी देश की महिला पहलवानों के मोर्चे के बाद गुरुवार को मंत्रालय ने पीड़ित खिलाड़ियों को बातचीत के लिए बुलाया और उनसे करीब एक घंटे तक बातचीत की। बातचीत से पहलवान संतुष्ट नहीं हैं। उनकी मांग पहले WFI अध्यक्ष को हटाने की थी, अब वे कुश्ती संघ को भंग कराना चाहते हैं। उन्होंने कहा- मांग पूरी होने तक उनका धरना-प्रदर्शन जारी रहेगा। वहीं, केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने चंडीगढ़ में पहलवानों के आरोपों पर कहा कि खेल मंत्रालय ने WFI को नोटिस भेजकर 72 घंटे में जवाब मांगा है। आगामी शिविर भी तत्काल प्रभाव से स्थगित कर दिया गया है। मैं दिल्ली जा रहा हूं और पहलवानों से मिलूंगा। इधर, मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कल (शुक्रवार को) खिलाड़ियों के धरने में हरियाणा की खाप पंचायतें भी शामिल हो सकती हैं। बता दें कि WFI अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह और कुछ कोच पर ओलिंपिक विजेता खिलाड़ियों ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। दिल्ली के जंतर-मंतर पर 200 से ज्यादा खिलाड़ी बुधवार यानी 18 जनवरी से धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। आरोपों के बाद खेल मंत्रालय भी मामले को लेकर तुरंत एक्टिव हो गया। बुधवार देर रात उसने कुश्ती संघ को नोटिस भेजा और 72 घंटे में जवाब देने को कहा। ऐसा न करने पर कार्रवाई की चेतावनी भी दे डाली।

संक्षिप्त खबरें

यमुना की सफाई के लिए 1028 करोड़ रुपये अतिरिक्त मंजूर

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में गुरुवार को यमुना की सफाई के लिए 1028 करोड़ रुपये के पूरक अनुदान को मंजूरी दी गई। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री एवं जलमंत्री मनीष सिसोदिया ने यमुना सफाई के लिए पूरक अनुदान की मांग को सदन पटल पर रखा और सदन ने इसे मंजूरी दी। श्री सिसोदिया ने कहा, उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने अफसरों पर दबाव बनाकर यमुना सफाई के काम को रोकने का हर संभव प्रयास किया। सदन से बजट मंजूर होने के बावजूद जलबोर्ड के काम रोके गए। उपराज्यपाल ने पहले परियोजना को रोकने का प्रयास किया। परियोजना नहीं रुकी तो फंड रोक दिए, लेकिन यमुना की सफाई का काम जारी है। दिल्ली सरकार यमुना की सफाई का काम कभी रुकने नहीं देगी। श्री सिसोदिया ने कहा, सरकार ने दिल्ली जल बोर्ड के रुके पैसों को तो जारी करवा ही दिया है साथ ही यमुना की सफाई के लिए 1028 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बजट भी जारी किया है ताकि यमुना को साफ करने के कामों में तेजी लाइ जा सकें। यमुना की सफाई का काम रोकना नहीं है। मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने अगले चुनावों से पहले यमुना साफ करने का संकल्प लिया है जिसे पूरा किया जाएगा। दिल्ली सरकार इस दिशा में युद्धस्तर पर काम कर रही है।

लखीमपुर खीरी हिंसा: सुप्रीम कोर्ट ने आशीष की जमानत पर फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने वर्ष 2021 के उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी किसान आंदोलन के दौरान हिंसा मामले में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा के पुत्र आशीष मिश्रा की जमानत याचिका पर सुनवाई पूरी होने के बाद गुरुवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जे. के. महेश्वरी की पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कहा कि मामले की सुनवाई पूरी होने में पांच साल लग सकते हैं। इस हालात में अभियुक्तों को अनिश्चितकाल के लिए कैद नहीं किया जा सकता है। पीठ के समक्ष उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से एडिशनल एडवोकेट जनरल गरिमा प्रसाद, याचिकाकर्ता आशीष मिश्रा का पक्ष वरिष्ठ मुकुल रोहतगी, जबकि पीड़ित किसानों में से एक शिकायतकर्ता की ओर से वरिष्ठ वकील दुष्यंत दवे ने दलीलें दीं। सुश्री प्रसाद और श्री दवे ने जमानत याचिका का पुरजोर विरोध किया। सुश्री प्रसाद ने कहा कि यह एक गंभीर आपराधिक मामला है। इस मामले में जमानत दिए जाने से गलत संदेश जाएगा।

स्वाति मालीवाल को कार ने 10-15 मीटर तक घसीटा, आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली महिला आयोग की प्रमुख स्वाति मालीवाल ने बृहस्पतिवार को कहा कि एम्स के बाहर एक कार से उन्हें 10-15 मीटर घसीटा गया। उनका कहना है कि गाड़ी की खिड़की में उनका हाथ फंस गया था और नशे में धुत वाहन चालक ने कार आगे बढ़ा दी। यह घटना बृहस्पतिवार तड़के की है जब आयोग की प्रमुख दिल्ली में महिला सुरक्षा का जायजा लेने के लिए अपनी टीम के साथ राष्ट्रीय राजधानी की सड़कों पर थी। घटना के वक्त उनकी टीम उनसे कुछ दूर थी। मालीवाल ने कहा कि अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के द्वार संख्या दो के बाहर उनके सामने एक कार आकर रूकी और चालक ने उनसे बैठने के लिए कहा। मना करने पर वह चला गया लेकिन कुछ ही क्षणों में वह वापस आया और उनसे फिर वाहन में सवार होने को कहा। मालीवाल के अनुसार इस बार वह कार चालक को डांटने के लिए उसकी ओर गईं लेकिन व्यक्ति ने तेजी से खिड़की का शीशा बंद कर दिया और उनका हाथ शीशे में फंस गया तथा उन्हें 10-15 मीटर तक घसीटा गया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि गश्ती वाहन ने तड़के करीब 3.05 बजे एम्स के सामने उन्हें देखा और उनसे पूछा कि क्या वह किसी परेशानी में हैं। पुलिस के अनुसार मालीवाल ने उन्हें अपनी आपबीती सुनाई जिसके बाद उस कार का पता लगाया गया और कार चालक को पकड़ लिया गया। उन्होंने बताया कि उसकी पहचान दक्षिण दिल्ली के संगम विहार निवासी 47 वर्षीय हरीश चंद्र के तौर पर हुई है।

जोशीमठ पर रिपोर्ट आते ही आगे की योजना पर तेजी से कार्य करने के धामी के निर्देश

देहरादून/जोशीमठ, एजेंसी

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बृहस्पतिवार को कहा कि जोशीमठ में भूधंसाव के कारणों को लेकर सभी तकनीकी संस्थानों की रिपोर्ट आते ही आगे की योजना पर तेजी से कार्य किया जाए तथा विस्थापन के संबंध में वहां के लोगों से सुझाव लेकर जल्द सरकार को अवगत कराया जाए। मुख्यमंत्री ने दिल्ली से लौटने के बाद जोशीमठ में चल रहे राहत कार्यों की यहां समीक्षा करते हुए कहा कि भूधंसाव ग्रस्त नगर के संबंध में अध्ययन कर रहे सभी केंद्रीय तकनीकी संस्थानों की रिपोर्ट मिलते ही वहां आगे की योजना पर तेजी से कार्य शुरू कर दिए जाएं। जोशीमठ में भूधंसाव सामने आने के बाद से केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान, राष्ट्रीय भू-भौतिक अनुसंधान संस्थान, वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड, भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान तथा आईआईटी रूडकी जैसे संस्थान नगर का विभिन्न पहलुओं से अध्ययन कर रहे हैं। सभी संस्थानों ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट दो से तीन सप्ताह में देने की बात कही है। धामी ने कहा कि विस्थापन के लिए वहां के लोगों से मिलकर सुझाव लिये जाएं और चमोली के जिलाधिकारी हिमांशु खुराना स्थानीय लोगों से सुझाव लेकर सरकार को जल्द से जल्द रिपोर्ट भेजें। उन्होंने जोशीमठ के प्रभावित क्षेत्र के विस्थापित किए जाने वाले लोगों को सरकार की ओर से बेहतर व्यवस्थाओं का आश्वासन दिया। बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को उन शहरों के लिए भी कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए जहां सही जल निकासी योजना एवं सीवर प्रणाली नहीं हैं। उन्होंने कहा कि सभी शहरों को श्रेणियों के आधार पर चिन्हित किया जाए।

बंगाल में पीएम आवास योजना और मनरेगा के लिए निर्धारित रकम में हेराफेरी : नड्डा

बेथुआडहरी (पश्चिम बंगाल), एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने बृहस्पतिवार को सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह मनरेगा और पीएम आवास योजना के लिए निर्धारित रकम में हेराफेरी कर रही है। उन्होंने उन अरोपों को आधारहीन करार दिया जिनमें कहा गया है कि केंद्र सरकार ने पश्चिम बंगाल को अनुदान राशि देना बंद कर दिया है। पार्टी अध्यक्ष पद के लिए मिले सेवा विस्तार के बाद पहली बार बंगाल दौरे पर पहुंचे नड्डा ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल प्रमुख को सुझाव दिया कि वह संविधान के नियमों के अनुरूप काम करें या फिर जनता के आक्रोश का सामना करें। वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा, ह्यह्यपश्चिम बंगाल में मनरेगा और पीएम आवास योजना के लिए निर्धारित केंद्रीय रकम में सत्ताधारी तृणमूल द्वारा हेराफेरी की जा रही है। अब यह केंद्र पर राज्य को पैसा भेजना बंद करने का आरोप लगा रही है, क्योंकि जांच शुरू की गई है।

तकनीकि इसी तरह से किसान आंदोलन के दौरान कई ट्विटर यूजर्स को निशाना बनाया गया....

आईटी नियमों में संशोधन सोशल मीडिया की आजादी पर हमला : कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस ने सूचना तकनीकि के नियमों में संशोधनों को सोशल मीडिया में अभिव्यक्ति की आजादी पर हमला बताते हुए गुरुवार को इसकी कड़ी निंदा की और कहा कि संशोधनों को तुरंत वापस लिया जाना चाहिए। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सरकार ने आईटी (मध्यस्थ दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम 2021 में संशोधन के मसौदे के लिए परामर्श अवधि को आगामी 25 जनवरी तक बढ़ाते हुए इसमें चालाकी से एक प्रावधान जोड़ा है। इस प्रावधान के माध्यम से सत्ता के अहंकार में चूर मोदी सरकार सोशल मीडिया पर लगाम लगाने के लिए तानाशाही रवैया अपना रही है।

उन्होंने कहा कि इस नियम के अनुसार कोई भी समाचार रिपोर्ट जिसे सरकार के पत्र सूचना कार्यालय-पीआईबी की 'फैक्ट चेकिंग यूनिट' द्वारा 'झूठ, बेबुनियाद या नकली' माना जाएगा उस रिपोर्ट को सरकार सोशल मीडिया, ऑनलाइन वेबसाइटों और ओटीटी प्लेटफार्मों से हटा सकती है। इसका सीधा मतलब यह हुआ कि सूचना और प्रसारण मंत्रालय के प्रेस सूचना ब्यूरो को अगर कोई भी ऑनलाइन सामग्री गलत लगेगी तो उसे अधिकृत ढंग से हटा सकती है। उन्होंने आईटी नियम में इस तरह से किये गये बदलाव को बेहद आपत्तिजनक बताया और कहा कि यह संशोधन सोशल मीडिया की अभिव्यक्ति की आजादी पर प्रहार है और इसको तुरंत वापस लेकर सरकार को संसद के आगामी सत्र में इन नियमों पर विस्तार से चर्चा की करवानी चाहिए।

प्रवक्ता ने कहा, इस नियम का सीधा आशय यह है कि जो रिपोर्ट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की छवि के अनुकूल नहीं होगी तो उसे हटाने में अब पीआईबी की फैक्ट चेकिंग यूनिट जज बनकर काम करेगी। सरकार के आईटी ड्राफ्ट में नये नियम के जोड़ने से साफ हो गया है कि वह बेईमानी, बेरहमी और बेदर्दी से अभिव्यक्ति को कुचलने का काम कर रही है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि उनकी पार्टी पहले भी कह चुकी है कि ये नियम सोशल मीडिया को दिए गए सभी सुरक्षा उपायों और सुरक्षा के खिलाफ हैं। उनका कहना था कि एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया ने भी एक बयान जारी कर नियमों में छलपूर्वक तरीके से किये गये बदलाव पर गहरी चिंता व्यक्त की है।

उन्होंने कहा कि पीआईबी पर भरोसा नहीं किया जा सकता है क्योंकि पीआईबी पहले ही झूठ को सही बता चुका है। उनका कहना था कि एक ट्वीट पोस्ट में पीआईबी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को एक वीडियो में गलत ढंग से दिखाया है। भारत जोड़ो यात्रा के संलग्न एक वीडियो में श्री गांधी को रेलवे स्टेशनों, कार्यशालाओं, चिकित्सा केंद्रों और प्रतिष्ठानों का निजीकरण किया जाएगा कहते हुए दिखाया गया है जबकि यह निजीकरण को लेकर पूछे गये एक प्रश्न का जवाब था।

कांग्रेस नेता ने कहा कि पीआईबी ने एक अन्य पोस्ट में उत्तर प्रदेश की स्पेशल टास्क फोर्स के बारे में अपने कर्मियों और उनके परिवार के सदस्यों को सुरक्षा कारणों से अपने मोबाइल से 52 चीनी ऐप हटाने के निर्देश देने वाली खबर को फर्जी खबर करार दिया जबकि खबर सही थी। इसी तरह से दो जून 2020 को पीआईबी ने एलएसी सीमा के भारतीय क्षत्र में चीनी सैनिकों की मौजूदगी को 'झुठलाते' हुए कहा कि ऐसा नहीं हुआ था। इसके ठीक दो महीने बाद रक्षा मंत्रालय के एक दस्तावेज में कहा गया कि चीन ने मई 2020 में भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ की थी।

संक्षिप्त खबरें

रोजगार/अप्रेन्टिस मेले का आयोजन 21 जनवरी को

कासगंजः राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान कासगज में आगामी 21 जनवरी 2023 को रोजगार/अप्रेन्टिस मेले का आयोजन किया जायेगा। मेले में न्यौली सुगर मिल नगरिया कासगंज से अप्रेन्टिस हेतु फिटर,बैल्डर,मशीनिष्ट एव इस्ट्रूमेन्ट मैकेनिक व्यवसाय से आई0टी0आई0 पास युवाओं को साक्षात्कार के माध्यम से चयन किया जायेगा। मेले में अम्बर इन्टप्राइजेज इण्डिया लिमिटेड नोयडा से एवं मुन्जल सोभा लिमिटेड गुरूग्राम हरियाणा से प्रतिभाग कर रही है। कम्पनियो द्वारा फिटर, इलैक्ट्रीशियन, बैल्डर, मशीनिष्ट, तथा पेन्टर व्यवसाय में आई0टी0आई0 उत्तीर्ण एव मैकेनिकल, प्रोडेक्सन, इलैक्ट्रिक ब्राच में डिप्लोमा पासं और इण्टर मीडिएट एव स्नातक पास फ्रेसर युवाओं का साक्षात्कार के माध्यम से चयन किया जायेगा।

नवोदय विद्यालय में प्रवेश हेतु 31 जनवरी तक करें आवेदन

कासगंजः जवाहर नवोदय विद्यालय थरा चीतरा में सत्र 2023-24 हेतु चयन परीक्षा के माध्यम से कक्षा छः में प्रवेश हेतु आनलाईन आवेदन आंमत्रित किये जा रहे हैं। आवेदन करने की अंतिम तिथि 31 जनवरी 2023 है। उपरोक्त परीक्षा फार्म भरने हेतु वह बच्चे अर्ह होंगें जो जनपद के निवासी हैं तथा शैक्षणिक सत्र 2022-23 में इसी जनपद में सरकारी/मान्यता प्राप्त स्कूल में कक्षा पॉच में अध्ययनरत हैं, सरकारी/मान्यता प्राप्त स्कूल से प्रत्येक पूर्ण शैक्षणिक सत्र में अध्ययन करके कक्षा-तीन एवं चार उत्तीर्ण किया हो तथा 01 मई 2011 से 30 अप्रैल 2013 के बीच जिनका जन्म हुआ हो। जनपद में कम से कम 75 प्रतिशत सीटें ग्रामीण क्षेत्रों के उम्मीदवारों से भरी जायेगी तथा समस्त प्रकार का आरक्षण नियमानुसार देय होगा। न्यूनतम 1/3 सीटें छात्राओं हेतु आरक्षित हैं। परीक्षा की तिथि 29 अप्रैल 2023 नियत है।

इण्टरमीडिएट प्रयोगात्मक परीक्षाऐं 21 जनवरी 2023 से हो रही प्रारम्भ

कासगंजः सचिव, माध्यमिक शिक्षा परिषद, उ0प्र0, प्रयागराज के पृ0सं0मा0शि0प0/सिस्टम सेल/693(1-7) दिनांक 15 जनवरी 2023 के द्वारा सर्वसाधारण के सूचनार्थ विज्ञापित किया गया है कि माध्यमि शिक्षा परिषद की वर्ष 2023 की इण्टरमीडिएट प्रयोगात्मक परीक्षाऐं जो दिनांक 21 जनवरी 2023 से प्रारम्भ हो रही है। उक्त जानकारी देते हुये जिला विद्यालय निरीक्षक एस0पी0 सिंह ने बताया है कि इस परीक्षा के सम्बन्ध में किसी भी छात्र/छात्रा, प्रधानाचार्य अथवा अध्यापक की कोई जिज्ञासा हो अथवा उन्हें किसी प्रकार की कोई कठिनाई या शिकायत हो तो वे इन्हें परिषद के सम्बन्धित क्षेत्रीय कार्यालय अथवा परिषद के मुख्यलय के निम्नाकित फोन नम्बरों पर एवं ई-मेल आई0डी0 पर दर्ज करा सकते हैं। क्षेत्रीय कार्यालय मेरठ दूरभाष नं0 0121-2660742/9454457256 ई0मेल आई0डी0 तवउममतनज/हउंपसण्बवउ प्रयागराज मुख्यालय 18001805310/18001805312 ई0मेल आई0डी0 नचउेच/तमकपिउंपसण्बवउए रवेन्द्र सिंह प्रधानाचार्य राजकीय हाईस्कूल बहोरा/कन्ट्रोलरूम प्रभारी कासगंज दूरभाष नं0 9719897540, राजेश कुमार यादव प्रधानाचार्य राजकीय इण्टर कॉलेज कासगंज दूरभाष नं0 9412181588, सन्तोष कुमार

विशाल मिश्रा की अध्यक्षता में एनडीपीएस की महत्वपूर्ण बैठक

प्रात : किरण,संवाददाता

रूद्रपुर। मुख्य विकास अधिकारी विशाल मिश्रा की अध्यक्षता में एनडीपीएस (नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस) एक्ट 1985 के अन्तर्गत गठित जनपद स्तरीय समिति की महत्वपूर्ण बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। सीडीओ ने सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि जनपद में अफीम, खस-खस पोस्त की अवैध खेती करने वालों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के अन्तर्गत सख्ती से कार्यवाही अमल में लाई जाये। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि अफीम की अवैध खेती की शिकायत मिलने पर पुलिस तथा राजस्व विभाग द्वारा तत्काल कार्यवाही अमल में लाई जाये और खेती को तत्काल नष्ट किया जाये। उन्होने पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि जनपद में टास्क फोर्स बनाकर नशे का करोबार करने वालों के खिफाल निरन्तर छापेमार अभियान चलाया जाये। उन्होने कहा कि यदि कोई ड्रग्स, गांजा, चरस, अफिम आदि का कारोबार करते हुये पाया जाता है तो उसके खिलफ गैंगस्टर की कार्यवाही करते हुये सम्बन्धित की प्रोपर्ट्री जप्त की जाये। उन्होने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि कॉलेजो में मेंटल हेल्थ कैम्प लगाये व युवाओं को नशे के प्रति जागरूक करें। उन्होने निर्देशित करते हुये कहा कि सभी मेडिकल स्टोरो पर सीसीटीवी कैमरें लगाने हेतु मेडिकल स्वामियों को निर्देशि किया जाये। उन्होने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि जनपद में मादक पदार्थों की डिमाण्ड खत्म हो और मार्केट में उपलब्ध न हो इस पर विशेष तौर पर कार्य करें। सीडीओ ने कहा कि जनपद में मादक पदार्थों की डिमाण्ड खत्म करने के लिए जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जाये तथा जन-जागरूकता कार्यक्रम में मुख्य रूप से स्कूल, कॉलेजों आदि के साथ ही युवा पीढ़ी को जागरूक करने पर विशेष ध्यान केन्द्रित किया जाये। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद में वृहद्ध

स्तर पर नशा मुक्ति अभियान चलाया जाये। उन्होने कहा कि डीपीआरओ के माध्यम से ग्राम प्रधानों व अन्य जनप्रतिनिधियों का सहयोग लेते हुये एनजीओ व सम्बन्धित विभाग के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाया जाये। उन्होने कहा कि सिडकुल क्षेत्र व लेबर अण्डो पर पोस्टर, होर्डिंग्स आदि के माध्यम से जागरूक किया जाये। उन्होंने मुख्य शिक्षा अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि जागरूकता हेतु स्लोगन प्रतियोगिताएं आयोजित की जाये व स्लोगन बुक तैयार कर सभी विद्यालयों में प्रतिदिन प्रार्थना सभा में स्लोगन के माध्यम से बच्चों/युवाओं को जागरूक किया जाये। उन्होने कहा कि आगामी 26 जनवरी को स्कूलों में नशा मुक्ति पर भी कार्यक्रम आयोजित किये जाये व शपथ भी दिलाई जाये। सीडीओ ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग व एनजीओ मिल कर नगर निमग, नगर पालिका, नगर पंचायतों में जाकर स्वच्छता अभियान के साथ-साथ नशा मुक्ति हेतु जागरूकता अभियान चलाया जाये।

बैठक में प्रशिक्षु आईएएस अनामिका सिंह, एसपी सिटी मनोज कत्याल, मुख्य मुख्य शिक्षा अधिकारी आरसी आर्या, जिला समाज कल्याण अधिकारी अमन अनिरूद्ध, ड्रग्स स्पेक्टर नीरज कुमार, एसीएमओ डॉ0 राजेश आर्या, जिला आबकारी अधिकारी हरीश चन्द्र, सदस्य एनडीपीएस अनुज अग्रवाल, नेहा वर्मा सहित अन्य समिति सदस्य मौजूद थे।

प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत 23 ग्रामों का हुआ चयन

ग्रामों को आवश्यक सुविधाओं से संतृप्त करते हुये किया जायेगा विकास

कासगंज : प्रात : किरण,संवाददाता

भारत सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना (पी0एम0ए0जी0वाई0) के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2022-23 में जनपद कासगंज में वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार ग्राम में 40 प्रतिशत से अधिक अनुसूचित जाति की आबादी वाले 23 नवीन ग्रामों का चयन किया गया है इन ग्रामों में गैप फिलिंग कार्य (जैसे-पेयजल और स्वच्छता इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास,ठोस व तरल अपशिष्ट निपटान सुविधाओं की स्थापना, स्कूलों और आंगनबाडियों व शौचालय का निर्माण और प्रमुख मरम्मत, आंगबाड़ियों का निर्माण और सोलर लाइट और स्ट्रीट लाइट की स्थापना) पूर्ण कर 23 ग्रामों का आदर्श ग्राम घोषित किया जायेगा। उक्त के अंतर्गत विकास खण्ड कासगंज की ग्राम भामों, मामों, एवं तिलसई कलां विकास खण्ड सोरों के ग्राम अगौली किराई, चांदपुरा गऊपुरा एवं ग्राम पंचायत डोरई के ग्राम का नाम पहाड़पुरा खुर्द विकास खण्ड अमांपुर के ग्राम बाछमई, वजीरपुर एवं रानामऊ विकास खण्ड सहावर के ग्राम रायों, जौहरी, सादिकपुर एवं अल्लाहदीनपुर, विकास खण्ड सिढ़पुरा के ग्राम नगला भीमसैन, बल्हारपुर समौठी, गोपालपुर एवं लोंगपुर, विकास खण्ड गंजडुण्डवारा ग्राम के देवकली, ग्राम पंचायत खडुइया के ग्राम रसूलपुर अरौरा, ग्राम पंचायत का नाम भीकमपुर के ग्राम नगला रते एवं ग्राम सुन्नगढ़ी को चयनित किया गया है।उक्त जानकारी देते हुये जिला समाज कल्याण अधिकारी सुधीर पाण्डेय ने बताया कि विकास खण्ड कासगंज में 03 ग्राम, ब्लाक सोरों में 03 ग्राम, ब्लाक अमांपुर में 04 ग्राम, ब्लाक सहावर 04, ब्लाक सिढ़पुरा में 05 ग्राम व ब्लाक गंजडुण्डवारा में 04 ग्राम तथा कुल 23 ग्रामों का चयन किया गया है ।

माननीय मंत्री को स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा तैयार किये गए बेकरी उत्पादों को भेंट किया

- विधायक ने 5 लाख निर्माण कार्य हेतु देने की घोषणा की
- अवास विकास गुरूद्वारे में आयोजित प्रकाश पर्व पर शामिल श्री बेहड

प्रात : किरण,संवाददाता

बैठक की अध्यक्षता करते हुए मंत्री ने जनपद स्तर पर आयोजित कार्यक्रम व प्रशिक्षण में स्वयं सहायता समूह के माध्यम से भोजन की व्यवस्था कराने को कहा। इसके साथ ही माननीय मुख्यमंत्री द्वारा शुरू की गई लखपति दीदी योजना के अंतर्गत स्वयम सहायता समूह के माध्यम से जुड़ी महिलाओं को लखपति बनाने हेतु कार्य योजना बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए। कहा कि सरकार द्वारा महिलाओं के जीवन मे उन्नयन हेतु योजना शुरू की गई है जिससे वे सशक्त व आत्मनिर्भर बनकर अपना जीवन व्यतीत कर सके। बैठक में जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद के काश्तकारों की आय बढ़ाने हेतु विकास खण्ड स्तर की भौगोलिक विशेषता के आधार पर क्लस्टर तैयार किये जा रहे है। इससे उत्पादन अधिक होने के साथ ही विपणन में भी आसानी होगी। इसके साथ ही मंडुवे के अनुसार ही झंगोरा का भी न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित कराने व मिड डे मिल में चावल के स्थान पर झंगोरा को भोजन में शामिल करने की बात भी कही। इससे जिससे काश्तकारों की आय में वृद्धि व बच्चों को पौष्टिक भोजन भी मिल सकेगा। मुख्य विकास अधिकारी डॉ संदीप तिवारी ने बताया कि ग्राम्य विकास विभाग 75 अमृत सरोवर लक्ष्य के सापेक्ष 87 निर्मित किये गए है। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पंकज भट्ट, जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट, विधायक राम सिंह कैड़ा, सरिता आर्य, परियोजना निदेशक अजय सिंह, सहायक परियोजना निदेशक शिल्पी पन्त, जिला विकास अधिकारी गोपाल गिरी, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल जे एस बिष्ट, मुख्य कृषि अधिकारी वी के सिंह, उद्यान अधिकारी आर के सिंह, कृषि एवं भूमि संरक्षण अधिकारी ऋतु कुकरेती, महामंत्री नवीन भट्ट सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बालिका इंटर कॉलेज के पास ट्रांसफार्मर में लगी भीषण आग, बड़ा हादसा होने से टला

हल्द्वानी। उत्तराखंड के जनपद नैनीताल के हल्द्वानी में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज के पास लगे विद्युत ट्रांसफार्मर में अज्ञात कारणों के चलते भीषण आग लगा गई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुँची पुलिस एवं दमकल विभाग की टीम ने आग पर काबू पाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बनभूलपुरा थाना क्षेत्रान्तर्गत आज गुरुवार को सुबह लगभग 9 बजे राजकीय बालिका इंटर कॉलेज बनभूलपुरा के पास लगे विद्युत ट्रांसफार्मर में अज्ञात कारणों के चलते भीषण आग लगा गई। बता दें कि विद्युत ट्रांसफार्मर में आग लगते समय पास के स्कूल में बच्चों का आगमन शुरू हो गया था, गनीमत रही की आग लगने से कोई बड़ा हादसा नही हुआ। वही घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुँची थाना बनभूलपुरा पुलिस एवं दमकल विभाग की टीम ने समय रहते आग पर काबू पाया। इधर विद्युत विभाग के जेई साकिब सिद्दीकी भी अपने कर्मचारियों के साथ मौके पर पहुँच गए।

राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना हेतु आधार प्रमाणीकरण अनिवार्य

कासगंज : प्रात : किरण,संवाददाता

समाज कल्याण विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम के अन्तर्गत राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना का संचालन किया जा रहा है, आधार प्रमाणीकरण से पात्र व्यक्ति तक पहुंच रहा वृद्धावस्था पेंशन का लाभ जनपद में आधार प्रमाणीकरण द्वारा 1119 मृतक व आपात्रों की रोकी गई पेंशन, जिले में 2718 नए पात्र वृद्धजन पेंशन योजना में शामिल, आधार प्रमाणीकृत कुल 17058 लाभार्थियों को दी जा रही राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन बयान- आधार प्रमाणीकरण द्वारा मृतक, अपात्र एवं फर्जी लाभार्थियों को हटाते हुए पात्र व्यक्ति तक योजना का लाभ पहुंचाना सुनिश्चित किया जा रहा है, प्रदेश में 07 लाख से अधिक नए वृद्धाजनों को वृद्धवस्था पेंशन स्वीकृत करने के साथ ही समस्त पात्र वृद्धजनों को पेंशन योजना में शमिल किया जाएगा, असीम अरूण राज्य मंत्री (स्व0प्र0) समाज कल्याण , उ0प्र0 समाज कल्याण विभाग द्वारा राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजनांतर्गत आधार प्रमाणीकरण को अनिवार्य किया गया है जिसके अंतर्गत मृतक/अपात्र लाभार्थियों को हटाने, डुप्लीकेट लाभार्थी और एक से अधिक स्थानों से अलग अलग खाता संख्या लगाकर पेंशन प्राप्त करने वाले फर्जी लाभार्थियों को चिन्हित कर हटाने की कार्यवाही की जा रही है, विभाग द्वारा आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से पारदर्शिता सुनिश्चित करने के साथ ही सही व्यक्ति तक योजना का लाभ पहुचाना सुनिश्चित किया जा रहा है, विशेष अभियान चलाकर क्षेत्रीय अधिकारियों, कर्मचारियों व पंचायत सहायकों के माध्यम से घर-घर जाकर सत्यापन करते हुए मृतक/अपात्र एवं फर्जी पाए गए 1119 लाभार्थियों को चिन्हित कर पेंशन रोक दी गई है।

प्रशासन एवं निगम का सिंगल यूज प्लास्टिक के अभियान शुरू, भारी मात्रा में प्लास्टिक बरामद

हल्द्वानी। प्रात : किरण,संवाददाता

जिला प्रशासन एवं नगर निगम हल्द्वानी-काठगोदाम ने प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ आज गुरुवार से एक बार फिर अभियान शुरू कर दिया है। सिटी मजिस्ट्रेट ऋचा सिंह एवं नगर आयुक्त पंकज उपाध्याय के नेतृत्व में जिला प्रशासन एवं नगर निगम की संयुक्त टीम ने बरेली रोड नवीन मंडी में प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ छापेमारी की। टीम ने छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक बरामद किया। इस दौरान अंकित बोरा, अनमोल सवाल, तनवीर अहमद, बॉबी, मनु, सूरज व अन्य कर्मचारी शामिल रहे। सिटी मजिस्ट्रेट ऋचा सिंह का कहना है कि प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक पर लगातार अभियान जारी रहेगा, इसलिए दुकानदारों व जनता से अपील की जाती है, कि प्रतिबंधित सिंगल प्लास्टिक का उपयोग करना बंद करे। मुख्य नगर आयुक्त पंकज उपाध्याय का कहना है कि प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ उच्च न्यायालय के आदेश के अंतर्गत सिंगल यूज प्लास्टिक पूर्णता प्रतिबंधित है, इसलिए जनता व दुकानदारों से अपील की जाती है, कि सिंगल यूज प्लास्टिक तत्काल प्रभाव से बंद कर दे। बता दें कि बीते दिनों कुमाऊँ कमिश्नर दीपक रावत ने शहर का पैदल भ्रमण किया था। जिसमें उन्होंने काफी दुकानदारों को प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक उपयोग करते हुए पाया था।

जिसके पश्चात कमिश्नर दीपक रावत ने सिटी मजिस्ट्रेट एवं नगर आयुक्त को प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ अभियान चलाने के निर्देश दिए थे

नई बीएमडब्ल्यू 3 सीरीज ग्रैन लेमोजिन भारत में हुई लॉन्च

देहरादून। बीएमडब्ल्यू इंडिया ने देश में नई बीएमडब्ल्यू 3 सीरीज ग्रैन लेमोजिन लॉन्च की है। चेन्नई में बीएमडब्ल्यू ग्रुप के प्लांट में स्थानीय रूप से निर्मित यह कार पेट्रोल और डीजल दोनों वैरिएंट्स में भारत में बीएमडब्ल्यू इंडिया की सभी डीलरशिप्स पर उपलब्ध है न्यू बीएमडब्ल्यू 3 सीरीज ग्रैन लेमोजिन अपने सेगमेंट में सबसे लंबी, ज्यादा जगह वाली और आरामदायक कार है। यह कार अपनी श्रेणी में नए मानक तय करती है। यह कार सुपरलेटिव लग्जरी, असाधारण ड्राइविंग डायनैमिक्स और अविश्वसनीय इनोवेशन प्रदान करती है। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया के प्रेसिडेंट मिस्टर विक्रम पावा ने कहा कि 3सीरीज ने दुनिया भर में लाखों लोगों का दिल जीत लिया है। बीएमडब्ल्यू 3 सीरीज ग्रैन लेमोजिन ड्राइवर के लिए बेहतरीन स्पोर्ट्स सेडान और यात्रियों के लिए जबर्दस्त लक्जरी कार का परफेक्ट मिश्रण है। नई बीएमडब्ल्यू 3 सीरीज ग्रैन लेमोजिन अपने नए डिजाइन, ज्यादा आधुनिक और पर्याप्त जगह वाले माहौल और डिजिटलीकरण की प्रगति के साथ लंबी छलांग लगाने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह स्पष्ट रूप से ड्राइविंग का आनंद (शियर ड्राइविंग प्लेजर) प्रदान करती है। इसमें शानदार लग्जरी की झलक इसे लोगों के साथ-साथ उनके परिवार के लिए भी बेहतरीन पसंद बनाती है। अपनी सबसे आगे रहने वाली कनेक्टेड ड्राइव तकनीक और शक्तिशाली इंजन के साथ, नई बीएमडब्ल्यू 3 सीरीज ग्रैन लेमोजिन प्रीमियम सेगमेंट में ड्राइविंग का शानदार आनंद देती है। अलग-अलग लोगों की फाइनेंशियल जरूरतों को ध्यान में रखते हुए कार की खरीद के लिए कस्टमाइज्ड और लचीले फाइनेंशियल सोल्यूशन डिजाइन करने के लिए बीएमडब्ल्यू इंडिया फाइनेंशियल सर्विसेज का धन्यवाद।

कमिश्नर दीपक रावत ने लैंड फ्रॉड मामलों की समीक्षा, 14 मामलों में मुकदमा दर्ज करने के निर्देश

हल्द्वानी। प्रात : किरण,संवाददाता

सर्किट हाउस काठगोदाम में कुमाऊं कमिश्नर दीपक रावत ने कुमाऊं मंडल के लैंड फ्रॉड मामलों की समीक्षा की। बैठक में आयुक्त द्वारा 14 मामलों में मुकदमा दर्ज कराने के निर्देश दिए गए है। कुमाऊं मंडल के 6 जिलों में 37 लैंड फ्रॉड के मामलों की समीक्षा की गई। जिनमें जमीनी फजीर्वाड़ा और प्रॉपर्टी डीलरों द्वारा एक जमीन को कई बार बेचने जैसे मामले थे, यही नहीं भू माफियाओं ने कई सरकारी जमीनों को भी बेच दिया है। आयुक्त ने समीक्षा में नैनीताल जनपद के 6 मामले और उधम सिंह नगर के 5 मामले पिथौरागढ़ के एक मामले में मुकदमा दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं। आयुक्त ने आम जनमानस से अपील की है भूमि क्रय करने से पहले भूमि की जांच जरूरी है। उन्होंने कहा सर्व प्रथम भूमि खरीदने से पहले उस भूमि की लेटेस्ट खतौनी तहसील से प्राप्त कर सब रजिस्टार से उसकी जांच करा लें ताकि यह जमीन 15 सालां से किन-किन हाथों में गयी है, जिस जमीन को क्रय किया जा रहा है क्या न्यायालय में कोई विवाद तो नही है। उन्होंने कहा यह भी जांच करें कि कहीं जमीन बैक में बंधक तो नहीं है। कमिश्नर रावत ने कहा कि जमीन खरीदने से पहले जांच जरूरी है जिससे हम भविष्य की परेशानियों एवं धोखाधडी से बच सकते हैं। उन्होंने कहा भूमि क्रय करने से पश्चात भूमि की बाउन्ड्री अवश्य करा लें। शिकायतकर्ता सुमन कुमार पुत्र स्व सुरेन्द्र ग्राम पैगा तहसील काशीपुर उधमसिहनगर जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र रजिस्टर मे पंजीकरण पर मृतक तरसेमलाल पुत्र रामसरण का नाम अंकित नही होने के आधार पर फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र का वसीयत के प्रयोग के सम्बन्ध में, नीरज कुमार राजपूत निवासी हल्द्वानी ने भूमि खरीद फरोख्त मे हेमन्त कुमार सैनी को 10 लाख रुपए का फायदा होने पर की गई शिकायत के सम्बन्ध में, लालसिंह मेहता पुत्र लछम सिंह मेहता लालडाठ बिठौरिया के साथ ठगी धोखाधडी व प्लाट उपलब्ध न कराये जाने के सम्बन्ध में शिकातय आई थी। आईजी कुमाऊं नीलेश आनन्द भरणे ने कहा कि भूमि संबंधी कोई शिकायत या सुझाव पुलिस से संबंधित हो तो मोबाइल नंबर 807 77 13006 पर संपर्क कर सकते हैं। बैठक में आईजी कुमाऊं नीलेश आनन्द भरणे, जिलाधिकारी धीराज सिंह गर्ब्याल, एसएसपी पंकज भटट,अपर जिलाधिकारी शिवचरण द्विवेदी, अपर आयुक्त जीवन सिंह नगन्याल, नगर आयुक्त पंकज उपाध्याय के साथ ही सम्बन्धित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

सुप्रसिद्ध वाह भाई वाह कार्यक्रम में मुंबई पहुँचे बादल बाजपुरी टेलीविजन देखेंगे

बाजपुर ।सुप्रसिद्ध वाह भाई वाह कार्यक्रम में मुंबई पहुँचे बादल बाजपुरी टेलीविजन की दुनिया के सुप्रसिद्ध कार्यक्रम वाह भाई वाह में दिखेंगे बाजपुर के बादल लंबे अरसे से अपने लेखन के माध्यम से बाजपुर का गौरव बढा रहे ' नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे बादल बाजपुरी सुविख्यात टेलीविजन कलाकार एवं कवि शैलेश लोढा के निमंत्रण पर शेमारू चैनल के वाह भाई वाह कार्यक्रम में अपनी कविताओं की रिकॉर्डिंग करवा के आ गए है ' जिसका प्रसारण जल्द ही किया जाएगा ' बताते चले बादल बाजपुरी सैकड़ो अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय सम्मानों से सम्मानित हो चुके हैं औ वे विश्व का सबसे बड़ा वर्च्युअल कवि सम्मेलन आयोजित करवा के दो बार विश्व रिकॉर्ड बना चुके हैं ' लंबे समय से लेखन कर रहे बादल बाजपुरी की इस उपलब्धि पर उनके प्रशंसकों के मध्य हर्ष का उल्लास है '

कार्यकताओं ने तीनो मंडल अध्यक्षों का फूल मालाओं से स्वागत किया

बाजपुर ।पूर्व राज्य मंत्री राजेश कुमार के आवास पर पहुंचे तीन नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष बाजपुर बिट्टू चौहान महुआ खेड़ागंज संजीव कुमार सुल्तानपुर पट्टी राजेश सैनी का भाजपा कार्यकताओं ने किया फूल मालाओं से स्वागत किया गया ।अपने संबोधन में राजेश कुमार ने कहा पार्टी ने तुम्हें जो जिम्मेदारी दी है उसे पूरी ईमानदारी से निभाना और हर कार्यकर्ता को अपने साथ लेकर चलना जिससे कि भाजपा और मजबूती से आगे बढ़े ।इस अवसर पर जिला मंत्री विकास गुप्ता प्रधान संघ के अध्यक्ष महेश राठौर,विमल शर्मा, वीरेंद्र सिंह बिष्ट,कन्नू जोशी,ललित गर्ग,योगेश कुमार,साकेत सिंगल,नरेंद्र चौधरी,कुलवंत सिंह,बबलू कैलाश दिवाकर,रंजीत,दीपक कुमार, राजकुमार,दिग्विजय सिंह,विजयपाल,बाबा जी विकास पवार,सुरेंद्र सिंह,अरुण हेमचंद कांडपाल,इदरीस आशीष ठाकुर, आदि उपस्थित थे।

कार्यो की सराहना केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री से मिलकर उनके समाधान का हरसंभव प्रयास किये जाने की बात की...

सैनिक कल्याण मंत्री ने शहीद स्मारक में शहीदों को किया नमन

लालकुआं/हल्द्वानी ।प्रात : किरण,संवाददाता

प्रदेश के कृषि एवं सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने लालकुआँ में कारगिल शहीद स्मारक में शहीदों को नमन करते हुए शहीद स्मारक पर पुष्प चक्र अर्पित किये तथा बिन्दुखत्ता के सैकड़ों पूर्व सैनिकों का परिचय प्राप्त करते हुए उनके द्वारा किये जा रहे कार्यो की सराहना की। उन्होंने पूर्व सैनिकों के द्वारा की जा रही मांगो को केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री से मिलकर उनके समाधान का हरसंभव प्रयास किये जाने की बात की। श्री जोशी ने बिन्दुखत्ता पूर्व सैनिक संगठन को एक लाख की सहायता राशि दिये जाने की घोषणा की । सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि प्रदेश में चार धामों के अलावा पांचवा धाम सैनिक धाम है। जिसको लेकर प्रदेश की सरकार शहीदों के कल्याण के लिये कई कार्य कर रही है बिन्दुखत्ता के सैनिकों के लिये सामुदायिक भवन बनाया जायेगा जिसके लिये शहीद स्मारक के निकट जगह भी स्वीकृत हो चुकी है जिसका कार्य जल्द शुरू किया जायेगा। इसके पश्चात मंत्री जोशी द्वारा कार रोड बिन्दुखत्ता में पूर्व सैनिक सुबेदार रंजीत सिह गडिया द्वार पूर्व सैनिक स्वरोजगार योजना के तहत तेल पिराई, पाश्ता एवं माइक्रोनी मशीनों का रिबन काटकर शुभारम्भ किया। उन्होंने कहा इस के माध्यम से 15 लोगों को रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा सरकार पूर्व सैनिकों के लिए सदैव तत्पर है। उन्होंने कहा पूर्व सैनिकों की जो भी समस्यायें हैं उनका समाधान सरकार युद्व स्तर पर कर रही है। उन्हांने सैनिकों से अपील की है कि रोजगार देने वाले बनो। उन्होंने कहा हमें मेक इंन इंडिया का नारा साकार करना है। इसके लिए हमें आगे आना होगा। उन्होंने कहा उत्तराखण्ड को 2025 तक हर क्षेत्र में अग्रणी हो इसके लिए निरंतर कार्य किये जा रहे है। मंत्री जोशी ने कहा कि सैनिक आजीविका एवं प्रशिक्षण केन्द्र के लिए 1 बीघा भूमि के लिए वन विभाग से स्वीकृति मिल गई है। उन्होने कहा प्रधानमंत्री स्वरोजगार सृजन योजना के तहत प्रदेश में 1631 यूनिट स्थापित की गई है। जिसमें कुल 12904 लोंगो को रोजगार मिल रहा है। इस अवसर पर ब्लाक प्रमुख रूपा देवी, जिलाध्यक्ष प्रताप बोरा, मण्डल अध्यक्ष जगदीश पंत,देवेन्द्र बिष्ट, लक्ष्मण खाती, खीमानन्द शर्मा, रामसिंह पपोला, पूर्व सैनिक संगठन के कर्नल सेनि प्रताप सिंह, खिलाप सिह दानू, प्रकाश मिश्रा, शेर सिंह दानू, सुबेदान सेनि रंजीत सिह, प्रेम सिंह, चंचल सिंह कोरंगा, कैप्टन सेनि सुरेन्द्र सिंह,दीपक जोशी के साथ ही पूर्व सैनिक संगठन के पदाधिकारी उपस्थित थे।

विद्यालयों के कायाकल्प का कार्य करें प्राथमिकता पर-जिलाधिकारी

कासगंजः जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने कलेक्ट्रेट सभागार में शिक्षा विभाग के आपरेशन कायाकल्प अभियान एवं ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुये कहा कि समस्त विद्यालयों में आपरेशन कायाकल्प के कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराकर शैक्षिक वातावरण को और अधिक बेहतर बनायें। स्कूली बच्चों को अच्छी शैक्षिक सुविधायें उपलब्ध करायें। कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं की जायेगी। जिलाधिकारी के द्वारा विद्यालयों के कायाकल्प के कार्य को ग्राम पंचायत, नगर निकाय व बेसिक शिक्षा विभाग के मध्य लक्ष्य निर्धारित करते हुये बॉटा गया है जिसकी समीक्षा प्रति सप्ताह की जाती है। जिससे अपेक्षित प्रगति सामने आ रही है। विवादित प्रकरणों को छोड़कर अवशेष में कार्य प्रगति पर है और अधिकांश विद्यालयों में कायाकल्प के मानकों के अनुरूप शतप्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। जिलाधिकारी ने परषिदीय विद्यालयों की भांति ऑगनबाड़ियों के कायाकल्प का कार्य तथा नवीनी स्वीकृत ऑगनबाड़ियों के निर्माण कार्यो की समीक्षा हेतु प्रोफार्मा तैयार करने के निर्देश दिये। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राजीव कुमार द्वारा बताया गया कि कासगंज विकास खण्ड के समस्त विद्यालयों की कम से कम एक कक्षा को स्मार्ट क्लास की सुविधायें उपलब्ध कराये जाने हेतु प्रयास किया जा रहा है। उन्होने बताया कि 75 नवीन कक्षा कक्ष स्वीकृत हुये हैं जिनके निर्माण का कार्य भी प्रगति पर है साथ कस्तूरबा गॉधी विद्यालयों में भी कायाकल्प के साथ फर्नीचर निर्माण का भी कार्य कराया जा रहा है। नगर निकायों की योजनायें पास होने के बाद उनके द्वारा परिषदीय विद्यालयों में स्वीकृत कायाकल्प के कार्य की भी समीक्षा की गयी और कार्य में प्रगति लाने हेतु निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी ने समस्त खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देश दिये की खेल के मैदान बनाने एवं गौशालाओं के निर

यमुना की सफाई के लिए 1028 करोड़ रुपये अतिरिक्त मंजूर

नई दिल्ली, एजेंसी

मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल के यमुना को साफ करने के विजन को गति देने की दिशा में गुरुवार को दिल्ली विधानसभा में यमुना की सफाई व दिल्ली जलबोर्ड के लिए सदन द्वारा 1028 करोड़ रुपए के पूरक अनुदान को मंजूरी दी गई। उपमुख्यमंत्री व जलमंत्री मनीष सिसोदिया ने यमुना सफाई के लिए पूरक अनुदान की मांग को सदन पटल पर रखा और सदन ने इसे मंजूरी दी। सदन में सिसोदिया ने कहा कि एलजी ने अफसरों पर दबाव बनाकर यमुना सफाई के काम को रोकने का हर संभव प्रयास किया। सदन से बजट मंजूर होने के बावजूद जलबोर्ड के काम रोके गए। इन्होने पहले प्रोजेक्ट्स को रोकने का प्रयास किया। प्रोजेक्ट्स नहीं रुके तो इन्होंने फण्ड रोक दिए लेकिन यमुना की सफाई का काम जारी है। दिल्ली सरकार यमुना की सफाई का काम कभी रुकने नहीं देगी। उन्होंने साझा किया कि सरकार ने दिल्ली जल बोर्ड के रुके पैसों को तो जारी करवा ही दिया है साथ ही यमुना की सफाई के लिए 1028 करोड़ रुपए का एडिशनल बजट भी जारी किया है। ताकि यमुना को साफ करने के कामों में तेजी लाइ जा सकें। सिसोदिया ने कहा कि यमुना की सफाई का काम रुकना नहीं है। अगले चुनावों से पहले यमुना साफ होकर रहेगी तो यमुना साफ होकर रहेगी। इसके लिए जो भी करना पड़े- जैसे भी करना पड़े हम करेंगे। दिल्ली सरकार इस दिशा में युद्धस्तर पर काम कर रही है। उन्होंने बताया कि खुद मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने यमुना

की सफाई को अपनी प्राथमिकता बनाते हुए स्वयं हर एक पहलू पर बारीकी से नजर बनाए रखी है और रोजाना 1-1 नाले उसकी, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट काम कर रहा है या नहीं, कितना काम कर रहा है, ट्रीटटेड पानी कहा जा रहा है आदि के विषय में अधिकारियों से प्रोग्रेस रिपोर्ट लेते है व उसकी जांच करते है। इस दिशा में यमुना को साफ करने के काम को और तेजी से बढ़ाने के लिए दिल्ली जल बोर्ड को 1028 करोड़ रुपए का एडिशनल फंड दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा और एलजी चाहे जितने प्रयास कर ले दिल्ली सरकार यमुना साफ करने के काम को रुकने नहीं देगी। उल्लेखनीय है कि यमुना सफाई के लिए पूरक अनुदान के अतिरिक्त सरकार द्वारा दिल्ली के तरक्की की गति को बढ़ाने व लोकहित के कामों में तेजी लाने की श्रृंखला में दिल्ली विधानसभा द्वारा वर्ष 2022-23 के लिए मुख्यमंत्री सड़क योजना में 100 करोड़ रुपए के अतिरिक्त फंड, ट्रांस-यमुना एरिया वर्क के लिए 49 करोड़, पीडब्ल्यूडी के रोड मेनटेनेंस,अतिरिक्त क्लासरूम निर्माण, अस्पतालों के री-मॉडलिंग आदि के लिए लगभग 800 करोड़ के अतिरिक्त फंड, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के लिए 75 करोड़, छठ घाटों के लिए 8 करोड़, शहीदों को 1-1 करोड़ रुपए की सम्मान राशी देने के मद में 25 करोड़ की अतिरिक्त राशी, मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के लिए अतिरिक्त 50 करोड़, एससीएसटी वेलफेयर के लिए 75 करोड़, डीजीएचएस के लिए 50 करोड़, अस्पतालों के फंड के लिए 364 करोड़ रुपए ,उच्च शिक्षा के लिए 78 करोड़ ,समग्र शिक्षा अभियान के लिए 199 करोड़, यूनिफार्म सब्सिडी के लिए 130 करोड़, मिड डे मील के लिए 114 करोड़, लॉ डिपार्टमेंट के लिए 60 करोड़, वकीलों की बेहतरी के लिए केजरीवाल सरकार योजना के तहत 10 करोड़ रुपए व दिल्ली हाई कोर्ट व सिविल कोर्ट के विभिन्न मदों के लिए 311 करोड़ रुपए के अतिरिक्त फंड को मंजूरी दी गई।

संक्षिप्त खबरें

पश्चिम विहार की दीवार पर लिखे खालिस्तान समर्थित नारे दिल्ली पुलिस ने मिटवाए

नई दिल्ली। दिल्ली के पश्चिम बिहार इलाके में एक दीवार पर राष्ट्र विरोधी और खालिस्तान समर्थित नारे पेंट के जरिए लिख दिए गए जिन्हें पुलिस ने बृहस्पतिवार को मिटवा दिया। अधिकारियों ने बताया कि दीवार पर खालिस्तान ज़िंदाबादऔर रेफरेंडम 2020 जैसे नारे लिखे गए थे। पूछे जाने पर दिल्ली पुलिस की प्रवक्ता सुमन नलवा ने कहा, कुछ लोगों ने दिल्ली में कुछ स्थानों पर राष्ट्र-विरोधी, खालिस्तान-संबंधी नारे लिख दिए थे। यह सुरक्षा-संबंधी मुद्दा नहीं है। इस मामले में कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस यह सुनिश्चित कर रही है कि गणतंत्र दिवस से पहले कोई गलत गतिविधि न हो। प्रवक्ता ने कहा, इससे हमारी सुरक्षा प्रभावित नहीं होती है। चूंकि एसएफजे (सिख्स फॉर जस्टिस) एक प्रतिबंधित संगठन है, इसलिए यह खबरों में रहना चाहता है। एसएफजे का संचालन अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन में रहने वाले कुछ कट्टरपंथी सिख करते हैं। इस संगठन को भारत सरकार ने 2019 में गैर कानूनी गतिविधि रोकथाम कानून के तहत प्रतिबंधित कर दिया था।

उत्तर भारत में अगले पांच दिन शीतलहर की संभावना नहीं : मौसम विभाग

नई दिल्ली। उत्तर भारत के कुछ हिस्सों में बृहस्पतिवार को शीतलहर का प्रकोप रहा जबकि अगले पांच दिन शीतलहर चलने की संभावना नहीं है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। मौसम विभाग के अनुसार, बृहस्पतिवार को दक्षिण हरियाणा, पूर्वी राजस्थान, मध्य प्रदेश के उत्तरी भाग और बिहार के कुछ इलाकों में शीतलहर का प्रकोप बना रहा। उत्तरी मध्य प्रदेश के कुछ भागों और पूर्वी उत्तर प्रदेश तथा हरियाणा के दूरदराज के हिस्सों में न्यूनतम तापमान दो से पांच डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आईएमडी ने एक बयान में कहा, अगले पांच दिनों के दौरान उत्तर भारत में शीतलहर की संभावना नहीं है। बयान में कहा गया, ह्यह्यएक और सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ 20 जनवरी की रात से 26 जनवरी तक पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र और 23 जनवरी से 25 जनवरी तक उत्तर पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों को प्रभावित कर सकता है। विभाग ने कहा कि इसके प्रभाव से, 20 से 22 जनवरी को जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी की संभावना है। वहीं, 23 जनवरी से 26 जनवरी तक पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तरी राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है।

आप और बीजेपी विधायकों ने दिल्ली विधानसभा परिसर में किया विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली में सत्तासीन आम आदमी पार्टी और विपक्षी दल भाजपा के विधायकों ने अलग-अलग मुद्दों को लेकर बृहस्पतिवार को दिल्ली विधानसभा परिसर में धरना दिया। इस दौरान विपक्षी दल भाजपा के विधायकों ने आप सरकार की ह्वकिसान विरोधीह्व नीतियों का विरोध किया, वहीं सत्तारूढ़ पार्टी के विधायकों ने उपराज्यपाल और मुख्य सचिव सहित दिल्ली सरकार के कई शीर्ष अधिकारियों के खिलाफ

सरकार के कामकाज में कथित रूप से बाधा डालने का विरोध किया। विधानसभा परिसर में प्रदर्शन के दौरान भाजपा विधायकों ने छोटा हल लेकर केजरीवाल सरकार की किसान विरोधी नीतियों का विरोध किया।

दिल्ली विधानसभा में विपक्ष के नेता रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा, ह्वदिल्ली में भूमि अधिग्रहण पर किसानों को कम मुआवजा दिया जाता है और कृषि उपकरणों पर कोई सब्सिडी नहीं दी जाती। आप सरकार के आठ साल के दौरान दिल्ली के गांवों में कोई अस्पताल, कॉलेज या सीवर लाइन नहीं बिछाई गई है।ह्व उन्होंने कहा कि अगर सरकार सदन में किसानों के मुद्दे पर चर्चा से भागेगी तो भाजपा विधायक विधानसभा में मुख्यमंत्री के कक्ष के बाहर धरना देंगे। वहीं, भाजपा के खिलाफ आतिशी और सौरभ भारद्वाज सहित कई आप विधायकों ने विधानसभा परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने धरना दिया। आप विधायकों के विरोध के कारण विधानसभा की कार्यवाही 30 मिनट देरी से शुरू हुई।

सदर बाजार की 25 दुकानों को सील करने के खिलाफ व्यापारियों ने उपराज्यपाल निवास के बाहर धरना दिया

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली के सदर बाजार की 25 दुकानों को सील किए जाने के खिलाफ व्यापारियों ने बृहस्पतिवार को उपराज्यपाल निवास के बाहर धरना दिया।

आम आदमी पार्टी के व्यापारी संगठन व्यापार और उद्योग मंडल (सीटीआई) ने भी इस मुद्दे पर उपराज्यपाल वी के सक्सेना को एक पत्र लिखा है। इस महीने की शुरूआत में पुरानी दिल्ली के सदर बाजार में 25 दुकानों को सील कर दिया गया था, जबकि पांच अन्य को परिसर खाली करने का नोटिस दिया गया था। सीटीआई के चेयरमैन बृजेश गोयल और अध्यक्ष सुभाष खंडेलवाल ने कहा कि सदर बाजार में सीलिंग की कार्रवाई से अन्य बाजारों के दुकानदार भी सहमे हुए हैं। बृजेश गोयल ने कहा, ह्यह्यव्यापारियों को सीलिंग की धमकी मिल रही है। फिलहाल दिल्ली में एमसीडी में कोई सरकार नहीं है और एमसीडी का नियंत्रण उपराज्यपाल के पास है, सभी अधिकारी उपराज्यपाल के आदेश का ही पालन कर रहे हैं। बृजेश गोयल ने उपराज्यपाल को लिखे पत्र में कहा है कि जब तक एमसीडी में नई सरकार नहीं बन जाती, तब तक सीलिंग की कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए। हम चाहते हैं कि सीलिंग के मुद्दे पर दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के सदन में चर्चा हो। बृजेश गोयल ने उपराज्यपाल को लिखे पत्र में कहा, वैसे भी दिल्ली का मास्टर प्लान 2041 आने वाला है और उसमें लिखा है कि जिस मार्केट में 70 फीसदी से ज्यादा व्यावसायिक गतिविधियां होती हैं वह व्यावसायिक बाजार की श्रेणी में आता है। सीलिंग की कार्रवाई का आदेश 11 अप्रैल 2022 को जारी हुआ था। लेकिन कार्रवाई 10 माह बाद हुई है। अधिकारी अब तक क्या कर रहे थे? दुकानें 10 महीने बाद अचानक क्यों सील कर दी गईं? अधिकारियों की भूमिका संदेहास्पद है और इसकी जांच की जानी चाहिए।

आतंकवादी संगठन दुख्तरान-ए-मिल्लत को प्रतिबंधित करने को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली हाई कोर्ट ने कश्मीर के आतंकवादी संगठन दुख्तरान-ए-मिल्लत को प्रतिबंधित करने को चुनौती देने वाली संगठन की नेता आसिया अंद्राबी की याचिका को खारिज कर दी है।

जस्टिस अनीश दयाल ने याचिका खारिज करने का आदेश दिया। दुख्तरान-ए-मिल्लत को 30 दिसंबर, 2004 को प्रतिबंधित किया गया था। यह प्रतिबंध गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 के तहत लगाया गया है। इस संगठन से जुड़ीं आसिया अंद्राबी 2018 से न्यायिक हिरासत में हैं। दुख्तरान-ए-मिल्लत ने 23 मार्च, 2018 को पाकिस्तान दिवस के रूप में मनाया था। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आसिया अंद्राबी ने कहा था कि धर्म, विश्वास और पैगंबर से प्रेम के आधार पर भारतीय उपमहाद्वीप के सभी मुसलमान पाकिस्तानी हैं। इस दौरान पाकिस्तान का राष्ट्रगान भी गाया गया था। उन्होंने अपने संगठन दुख्तरान-ए-मिल्लत को प्रतिबंधित करने को दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती दी है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता ने अपने संगठन का नाम प्रतिबंधित संगठनों की सूची से हटवाने के लिए कोई आवेदन नहीं दिया। याचिकाकर्ता ने कोर्ट आने के पहले उपलब्ध कानूनी विकल्पों का उपयोग नहीं किया।

सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से पेश एएसजी चेतन शर्मा ने याचिका का विरोध करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता 18 वर्षों के प्रतिबंध के बाद कोर्ट पहुंचीं हैं। उन्होंने याचिकाकर्ता पर जुमार्ना लगाने के साथ याचिका खारिज करने का आदेश दिया। पटियाला हाउस कोर्ट में आसिया अंद्राबी और उसके दो सहयोगियों सोफी फहमीदा और नाहिदा नसरीन के खिलाफ राजद्रोह और आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए साजिश रचने की धाराओं के तहत आरोप तय किए गए हैं। कोर्ट ने तीनों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 120बी, 121, 121ए, 124ए, 153ए. 153बी और 505 के अलावा यूएपीए की धारा 18,20 और 39 के तहत आरोप तय किए हैं। आसिया अंद्राबी, सोफी फहमीदा और नाहिदा नसरीन देशद्रोह और घृणा फैलाने वाले भाषण देने के मामले में जेल में बंद हैं। इन पर राजद्रोह और जम्मू-कश्मीर में घृणा फैलाने वाले भाषण देने के लिए अप्रैल, 2018 में एक मामला दर्ज किया गया था। जम्मू-कश्मीर हाई कोर्ट ने श्रीनगर की जेल में बंद अंद्राबी की जमानत जून 2018 में खारिज कर दी थी। एनआईए ने अप्रैल, 2018 में इनके साथ-साथ इनके संगठन के खिलाफ एक मामला दर्ज किया था।

सदन में लहराए गए कैश एसीबी को सौंपा गया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा के अंदर बुधवार को आप विधायक मोहिंदर गोयल की ओर से दिखाए गए तीन लाख रुपये गुरुवार को एसीबी को सौंप दिया गया है। विधानसभा अध्यक्ष रामनिवास गोयल ने बताया कि एसीबी को इस बारे में सूचना दी गई थी और उन्हें पैसा सौंप दिया गया है। कानूनी सलाह के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। विधानसभा अध्यक्ष ने यह जानकारी उस समय दी जब मोहिंदर गोयल ने आरोप लगाया कि उनकी छवि खराब करने की कोशिश की जा रही है। मैंने अंबेडकर अस्पताल में भर्ती को लेकर हो रही गड़बड़ी की शिकायत एसीबी में की थी, लेकिन एसीबी अब बयान दे रही है कि उसे कोई शिकायत नहीं मिली है, जबकि मेरे पास विभाग की चिट्ठी है। सूचना के अधिकार नियम के तहत भी मुझे कई दस्तावेज मिले हैं। उन्होंने सदन से मांग की है कि विभाग को इस संबंध में अपना बयान जारी करने के लिए निर्देश देने की मांग की है, जिसमें बताया जाए कि उन्होंने शिकायत दर्ज कराई थी। 30 लाख का दिया गया ऑफर : रिठाला से आप विधायक मोहिंदर गोयल ने आरोप लगाया कि अंबेडकर अस्पताल में नर्सिंग कर्मचारी समेत कई भर्तियों में पैसे लिए जा रहे थे।

अदालत ने खराब चरित्र का शख्स घोषित करने के खिलाफ आप विधायक खान की याचिका खारिज की

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक अमानतुल्लाह खान को खराब चरित्र का शख्स घोषित करने के दिल्ली पुलिस के फैसले के खिलाफ दायर उनकी याचिका को बृहस्पतिवार को खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति सुधीर कुमार जैन ने कहा कि खान के पास इस बात की आजादी है कि वह खराब चरित्र का धब्बा हटवाने के लिए संबंधित अधिकारियों के समक्ष प्रतिवेदन दे सकते हैं। न्यायाधीश ने फैसला सुनाते हुए कहा कि संबंधित पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) ने विधायक के खिलाफ कार्रवाई के समर्थन में कारण बताए हैं। दिल्ली पुलिस ने ओखला से आप विधायक खान को पिछले साल खराब चरित्र का शख्स घोषित किया था। खान के वकील ने दलील दी थी कि अधिकारियों ने पूरी तरह से दुर्भावनापूर्ण तरीके से काम किया और दावा किया कि प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक पार्टी के एक प्रवक्ता ने उनकी छवि को खराब करने के लिए सोशल मीडिया पर हिस्ट्री शीट की प्रति साझा की जो गोपनीय दस्तावेज होता है। दिल्ली पुलिस ने दलील दी कि निर्णय लेने के लिए सक्षम अधिकारियों ने उचित प्रक्रिया का पालन किया था। उन्होंने दलील दी कि दुर्भावना का आरोप साबित करने के लिए अदालत के समक्ष पर्याप्त सामग्री नहीं रखी गई थी। खान को खराब चरित्र का शख्स घोषित करने का प्रस्ताव दक्षिणपूर्व जिले के जामिया नगर थाने ने 28 मार्च को भेजा था, जिसे 30 मार्च को मंजूरी मिल गई थी। दस्तावेज में कहा गया है कि खान के खिलाफ 18 प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस के मुताबिक, जो शख्स हत्या व हत्या का प्रयास समेत कई आपराधिक मामलों में शामिल है और इलाके में शांति को बाधित कर सकता है, उसे खराब चरित्र का व्यक्ति घोषित किया जा सकता है।

आप, भाजपा विधायकों के हंगामे के कारण दिल्ली विधानसभा की बैठक बार बार बाधित

नई दिल्ली। अरविंद केजरीवाल सरकार की कथित किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी के विधायकों के हंगामे के चलते बृहस्पतिवार को दिल्ली विधानसभा की बैठक बार बार बाधित हुई। विधानसभा परिसर में प्रदर्शन के दौरान भाजपा विधायकों ने हल की छोटी छोटी प्रतिकृतियां लेकर केजरीवाल सरकार की किसान विरोधी नीतियों पर विरोध जताया। दिल्ली विधानसभा में विपक्ष के नेता रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा, दिल्ली में भूमि अधिग्रहण पर किसानों को कम मुआवजा दिया जाता है और कृषि उपकरणों पर कोई सब्सिडी नहीं दी जाती। आप सरकार के आठ साल के कार्यकाल के दौरान दिल्ली के गांवों में कोई अस्पताल, कॉलेज नहीं बना और सीवर लाइन नहीं बिछाई गई है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार सदन में किसानों के मुद्दे पर चर्चा से बचेगी तो भाजपा विधायक विधानसभा में मुख्यमंत्री के कक्ष के बाहर धरना देंगे। इस बीच, सत्तारूढ़ आप विधायकों ने विधानसभा परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा के पास, उपराज्यपाल वी के सक्सेना और मुख्य सचिव सहित दिल्ली सरकार के शीर्ष अधिकारियों के खिलाफ कथित रूप से शहर सरकार के काम में बाधा डालने के आरोप को लेकर धरना दिया। आप विधायकों के विरोध के कारण विधानसभा की कार्यवाही 30 मिनट देरी से, पूर्वाह्न 11.30 बजे शुरू हुई। सदन के अंदर, आप विधायक सरकार के काम में कथित हस्तक्षेप को लेकर उपराज्यपाल के खिलाफ विरोध जताते हुए आसन के समक्ष आ गए, जिसके बाद विधानसभा अध्यक्ष को दोपहर 12 बज कर पंद्रह मिनट तक के लिए बैठक स्थगित करनी पड़ी। सदन की कार्यवाही जैसे ही दोबारा शुरू हुई, भाजपा विधायक कथित किसान विरोधी नीतियों को लेकर केजरीवाल सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए, पोस्टर लेकर आसन के समक्ष चले गए। भाजपा विधायकों ने इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष के, अपने स्थानों पर जाने और कार्यवाही चलने देने के अनुरोध पर ध्यान नहीं दिया, जिसके बाद अध्यक्ष ने सदन की बैठक दोपहर बारह बज कर तीस मिनट तक और फिर से दोपहर बारह बज कर पैंतालिस मिनट तक के लिए स्थगित कर दी।

मालीवाल के साथ हुई घटना पर केजरीवाल ने एलजी को घेरा, कानून व्यवस्था पर साथ देने का भी वादा

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल को कार से घसीटे जाने का मामला सामने आया है। दरअसल, एक नशे में धुत एक कार चालक ने दिल्ली में एम्स के गेट नंबर दो के सामने स्वाति मालीवाल को 10 से 15 मीटर तक घसीटा। इस मामले पर अब दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल का बयान सामने आया है। उन्होंने इस घटना के लिए दिल्ली एलजी वीके सक्सेना नसीहत दी है।

डीएमआरसी ने केंद्र और दिल्ली सरकार से ब्याज-मुक्त 3565.64 करोड़ रुपये कर्ज मांगा

- रिलायंस के आर्बिट्रेशन अवार्ड का भुगतान करने के लिए केंद्र और दिल्ली सरकार से आग्रह किया

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली मेट्रो रेल कारपोरेशन (डीएमआरसी) ने कहा है कि उसने रिलायंस के आर्बिट्रेशन अवार्ड के पैसों के भुगतान के लिए केंद्र और दिल्ली सरकार से आग्रह किया है। डीएमआरसी ने दिल्ली हाई कोर्ट में दाखिल हलफनामे में कहा है कि उसने केंद्र और दिल्ली सरकार से ब्याज-मुक्त 3565.64 करोड़ रुपये कर्ज देने की मांग की है। जस्टिस यशवंत वर्मा की बेंच इस मामले पर 31 जनवरी को अगली सुनवाई करेगी। डीएमआरसी ने हाई कोर्ट में दाखिल ताजा हलफनामे में कहा है कि 16 जनवरी को हुई उसकी बोर्ड मीटिंग में केंद्र और दिल्ली सरकार के ब्याज मुक्त कर्ज देने का आग्रह करने का प्रस्ताव पारित किया गया है। चार जनवरी को डीएमआरसी ने कोर्ट को बताया था कि दिल्ली सरकार रिलायंस के आर्बिट्रेशन अवार्ड के पैसों के भुगतान में अपना हिस्सा नहीं देना चाहती है। डीएमआरसी ने हलफनामा दाखिल कर दिल्ली हाई कोर्ट को ये जानकारी दी थी। डीएमआरसी और अटार्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने कहा था कि दिल्ली सरकार ने डीएमआरसी को सूचना दी है कि वो अपने हिस्से का 3565.64 करोड़ रुपये नहीं देना चाहती। अटार्नी जनरल ने कहा था कि इस मसले पर केंद्र सरकार गंभीरता से विचार कर रहा है। 10 अक्टूबर 2022 को डीएमआरसी ने कोर्ट को बताया था कि उसने केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार से धन का इंतजाम करने का आग्रह किया है। अटार्नी जनरल ने दिल्ली हाई कोर्ट से कहा था कि अगर वो डीएमआरसी के खिलाफ कोई निरोधात्मक फैसला करेगी तो लाखों मेट्रो यात्री प्रभावित होंगे। डीएमआरसी ने हाई कोर्ट को बताया था कि 6 सितंबर 2022 तक उस पर रिलायंस का 7010.08 करोड़ रुपये बकाया है। अभी तक उसने रिलायंस को 2599.17 करोड़ का भुगतान कर दिया है। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर की सब्सिडियरी कंपनी दिल्ली एयरपोर्ट मेट्रो एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड (डीएएमईपीएल) द्वारा तैयार किए गए प्रोजेक्ट ऐसेट्स का उपयोग जुलाई 2013 से ही डीएमआरसी कर रही है। बता दें कि 9 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने 2017 के आर्बिट्रेशन के फैसले को बरकरार रखते हुए डीएमआरसी को रिलायंस इंफ्रा को ब्याज समेत रुपये चुकाने का आदेश दिया था।

लाइन डालने के लिए खोदे गए गड्ढे में गिरे पपी की हुई मौत, पुलिस ने दर्ज किया केस

नई दिल्ली, एजेंसी

कृष्णा नगर इलाके में इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड के कर्मचारियों ने लाइन डालने के लिए गड्ढा खोदा। उसमें एक डॉग पपी गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने घटना को देखकर खूब हंगामा किया। बाद में मामले की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने कॉल मिलने के बाद इस संबंध में मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

मरे हुए पपी के अवशेषों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से मामले की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक वेस्ट आजाद नगर, कृष्णा नगर इलाके में गली नंबर-11 में आईजीएल के कर्मचारी पाइप लाइन डालने के लिए गड्ढा खोदकर रहे थे। इस बीच एक डॉग पपी उसमें गिरा और मर गया। राहगीरों ने देखा तो हंगामा करने लगे। कुछ लोग आईजीएल के कर्मचारियों से बहस करने लगे। सूचना मिली तो पुलिस की टीम वहां पहुंच गई। कॉलर ने बताया कि वह किसी काम से निकल गाय है। आने के बाद अपना बयान देगा। पुलिस ने हालात के आधार पर डॉग पपी की मौत के मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है। स्थानीय लोगों का कहना है कि आईजीएल कर्मचारियों की ओर से गड्ढा खोदने के संबंध में भारी लापरवाही बरती गई है।

रेलगाड़ियों का अस्थायी निरस्तीकरण / आंशिक निरस्तीकरण / मार्ग परिवर्तन / पुर्ननिर्धारण एवं रोककर चलाना

आधारभूत अवसंरचना को और सुदृढ़ करने तथा बेहतर संरक्षा हेतु उत्तर रेलवे द्वारा राजपुरा – बठिण्डा सेक्शन पर छींटावाला – नाभा रेलवे स्टेशनों पर नॉन–इंटरलॉकिंग का कार्य किया जाएगा। इस कार्य के संपादन हेतु रेलवे द्वारा दिनांक 23.01.2023 से 28.01.2023 के बीच उपयुक्त ट्रैफिक ब्लॉक्स लिए जाएंगे। परिणामस्वरूप, ब्लॉक्स की अवधि के दौरान निम्नलिखित रेलगाड़ियाँ इनके समक्ष दर्शायी गई तिथियों पर निम्नानुसार प्रभावित रहेगीः–

रेलगाड़ियों का निरस्तीकरण

रेलगाड़ी सं.	रेलगाड़ी का नाम	निरस्तीकरण की तिथि (प्रारंभिक स्टेशन से)
04548/14510	बठिण्डा – अम्बाला कैंट एक्सप्रेस स्पेशल रेलगाड़ी	25.01.2023 से 28.01.2023 तक
04531	अम्बाला कैंट – धूरी एक्सप्रेस स्पेशल रेलगाड़ी	25.01.2023 से 28.01.2023 तक
04547	अम्बाला कैंट – बठिण्डा एक्सप्रेस स्पेशल रेलगाड़ी	25.01.2023 से 28.01.2023 तक
14525/14526	अम्बाला कैंट – श्री गंगानगर – अम्बाला कैंट एक्सप्रेस स्पेशल रेलगाड़ी	25.01.2023 से 28.01.2023 तक

रेलगाड़ियों का आंशिक निरस्तीकरण

रेलगाड़ी सं. एवं नाम	स्टेशन जहाँ रेलगाड़ी यात्रा समाप्त / प्रारंभ करेगी	स्टेशनों की बीच रद्द रहेगी	आंशिक निरस्तीकरण की तिथि (आरंभिक स्टेशन से)
14735 श्री गंगानगर–अंबाला कैंट एक्सप्रेस	बठिण्डा पर	बठिण्डा – अम्बाला कैंट	25.01.2023 से 28.01.2023 तक
14736 अम्बाला कैंट – श्री गंगानगर एक्सप्रेस	बठिण्डा से	अम्बाला कैंट–बठिण्डा	26.01.2023 से 29.01.2023 तक

रेलगाड़ियों का मार्ग परिवर्तन

रेलगाड़ी सं0 एवं गाड़ी का नाम	परिवर्तित मार्ग	तिथि
11057 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस – अमृतसर दादर एक्सप्रेस	वाया अंबाला कैंट – राजपुरा – लुधियाना स्टेशन	23.01.2023 से 26.01.2023 तक
11058 अमृतसर – छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस दादर एक्सप्रेस	वाया लुधियाना – राजपुरा – अंबाला कैंट स्टेशन	25.01.2023 से 28.01.2023 तक
12751 हजूर साहिब नांदेड़–अमृतसर एक्सप्रेस	वाया पानीपत – जाखल – धुरी – लुधियाना स्टेशन	27.01.2023 को

रेलगाड़ियों का पुनर्निधारण

रेलगाड़ी सं. एवं नाम	पुनर्निधारण रेलगाड़ियाँ
11058 अमृतसर – छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस दादर एक्सप्रेस	रेलगाड़ी दिनांक 25.01.2023 से 28.01.2023 को अमृतसर से 08.50 के स्थान पर 11.10 बजे (140 मिनट देरी से) प्रस्थान करेगी।

रोककर चलाई जाने वाली रेलगाड़ियाँ

रेलगाड़ी सं. एवं नाम	विनियमित रेलगाड़ियाँ
14507 दिल्ली–बठिंडा एक्सप्रेस	रेलगाड़ी दिनांक 20.01.2023 को अपने स्थान से 30 मिनट रोक कर चलाई जाएगी।

ठहराव जहां रेलगाड़ी नही रोकी जायेंगी

रेलगाड़ी सं. एवं नाम	ठहराव जहां रेलगाड़ी नही रोकी जायेंगी	तिथि
14888/14887 बाड़मेर–ऋषिकेश–बाड़मेर एक्सप्रेस	नाभा रेलवे स्टेशन	24.01.2023 से 27.01.2023 तक
14508/14507 फाजिल्का–दिल्ली–भटिंडा एक्सप्रेस	नाभा रेलवे स्टेशन	25.01.2023 से 28.01.2023 तक
14711/14712 हरिद्वार–श्री गंगानगर–हरिद्वार एक्सप्रेस	नाभा रेलवे स्टेशन	25.01.2023 से 28.01.2023 तक

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाईन सं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें।

रेलमदद वेबसाइट देखें: www.railmadad.indianrailways.gov.in रेलमदद ऐप डाउनलोड करें

आज़ादी का अमृत महोत्सव | G20 | उत्तर रेलवे
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ पर हमें फॉलो करें

आयोजन देश के मेंटर प्रोग्राम के तहत मेंटर्स ने दिल्ली सरकार के स्कूलों में पढ़ने वाले सैकड़ों बच्चों के भविष्य को दिशा देने को लेकर गंभीर...

राष्ट्र को दिशाहीन होने से बचाना आवश्यक है : उपमुख्यमंत्री सिसोदिया

नई दिल्ली, एजेंसी

उपमुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने गुरुवार को इंदिरा गांधी दिल्ली टेक्निकल यूनिवर्सिटी फॉर वीमेन में आयोजित देश के मेंटर कॉन्क्लेव-2023 में कहा कि वर्तमान समय में राष्ट्र को दिशाहीन होने से बचाना उतना ही आवश्यक है, जितना देश को शत्रुओं से बचाना। उपमुख्यमंत्री सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली सरकार की प्रमुख पहल देश के मेंटर प्रोग्राम के तहत मेंटर्स ने दिल्ली सरकार के स्कूलों में पढ़ने वाले सैकड़ों बच्चों के भविष्य को दिशा देने को लेकर गंभीर कार्य किया है। इस दौरान उन्होंने मेंटरिंग द्वारा अपने मेंटीज के जीवन में उल्लेखनीय बदलाव लाने वाले मेंटर्स से उनके अनुभवों को जाना और सम्मानित किया। साथ ही कहा कि राष्ट्र निर्माण और राष्ट्र के भविष्य को सुरक्षित करने में यह उनका सबसे बड़ा योगदान है। कॉन्क्लेव का आयोजन

दिल्ली बाल अधिकार संरक्षण आयोग (डीसीपीसीआर) की ओर से किया गया था, जिसमें आईजीडीटीयूडब्ल्यू की उपकुलपति अमिता देव, डीसीपीसीआर के चेयरमैन अनुराग कुंडू, अतिरिक्त शिक्षा निदेशक रीता शर्मा सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिसोदिया ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में जब हमने आउट ऑफ बॉक्स जाकर सोचा तो देखा की इसमें एक चीज जो गायब है, वो है- सपना। पिछले सात साल में शिक्षा मंत्री के रूप में मैंने स्कूलों में लाखों बच्चों के साथ चर्चा की। इन सभी चचाओं में बच्चों का ड्रीम कहीं न कहीं मिसिंग था। बच्चों से पूछो कि भविष्य में क्

देश के युवाओं को तैयार करने में एनसीसी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई : अजय भट्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली कैंट में चल रहे एनसीसी गणतंत्र दिवस शिविर में गुरुवार को रक्षा राज्यमंत्री अजय भट्ट पहुंचे और एनसीसी कैडेट्स से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि एनसीसी ह्यविविधता में एकताह्न का बेहतरीन उदाहरण है और इस संस्था ने गठन के बाद से अनुशासन, चरित्र, साहस की भावना और आदर्शों के मूल्यों को स्थापित करके देश के युवाओं को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

करियप्पा परेड ग्राउंड में 02 जनवरी को शुरू हुए शिविर में सभी 28 राज्यों और आठ केंद्रशासित प्रदेशों के 2,155 कैडेट्स हिस्सा ले रहे हैं। इनमें 710 लड़कियां भी हैं। शिविर का समापन 28 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रैली के साथ होगा। शिविर में शामिल हो रहे एनसीसी कैडेट्स को संबोधित करते हुए रक्षा राज्यमंत्री ने रेखांकित किया कि एनसीसी देश के युवाओं के लिए ह्यएकता और अनुशासनह्न का प्रतीक रहा है। यह संगठन निःस्वार्थ सेवा भाव से भारतीय संविधान में निहित देशभक्ति और धर्मनिरपेक्ष मूल्यों को मजबूत करता आ रहा है। रक्षा राज्यमंत्री ने कहा कि एनसीसी का विस्तार तय कार्यक्रम के अनुसार हो रहा है। अपनी विस्तार योजनाओं के माध्यम से एनसीसी का उद्देश्य तटीय क्षेत्रों, सीमावर्ती क्षेत्रों और वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में अपने कवरेज को बढ़ाना है, जिसमें दूरस्थ क्षेत्रों के युवाओं को बदलने पर विशेष जोर दिया गया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विशेष प्रयास ऐसे क्षेत्रों में अधिकतम नई स्थापनाओं का पता लगाकर ग्रामीण और अर्ध शहरी क्षेत्रों में एनसीसी की पहुंच बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से यह प्रयास इन क्षेत्रों में युवाओं को ऊर्जावान बनाकर उन्हें राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का अवसर देगा। उन्होंने नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अभियान, सामुदायिक विकास और सामाजिक सेवा योजनाओं में एनसीसी कैडेटों की भूमिका को सराहा। रक्षा राज्यमंत्री ने कहा कि मुझे विश्वास है कि टीम वर्क की भावना आपको भविष्य में भी हमेशा राष्ट्रीय उद्देश्यों की दिशा में सकारात्मक योगदान देने में सक्षम बनाएगी। एनसीसी कैडेट्स ने 15 अगस्त, 2022 को प्रधानमंत्री के हर घर तिरंगा के आह्वान को साकार करने में सचमुच देशभक्ति के उत्साह से भरे एक महान त्योहार में बदल दिया था। अजय भट्ट ने अन्य विशिष्ट अतिथियों के साथ एनसीसी सभागार में कैडेटों की ओर से प्रस्तुत किये गए शानदार ह्यसांस्कृतिक कार्यक्रमह्न को देखा। रक्षा राज्यमंत्री के शिविर में पहुंचने पर सेना, नौसेना और वायु सेना के तीनों अंगों की ओर से ह्यगार्ड ऑफ ऑनरह्न दिया गया। इसके बाद एनसीसी कैडेट्स ने बैंड की शानदार प्रस्तुति दी। अजय भट्ट ने विभिन्न सामाजिक जागरुकता विषयों और सांस्कृतिक गतिविधियों को दर्शाते हुए तैयार किये गए एनसीसी कैडेटों के ह्यफ्लैग एरियाह्न का भी दौरा किया। कैडेटों ने उन्हें अपने संबंधित राज्य निदेशालय विषयों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। रक्षा राज्यमंत्री ने ह्यहॉल ऑफ फेमह्न का भी दौरा किया, जिसमें पूर्व छात्रों की तस्वीरों, मॉडल, प्रेरक और एनसीसी के तीन विंगों के समृद्ध अभिलेखीय संग्रह का प्रदर्शन किया गया है।

भारत की ज्ञान परम्परा ने दुनिया को संभालने का कार्य किया है : प्रधान

नई दिल्ली। केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने गुरुवार को कहा कि भारत की ज्ञान परम्परा ने कभी किसी पर प्रभुत्व कायम नहीं किया बल्कि दुनिया को संभालने का कार्य किया है। श्री प्रधान ने डॉ. अश्विन फर्नांडिस की पुस्तक इंडिया नॉलेज सुपरमेसीः द न्यू डॉन का यहां विमोचन करने के बाद कहा कि वेद-उपनिषद को पढ़ने पर ज्ञात होता है कि उनमें सभी का कल्याण और सभा-विमर्श का वर्णन है। इससे स्पष्ट है कि भारत की मिट्टी में वसुधैव कुटुम्बकम की भावना और प्रजातंत्र प्रणाली हजारों वर्ष पहले से समाहित रही है। तमिलनाडु के तंजावुर जिले में एक शिलालेख मिला है जिसमें भी सभा-विमर्श का वर्णन है, इससे स्पष्ट है कि भारत प्रजातांत्रिक प्रणाली कितनी पुरातन रही है। मिल-जुलकर रहना और विचार-विनिमय भारत के स्वभाव में हैं। उन्होंने कहा कि सरकार नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लेकर गंभीर है और शिक्षा पर खर्च बढ़ाने के प्रयास जारी रहेंगे। श्री प्रधान ने पुस्तक के लेखक डॉ. अश्विन से कहा कि उन्होंने पुस्तक में बहुत तथ्यात्मक चीजों को समाहित करते हुए भारत की प्राचीन ज्ञान परम्परा से लेकर अद्यतन शिक्षा प्रणाली तक का विस्तृत वर्णन किया है और उम्मीद है कि आगे भी इससे अधिक ज्ञानवर्धक पुस्तकें वह लाते रहेंगे। डॉ अश्विन ने इस मौके पर कहा कि उनकी यह पुस्तक उच्च शिक्षा में उन बदलावों को दशार्ती है जिनका भारत ने प्राचीन काल में सामना किया है। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक भारत की बढ़ती शक्ति और बौद्धिक विकास को भी उजागर करती है। यह सभी आयु के लोगों के लिए डिजाइन की गयी है।

आरोपी अमित अरोड़ा की जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली। कथित आबकारी नीति घोटाले के मामले में आरोपी अमित अरोड़ा की अंतरिम जमानत याचिका को अदालत ने खारिज कर दिया है। अरोड़ा ने अपनी पत्नी की आपात चिकित्सा के आधार पर अंतरिम जमानत की मांग की थी। अरोड़ा पर धनशोधन के तहत मामला दर्ज है। राउज एवेन्यू स्थित विशेष न्यायाधीश एमके नागपाल की अदालत ने गुरुवार को आरोपी अमित की अंतरिम जमानत याचिका को नामंजूर करते हुए कहा कि आरोपी की पत्नी की चिकित्सा रिपोर्ट की जांच अधिकारी से कराई गई है। उसके मुताबिक आरोपी की पत्नी को सर्जरी के लिए कहा गया है, लेकिन यह आपात स्थिति नहीं है, बल्कि योजना के तहत सर्जरी होने की प्रक्रिया है। इसलिए इस सर्जरी को आपात स्थिति नहीं कहा जा सकता। आरोपी अमित अरोड़ा की तरफ से दलील दी गई थी कि उनकी पत्नी लंबे समय से पित्त की पथरी से पीड़ित हैं। इसे निकालने के लिए सर्जरी की आवश्यकता है। अदालत ने देर शाम को आए आदेश में कहा कि अरोड़ा की तरफ से दी गई दलीलें यह नहीं दशार्ती कि सर्जरी के लिए कोई वास्तविक योजना बनाई गई है या सर्जरी की तारीख और अस्पताल तय हो चुका है। अंतरिम जमानत नियमित या आकस्मिक तरीके से नहीं दी जा सकती। अंतरिम जमानत के लिए परिस्थितियां असाधारण होनी चाहिए। पत्नी को पहले सर्जरी की योजना बनानी चाहिए और अस्पताल से एक तारीख लेनी चाहिए, जिसमें वह सर्जरी कराने का इरादा रखती हैं।

संक्षिप्त खबरें

मालीवाल के दावे पर केजरीवाल ने एलजी से राजनीति छोड़ कानून एवं व्यवस्था पर ध्यान देने को कहा

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष के साथ छेड़छाड़ और उन्हें कथित रूप से कार से घसीटे जाने के बाद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उपराज्यपाल (एलजी) से कुछ दिन राजनीति छोड़, कानून एवं व्यवस्था पर ध्यान देने का बृहस्पतिवार को आग्रह किया। दिल्ली महिला आयोग की प्रमुख स्वाति मालीवाल ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि दक्षिण दिल्ली में एम्स के बाहर एक कार से उन्हें 10-15 मीटर तक घसीटा गया। उनका कहना है कि गाड़ी की खिड़की में उनका हाथ फंस गया था और नशे में धुत वाहन चालक ने कार आगे बढ़ा दी। यह घटना बृहस्पतिवार तड़के की है जब आयोग की प्रमुख दिल्ली में महिला सुरक्षा का जायजा लेने के लिए अपनी टीम के साथ राष्ट्रीय राजधानी की सड़कों पर थी। घटना के वक्त उनकी टीम उनसे कुछ दूर थी। केजरीवाल ने ट्विटर पर कहा, दिल्ली में कानून व्यवस्था का क्या हाल हो गया ? गुंडों के हौसले इतने बढ़ गये कि महिला आयोग अध्यक्ष भी सुरक्षित नहीं है। उन्होंने कहा, संविधान में बस एक यही काम एलजी साहिब को दिया गया है। एलजी साहिब से निवेदन है कि कुछ दिन राजनीति छोड़ कर कानून व्यवस्था पर ध्यान दें। हम पूरी तरह उनका सहयोग करेंगे। पुलिस के मुताबिक, आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है जिसकी पहचान 47 वर्षीय हरीश चंद्र के तौर पर हुई है।

लग्जरी कार चुराकर दूसरे राज्यों में बेचने वाले धरे

नई दिल्ली। दक्षिण जिले की स्पेशल स्टाफ टीम ने दिल्ली-एनसीआर से चोरी की लग्जरी कारें दूसरे राज्यों में बेचने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी 42 वर्षीय इमरान और 29 वर्षीय अमनदीप से चोरी की सात लग्जरी कारें, एक स्कूटी, एक पिस्टल और दो कारतूस बरामद किए हैं। आरोपी इमरान चोरी के वाहनों को दक्षिण पूर्वी और पश्चिमी भारत के राज्यों में और अमनदीप पंजाब में बेचता था। डीसीपी चंदन चौधरी ने बताया कि टीम ने साकेत इलाके से आरोपी इमरान को चोरी की लग्जरी कार के साथ गिरफ्तार किया। उसके पास से पिस्टल और कारतूस मिले। वहीं अंबेडकर नगर से आरोपी अमनदीप को चोरी की लग्जरी कार के साथ दबोचा। पूछताछ के बाद पंजाब के अमृतसर में उसके ठिकानों से पांच और लग्जरी कार और एक स्कूटी बरामद की। पूछताछ में आरोपी इमरान ने बताया कि वह लंबे समय से वाहन चोरी में शामिल था। चोरी के वाहनों को मध्य प्रदेश में छिपाता था। इसके बाद उसे दक्षिण-पूर्वी और पश्चिमी भारत के राज्यों में बेच देता था। वहीं आरोपी अमनदीप सिंह ने बताया कि वह चोरी की कारों को ही बदमाशों से खरीदता था और उसे पंजाब में बेचता था। आरोपी इमरान मेरठ का रहने वाला है, जबकि अमनदीप पंजाब के अमृतसर में रहता है।

आपदा प्रबंधन में एनडीआरएफ ने अलग पहचान बनायी : नित्यानंद राय

नई दिल्ली, एजेंसी

केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा है कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) ने आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में निस्वार्थ मानवीय सेवाओं के कारण आपदा के समय त्वरित प्रतिक्रिया और जोखिमों को कम करने के क्षेत्र में उत्कृष्ट पहचान बना चुका है और निरंतर नई ऊँचाईयों को हासिल कर रहा है।

श्री राय ने गुरूवार को यहां (एनडीआरएफ) के 18वें स्थापना दिवस के अवसर पर कहा कि बल द्वारा अब तक 8,500 से ज्यादा बचाव अभियानों के दौरान लगभग डेढ लाख से ज्यादा लोगों को बचाया जा चुका है तथा साढे सात लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया गया है। सरकार की नीतियों और निर्णयों के बल पर देश ने आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में काफी प्रगति की है। उन्होंने कहा कि शुरू में बल में वाहिनियों की संख्या मात्र 8 थी, जो अब बढ़कर 16 हो गयी है। इसके साथ ही एनडीआरएफ की टीमें देश के 28 शहरों में रीजनल रिस्पांस सेंटर के रूप में किसी भी आपदा में त्वरित कार्रवाई के लिए तैनात हैं।

केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री ने कहा कि बल का गठन सरकार द्वारा प्राकृतिक एवं मानव-निर्मित आपदाओं से निपटने के लिए किया गया था और स्थापना से लेकर अब तक यह निरंतर राहत एवं बचाव कार्यों में नित नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह बल की कार्यकुशलता एवं अभ्यास का ही परिणाम है कि गत वर्षों में आई विभिन्न आपदाओं के दौरान होने वाले जान माल के नुकसान का प्रबंधन करने में हम और भी ज्यादा सक्षम हुए हैं। उन्होंने कहा कि एनडीआरएफ देश का एकमात्र ऐसा बल है जो देश में किसी भी क्षेत्र में आपदाओं के दौरान त्वरित प्रतिक्रिया प्रदान करने के लिए बहु-कुशल बचावकर्मी, उच्च तकनीक तथा आधुनिक उपकरणों के साथ कम से कम समय में पहुँचता है। इसीलिए, सभी प्रकार की आपदाओं के लिए प्रभावी समय में अपनी विशेष प्रतिक्रिया के कारण यह बल आपदा प्रतिक्रिया का सबसे चर्चित नाम बन गया है।

इमारत ढहने, बाढ़, बादल फटना, भू-स्खलन और ट्रेन दुर्घटनाओं आदि जैसी दुर्घटनाओं के दौरान बल द्वारा प्रदर्शित क्षमता को प्रत्येक स्तर पर सराहा गया है। श्री राय ने कहा कि एनडीआरएफ स्थानीय स्तर पर नागरिकों को बेहतर ढंग से तैयार करने के लिए विभिन्न जन-जागरूकता अभियानों और विद्यालय सुरक्षा अभियानों के माध्यम से योगदान दे रहा है। एनडीआरएफ ने नेहरु युवा केंद्र संगठन के स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित कर डिजास्टर रिस्पांस टीम विकसित करने के लिए देश के मल्टी हेजर्ड जिलों में आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण शुरू किया है और अब तक बल अपनी सभी बटालियनों और रीजनल रिस्पांस सेंटर में 10 हजार से अधिक स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित कर चुका है तथा वर्ष 2024 तक 70 हजार से अधिक स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री ने इस मौके पर उल्लेखनीय सेवाओं के लिए अलंकरण प्रदान किए और विभिन्न खेल तथा पेशेवर प्रतियोगिताओं की विजेता इकाईयों को पुरस्कृत किया। उन्होंने राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की एक प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। समारोह में बल के महानिदेशक अतुल करवल, गृह मंत्रालय तथा केन्द्रीय पुलिस बलों के वरिष्ठ अधिकारी एवं बल के जवानों समेत अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

लेट्स रि-लर्न टू असेसमेंट विषय पर परिचर्चा का आयोजन : उपमुख्यमंत्री पहुंचे

नई दिल्ली, एजेंसी

शानदार स्कूल बिल्डिंग, विश्वस्तरीय टीचर ट्रेनिंग, बेहतरीन रिजल्ट के बाद असेसमेंट के क्षेत्र में दिल्ली की शिक्षा क्रांति को आगे ले जाने के क्रम में गुरुवार को दिल्ली सरकार द्वारा वीर सावरकर सर्वोदय स्कूल, कालका जी में असेसमेंट के क्षेत्र में विश्व की बेस्ट प्रैक्टिसेज को समझने के लिए लेट्स रि-लर्न टू असेसमेंट विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। एससीईआरटी दिल्ली व दिल्ली शिक्षक विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इस परिचर्चा में असेसमेंट के क्षेत्र में विख्यात कैंब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस एंड असेसमेंट के ग्रुप डायरेक्टर टिम ओटस ने उपमुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया के साथ शिरकत की। बता दें कि इस मौके पर शिक्षा सचिव अशोक कुमार, सहित शिक्षा विभाग के अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। प्रधान शिक्षा सलाहकार शैलेन्द्र शर्मा तथा अतिरिक्त शिक्षा निदेशक रीता शर्मा ने इस सेशन में मॉडरेटर की भूमिका निभाई। उल्लेखनीय है कि हाल ही में दिल्ली बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन और कैंब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस एंड असेसमेंट (सीयूपीए) के बीच एक एमओयू साइन हुआ है। डीबीएसई के विजन के अनुरूप सीयूपीए पाठ्यक्रम, मूल्यांकन और शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों को डिजाइन करने के लिए दिल्ली बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन को सपोर्ट करेगा। शिक्षाविदों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए, टिम ओट्स ने कहा, जब हम पारंपरिक मूल्यांकन प्रणाली में बदलाव करने की कोशिश कर रहे हैं, तो हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उस हम मूल्यांकन मॉडल पर काम करें जो मैनेजेबल हो। यदि वे अव्यावहारिक हैं और सिस्टम पर बहुत अधिक दबाव डालते हैं तो वे नियंत्रण से बाहर हो जायेगा।

इसलिए जब भी जब हम अपनी मूल्यांकन प्रणाली में किसी भी प्रकार का संशोधन कर रहे हों तो हमें बहुत सावधान रहने की आवश्यकता है। वहीं, सिसोदिया ने कहा कि, दिल्ली की टीम एजुकेशन के साथ इस सत्र में भाग लेने के लिए मैं श्री टिम ओट्स का आभारी हूं। चर्चा से मिले उनके इनसाइट असेसमेंट को अधिक छात्र-केंद्रित और भविष्य के लिए जवाबदेह बनाने में हमारी मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि मूल्यांकन और मूल्यांकन सुधार वह स्तंभ है जिस पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का भविष्य टिका है। मुझे यह देखकर बहुत गर्व होता है कि दिल्ली हमारे बच्चों के लिए शिक्षा सुधारों के भविष्य पर इन चचाओं का नेतृत्व कर रहा है।

महिला की हत्या कर शव को बुलंदशहर में ठिकाने लगाया, आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

चार्ल्स शोभराज से प्रभावित होकर एक दिव्यांग व्यक्ति ने प्रॉपर्टी हड़पने के लिए अपने साथी संग मिलकर महिला की हत्या कर दी। शव को बुलंदशहर के चोला थाना एरिया में ठिकाने लगा दिया गया। महिला की गुमशुदगी उत्तर-पूर्वी दिल्ली के दयालपुर थाने और हत्या का मामला चोला, बुलंदशकर में दर्ज हुआ। अब करीब 10 माह बाद उत्तरी जिला के स्पेशल स्टाफ ने महिला सुशीलवती (40) की हत्या की गुत्थी को सुलझा लिया है। पुलिस ने इस संबंध में मुख्य आरोपित भोपुरा, साहिबाबाद, गाजियाबाद निवासी मोहम्मद शाकिर अली उर्फ समीर उर्फ राजेश (50) और खजूरी खास निवासी मोहम्मद फैज उर्फ फैजान (22) के रूप में हुई है।

पुलिस ने आरोपितों के पास से वारदात में इस्तेमाल कार, स्कूटी और एक तमंचा व चार कारतूस भी बरामद किए हैं। आरोपित ने राजेश नामक से फर्जी वोटर आईकार्ड और पैनकार्ड बनाकर किस्तों पर कार व स्कूटी ली थी। किस्ते न भरने पर आरोपित ने कार व स्कूटी की चोरी की रिपोर्ट दर्ज करा दी थी। रिकवरी एजेंट से बचने के लिए वह स्कूटी व कार पर फर्जी नगर प्लेट लगाकर दोनों को चला रहा था। आरोपित शाकिर अपना नाम राजेश बताकर महिलाओं से नजदीकियां बढ़ाता था। चूंकि वह दिव्यांग था, इसलिए महिलाएं उसके झांसे में आ जाती थीं। बाद में यह उनका आर्थिक शोषण करता था। सुशीलवती का एक फ्लैट हड़पने के बाद दो और प्रॉपर्टी को शाकिर हड़पने की तैयारी कर रहा था। पुलिस पकड़े गए आरोपितों से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। डीसीपी सागर सिंह कलसी ने बताया कि जिले के स्पेशल स्टाफ को सूचना मिली कि दो आरोपी जो हत्या के मामले में शामिल हैं, अवैध हथियार के साथ कमला नेहरू पार्क के पास आने वाले हैं। फौरन एसआई रोहित, प्रवीन शर्मा, हरिओम व अन्यों की टीम ने जाल बिछाकर बलेनो कार में दोनों को दबोच लिया। इनके पास से तमंचा, चार कारतूस व चोरी की रिपोर्ट की हुई कार मिली।

कार की असली वाली नंबर प्लेट भी इसकी कार से बरामद हो गई। पुलिस की पूछताछ में आरोपित ने हत्याकांड की सारी हकीकत बयां कर दी। पूछताछ के दौरान आरोपित ने बताया कि वह अपनी मां, दो बेटों और एक बेटी के साथ सुशीलवती के फ्लैट में रह रहा है। सुशीलवती से नजदीकियां बढ़ाकर आरोपी ने 25 लाख में उसका फ्लैट खरीदने की बात की। बाद में महज डेढ़ लाख रुपये देकर महिला से उसके फ्लैट का कब्जा ले लिया। महिला खुद किराए के मकान में रहने लगी। महिला ने पूरे पैसे देने का दबाव बनाया तो आरोपित ने सुशीलवती की हत्या की योजना बना ली। योजना के तहत तीन मार्च को आरोपित फ्लैट की पूरी पेमेंट करने के बहाने कार में बिठाकर सुशीलवती को बुलंदशहर ले गया। रास्ते में आरोपितों ने सुशीलवती को नशीला पदार्थ मिलाकर शीतलपेय में दे दिया। सुशीलवती के अचेत हो जाने पर आरोपित उसे बुलंदशहर के चोला एरिया में खेतों में लेकर पहुंचे, वहां पहले फैज ने उसे गोली मारी, बाद में शाकिर ने गोली मारी।

बाद में वह शव वहीं छोड़कर फरार हो गए। बुलंदशहर के चोला थाना पुलिस को महिला का शव मिला था। इस संबंध में वहां हत्या व सबूत मिटाने का मामला दर्ज कर लिया था। महिला के गायब होने पर उसके भाई चेतन ने अदालत के जरिये दयालपुर थाने में सुशीलवती के अपहरण का मामला दर्ज किया था।

कश्मीरी पंडितों के नरसंहार पर जेएनयू में गोष्ठी का आयोजन

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय (जेएनयू) इकाई ने कश्मीरी हिंदुओं पर हुए नरसंहार को लेकर गुरुवार को श्रृंखलाबद्ध कार्यक्रम किए। जिसमें कश्मीरी पंडितों पर हुए नृशंश नरसंहार की प्रदर्शनी लगाई गई। इस दुर्दांत घटना के साक्षी रहे परिवारों ने गोष्ठी के माध्यम से अपनी आप बीती सुनाई, और कश्मीर फाइल्स फिल्म की स्क्रीनिंग भी की गई। इस घटना के गवाह रहे एक परिवार ने बताया, हिंदू कश्मीरी पंडितों के पलायन का घाव 30 सालों बाद भी भरा नहीं है। जनवरी 1990 में कश्मीर घाटी से हिंदू कश्मीरी पंडितों का पलायन हुआ था। मस्जिदों से घोषणा की गई कि कश्मीरी पंडित काफिर थे और पुरुषों को कश्मीर छोड़ना होगा। अगर नहीं छोड़ा तो इस्लाम कबूल करना होगा वरना उन्हें मार दिया जाएगा। जिन लोगों ने मजबूर हो कर कश्मीर छोड़ना तय किया उन्हें अपने घर की महिलाओं को वहीं छोड़ने के लिए कहा गया। कश्मीरी मुसलमानों को पंडित घरों की पहचान करने का निर्देश दिया गया ताकि उनका धर्म परिवर्तन किया जा सके या डराया-धमकाया जा सके। यहां हम बताते चलें कि घाटी में कश्मीरी पंडितों के बुरे दिनों की शुरूआत 14 सितंबर 1989 से हुई। भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य और वकील कश्मीरी पंडित, तिलक लाल तप्लू की जेकेएलएफ ने हत्या कर दी। इसके बाद जस्टिस नील कांत गंजू की भी गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह घटनाक्रम यहीं नहीं रुका। घाटी में कई कश्मीरी पंडितों की बस्तियों में सामूहिक बलात्कार और लड़कियों के अपहरण किए गए। हालात बदतर हो गए। उस दौर के अधिकतर हिंदू नेताओं की हत्या कर दी गई। उसके बाद 300 से अधिक हिंदू-महिलाओं और पुरुषों की आतंकियों ने हत्या की। इसके अलावा एक पैनल डिस्कशन का अयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में श्रीमती आयुषी केतकर जी, सहायक प्रोफेसर, जेएनयू उपस्थित रहीं। उन्होंने कश्मीरी पंडितों और हिंदुओं पर हुए नरसंहार को लेकर कट्टरपंथी विचारधारे वाले लोगों को जम कर आक्रोश दिखाया। उनके अलावा कमल हाक जी जो वर्तमान में पानून कश्मीर के राष्ट्रीय प्रवक्ता हैं, ने बताया कि कैसे उन्हें अपनी ही मातृभूमि और जन्मभूमि से निकाल दिया गया। उनके अलावा विथल चौधरी जो वर्तमान में यूथ फॉर पानून कश्मीर के सेक्रेट्री हैं ने बताया कि कैसे उनके सामने उनके हिंदू भाइयों को उनके सामने मौत के घाट उतार दिया गया। आज के कार्यक्रम प्रवक्ता अमित रैना, जो रूट्स इन कश्मीर के प्रवक्ता हैं ने बताया कि कैसे वहा से हिन्दुओं को सात बार अपने ही घर से निस्कासित किया गया। उन्होंने बताया की कैसे कश्मीर में हिंदुओं पर कहर टूटने का सिलसिला 1989 जिहाद के लिए गठित जमात-ए-इस्लामी ने शुरू किया था। जिसने कश्मीर में इस्लामिक ड्रेस कोड लागू कर दिया।

दिल्ली विधानसभाः आप, भाजपा के विरोध के कारण बार बार स्थगित करनी पड़ी कार्यवाही

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायकों को मार्शल की मदद से बृहस्पतिवार को दिल्ली विधानसभा से बाहर कर दिया गया। वे अरविंद केजरीवाल सरकार की कथित किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। विधानसभा के सत्र के चौथे दिन के पूर्वार्ध में सदन की कार्यवाही बार बार स्थगित हुई। पहले यह दोपहर में बारह बज कर पंद्रह मिनट तक, फिर बारह बज कर तीन मिनट तक और फिर तीसरी बार बारह बज कर पैंतालिस मिनट तक स्थगित हुई। सदन से मार्शल के जरिए बाहर कराए जाने को लेकर भाजपा विधायकों ने दिल्ली सरकार और विधानसभा अध्यक्ष रामनिवास गोयल के खिलाफ प्रदर्शन जारी रखा। इस सत्र के दौरान भाजपा विधायकों की ओर से केजरीवाल सरकार की कथित किसान विरोधी नीतियों के विरोध की वजह से कार्यवाही को कई बार स्थगित करना पड़ा है। सुबह में सत्र के शुरूआत से पहले विधानसभा परिसर में प्रदर्शन के दौरान भाजपा विधायकों ने हल की छोटी छोटी प्रतिकृतियां लेकर विरोध जताया। दिल्ली विधानसभा में विपक्ष के नेता रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा, ह्यसरकार भूमि अधिग्रहण पर किसानों को पर्याप्त मुआवजा या कृषि उपकरणों पर कोई सब्सिडी नहीं देती है।

आप सरकार के आठ साल के कार्यकाल के दौरान दिल्ली के गांवों में कोई अस्पताल, कॉलेज नहीं बना और सीवर लाइन नहीं बिछाई गई है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार सदन में किसानों के मुद्दे पर चर्चा से बचेगी तो भाजपा विधायक विधानसभा में मुख्यमंत्री के कक्ष के बाहर धरना देंगे। इस बीच, सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) के विधायकों ने उपराज्यपाल वी के सक्सेना और मुख्य सचिव सहित दिल्ली सरकार के शीर्ष अधिकारियों पर सरकार के काम में बाधा डालने का आरोप लगाते हुए विधानसभा परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा के पास धरना दिया। आप विधायकों के विरोध के कारण विधानसभा की कार्यवाही 30 मिनट देरी से, सुबह 11.30 बजे शुरू हुई। बैठक शुरू होने पर, आप विधायक सरकार के काम में कथित हस्तक्षेप को लेकर उपराज्यपाल के खिलाफ विरोध जताते हुए आसन के समक्ष आ गए, जिसके बाद विधानसभा अध्यक्ष को कार्यवाही को दोपहर 12 बज कर 15 मिनट तक के लिए स्थगित करना पड़ा। सदन की कार्यवाही जैसे ही दोबारा शुरू हुई, भाजपा विधायक कथित किसान विरोधी नीतियों को लेकर केजरीवाल सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए, पोस्टर लेकर आसन के समक्ष आ गए। उन्होंने, अपनी सीटों पर वापस जाने तथा कार्यवाही चलने देने के अध्यक्ष के आग्रह पर ध्यान नहीं दिया जिसके बाद बैठक पहले दोपहर बारह बज कर तीस मिनट तक और फिर बारह बज कर पैंतालिस मिनट तक स्थगित कर दी गई।

जी-20 के विदेशी मेहमानों के लिए अंग्रेजी बोलने वाले पुलिसकर्मियों की होगी तैनाती

नई दिल्ली। भारत इस वर्ष जी-20 राष्ट्रों की बैठक की अध्यक्षता करेगा। इसको लेकर मार्च से ही बैठकों का दौर शुरू हो जाएगा। बड़ी संख्या में विदेशी राजनयिक और पर्यटक भारत आएंगे। विदेशी राजनयिकों और पर्यटकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एक तरफ जहां दिल्ली की ट्रैफिक पुलिस रूट तय कर रही है। वहीं, दूसरी तरफ विदेशी सैलानियों के रूट पर तैनाती के लिए स्मार्ट पुलिसकर्मियों का चयन किया जा रहा है। इस दौरान दिल्ली के सभी सर्किल से नौजवान पुलिसकर्मी जो अंग्रेजी बोलने में सिद्धहस्त हैं, उनका चयन किया जा रहा है। इन पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षण देकर अलग-अलग रूट पर तैनात किया जाएगा। जी-20 में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में विदेशी मेहमान आएंगे। वह दिल्ली के 22 बड़े होटलों में ठहरेंगे और बैठक वाली जगहों पर जाएंगे। इस दौरान उन्हें जाम का सामना न करना पड़े, इसके लिए ट्रैफिक पुलिस तैयारी में लगी है। उनके ट्रैफिक रूट को बेहतर बनाने के साथ इस रूट पर स्मार्ट पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाएगा। इसके लिए ऐसे पुलिसकर्मियों का चयन किया जा रहा है, जो अंग्रेजी बोलना जानते हों। बताया जा रहा है कि ऐसे पुलिसकर्मियों का चयन कर उन्हें दो सप्ताह का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण उनके अलावा अन्य ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को भी दिया जा रहा है। इसके लिए प्रत्येक ट्रैफिक सर्किल से कम उम्र वाले पुलिसकर्मियों को चुना गया है। अभी तक 750 से ज्यादा पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। फरवरी के अंत तक सभी ट्रैफिक पुलिसकर्मियों का प्रशिक्षण करवाने का लक्ष्य रखा गया है। वहीं, दिल्ली में विदेशी मेहमानों के ठहरने वाले होटल चिह्नित किए जा चुके हैं। ऐसे में होटल से लेकर बैठक के गंतव्य स्थल तक की दूरी का ट्रैफिक पुलिस ने ड्रोन से सर्वे किया है। इस दौरान देखा गया है कि किस रास्ते से विदेशी मेहमानों को ले जाया जाएगा। राजधानी में ट्रैफिक एक बड़ी समस्या है। इसको लेकर पहले ही दिल्ली पुलिस तैयार रहना चाहती है, ताकि विदेशी राजनयिकों को किसी भी रास्ते पर जाम की समस्या का सामना ना करना पड़े।

पनडुब्बी -प्रोजेक्ट 75 की 4 पनडुब्बियां पहले ही शामिल हो चुकी हैं नौसेना के बेड़े में

पनडुब्बी वागीर का पुनर्जन्म, नौसेना के युद्धक बेड़े में 23 जनवरी को शामिल होगी

नई दिल्ली, एजेंसी

समुद्र में पानी के भीतर से युद्ध करने की क्षमता बढ़ाने के लिए भारतीय नौसेना को एक और पनडुब्बी मिलने जा रही है। कलवरी श्रेणी की पांचवीं पनडुब्बी वागीर 23 जनवरी को नौसेना के युद्धक बेड़े में शामिल होगी। इस समारोह के मुख्य अतिथि नौसेनाध्यक्ष एडमिरल आर हरि कुमार होंगे। इन श्रेणी की पनडुब्बियों का निर्माण फ्रांस के सहयोग से भारत में मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) में किया जा रहा है। कलवरी श्रेणी की चार पनडुब्बियों को पहले ही भारतीय नौसेना में शामिल किया ज

पेटिंग प्रतियोगिता मे जनरल वीके सिंह ने लिया हिस्सा, बच्चों में अच्छे संस्कार पैदा करना समय की जरूरत : वीके सिंह

गाजियाबाद, एजेंसी। हिंडनपार के वसुंधरा कालोनी स्थित विद्या बाल भवन परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान स्थानीय सांसद एवं केंद्र सरकार में मंत्री जनरल वीके सिंह ने कहा कि बच्चों में अच्छे संस्कार पैदा किया जाना समय की सबसे बडी आवश्यकता है। उन्होंने स्कूल परिसर में आयोजित पेंटिंग प्रतियोगिता के दौरान छात्र-छात्राओं की हौसला अफजायी की। उन्होंने कहा कि बच्चों में खेल कूद की भावना पैदा करने के साथ उनमें अच्छे संस्कार पैदा किया जाना जरूरी है। ये काम अभिभावकों के साथ शिक्षक गण कर सकते है। बच्चों के खानपान पर भी विशेष ध्यान रखने पर जोर दिया। इस दौरान विधान परिषद सदस्य एवं योगी सरकार में राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप,महापौर आशा शर्मा,विधायक सुनील शर्मा तथा महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा आदि मौजूद रहे।

सत्ता के नशे में अवैध कालोनी काटना पड़ा भारी

- बीजेपी नेता के द्वारा की जा रही प्लाटिंग पर चला जीडीए का बुलडोजर
- कालोनाइजरों ने ध्वस्तीकरण के नाम पर भेदभाव के लगाए आरोप

गाजियाबाद, एजेंसी

जीडीए के प्रवर्तन जोन 3 की टीम ने सदरपुर एवं उसके आस-पास करीब तीस बीघा एरिया में काटी जा रही अवैध कालोनियो पर जीडीए का बुलडोजर चला। इस दौरान कुछ लोगों के द्वारा विरोध किया गया,जिन्हें पुलिस के द्वारा खदेड दिया गया। जीडीए की ओएसडी एवं प्रवर्तन जोन 3 की प्रभारी गुंजा सिंह ने लोगों से अनुरोध किया कि किसी भी कालोनाइजर से भूखंड आदि खरीदने से पहले जीडीए से जानकारी हासिल कर ले। वहीं कुछ कालोइजरों के द्वारा आरोप लगाया गया कि ध्वस्तीकरण के नाम पर भेदभाव पूर्ण कार्रवाई की जा रही है। एक बडी संख्या में कालोनाइजरों पर पैसे के लिए दबाव बनाने के नाम पर चंद कालोनाइजर के द्वारा काटी जाने वाली कालोनियों में ध्वस्तीकरण किया जा रहा है। बताते है कि तोडफोड के दौरान बीजेपी नेता के द्वारा काटी जा रही अवैध कालोनी में भी कालोनाइजर का दफतर तथा रोड तोड दी। बिजली के खंभे भी उखाड दिए गए। जीडीए की ओएसडी गुंजा सिंह ने बताया कि सदरपुर में मौहम्मद आबिद व मौ अतीक,इंद्र पाल आदि के द्वारा जनहित इंस्टीटयूट के सामने करीब 21 बीघा में काटी जा रही अवैध कालोनी में ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। इसके अलावा आनंद प्रकाश व श्री प्रकाश के द्वारा सदरपुर में शिवालय रोड पर करीब 2020 वर्ग एरिया में की जा रही प्लाटिंग पर बुलडोजर चलाया गया। इसके अलावा सचिन चैधरी,मोहित चैधरी द्वारा करीब 2660 वर्ग मीटर एरिया में बनायी गई सडकों को उखाड दिया गया। इस दौरान सहायक अभियंता कदीर अहमद,अवर अभियंताओं में नरेंद्र मार्कण्डेय,बीडी शुक्ला,राजीव कुमार,राजेंद्र शर्मा आदि मौजूद रहे। यहां बता दे कि हाल में खुलासा हुआ था कि बीजेपी के नेता गौरव सौलंकी के द्वारा सदर पुर में प्लाटिंग का खेल खेला जा रहा है। जीडीए अधिकारियों का कहना है कि गौरव सौलंकी खुद से प्लाटिंग नहीं कर रहा था,बल्कि आगे किसान को आगे किया गया था। कालोनाइजर के दफतर आदि ध्वस्त कर दिए गए।

फंडा है जबरदस्त

जहां केंद्र की मोदी सरकार काले धन पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने के दावे किए जा रहे है,जबकिदेश की राजधानी दिल्ली सीमा से लगे गाजियाबाद में राजनीति से जुडे लोगों एवं कारोबारियों के द्वारा काले धन का ठिकाने लगाने का नया फंडा निकाल लिया है। किसान को आगे करते हुए इन दिनों अनाधिकृत कालोनी जबरदस्त तरीके से काटी जा रही है। खुद ये सफेद पोश लोग परदे के पीछे रहते है।

कोरोना काल अवधि की 15 फीसदी वापसी की मांग को लेकर प्रदर्शन

-पेरेंटस एसोसिएशन ने डीएम से हस्तक्षेप करने का किया आग्रह

गाजियाबाद, एजेंसी। कोरोना काल की 15 फीसदी फीस वापस किए जाने के उच्च न्यायालय के आदेश का निजी स्कूल संचालकों के द्वारा पालन न किए जाने के मुददे को लेकर पेरेंटस एसोसिएशन ने कलेक्टेज्ट पर प्रदर्शन किया। ज्ञापन के माध्यम से जिलाधिकारी से उच्च न्यायालय के आदेश को सख्ती से पालन कराए जाने का आग्रह किया गया। पेरेंटस एसोसिएशन शाखा के सचिव अनिल सिंह ने कहा कि उच्च न्यायालय के द्वारा 6 जनवरी 2023 को प्रदेश के तमाम स्कूल प्रबंधन को आदेश दिए गए किवह कोरोना काल अर्थात 2020-21 के सत्र की 15 फीसदी फीस वापस करें,लेकिन किसी भी स्कूल प्रबंधन के द्वारा आदेश का पालन नहीं किया जा रहा है। एसोसिएशन ने लेटर की प्रति मुख्यमंत्री,माध्यमिक शिक्षा मंत्री के साथ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को भेजी है।

नगर निगम आरआरटीएस को करेगा रजिस्ट्री, 99 रुपये का दिया चेक

गाजियाबाद, एजेंसी। आरआरटीएस ने नगर निगम को स्थाई रूप से ली जा रही उसकी जमीन के लिए पैसा अदा कर दिया है। आरआरटीएस ने नगर निगम को 99 रुपये का चेक काट कर पैसा अदा कर दिया है। अब जल्दी ही नगर निगम अपनी करीब साढ़े 14 हजार वर्ग मीटर जमीन हाईस्पीड ट्रेन बनाने वाली कंपनी आरआरटीएस को देगा। आरआरटीएस दिल्ली से मेरठ तक हाईस्पीड ट्रेन प्रोजेक्ट तैयार कर रहा है। इसके लिए नगर निगम से कई जगह आरआरटीएस ने करीब साढ़े 14 हजार वर्ग मीटर जमीन की मांग नगर निगम से की थी। नगर निगम ने प्रोजेक्ट के लिए यह जमीन स्थाई तौर पर शासन की अनुमति के बाद जारी कर दी है। अब आरआरटीएस चाहता है कि इस जमीन की उन्हें नगर निगम रजिस्ट्री करे। नगर आयुक्त डॉ. नितिन गौड़ की ओर से एक पत्र शासन को लिखा गया है, हालांकि शासन ने इसके लिए एक पत्र शासन को लिखा है जिसमें उन्होंने इस जमीन की रजिस्ट्री आरआरटीएस को करने के लिए अनुमति मांगी है।

रसियन डांसर के शौकीन भाजपा नेता संयम कोहली को पार्टी से निकाला

गाजियाबाद, एजेंसी। आरडीसी राजनगर में द फूड वर्कशॉप रेस्टोरेंट के अंदर अवैध रुप से बार चलाने और उसमें रशियन गर्ल का डांस करवाने वाले संयम कोहली को भाजपा युवा मोर्चा महानगर कोषाध्यक्ष पद से हटा दिया गया है। महानगर अध्यक्ष सचिन डेढ़ा ने मीडिया रिपोर्ट का संज्ञान लेते हुए ये कार्रवाई की है। इस कार्रवाई की रिपोर्ट भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष को भी भेजी गई है। बता दें कि आरडीसी राजनगर में द फूड वर्कशॉप में चौथे और पांचवें फ्लोर पर ताशा रेस्टोरेंट है। इसके अंदर अवैध तरीके से बार का संचालन हो रहा था। जिसकी सूचना पर रविवार रात को आबकारी विभाग एवं कविनगर पुलिस की संयुक्त टीम ने छापेमारी की कार्रवाई की थी। रेस्टोरेंट में बार के संचालन का कोई लाइसेंस नहीं मिला। मौके पर कई विदेशी लड़कियां डांस करती हुई पाई गई थी। छापेमारी के दौरान आबकारी विभाग को शराब की कई बोतलें भी बरामद हुई थी। कविनगर एसीपी ने बताया कि धारा-144 का उल्लंघन करके डांस प्रोग्राम आयोजित किया गया था। बार का भी कोई लाइसेंस मौके पर नहीं मिला है। इस मामले में संयम कोहली के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज हुई है, जो इस बार का संचालक है। संयम कोहली के बारे में पता चला है कि वो बीजेपी युवा मोर्चा का महानगर कोषाध्यक्ष है। बता दें कि इस रेस्टोरेंट में कई भाजपा नेता भी रात में खाना खाने के बहाने शराब पीने और रसियन डांस देखने के लिए जाते थे।

डीएम ने हस्तारक्षर कर बेटी बचाओ बेटी पढाओ सप्ताह का किया शुभारंभ

गाजियाबाद, एजेंसी। बेटी बचाओ बेटी पढाओ सप्ताह के प्रथम दिन जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने बुधवार को बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ हस्ताक्षर अभियान की शुरूआत की। इस अभियान को जिलेभर में जागरूकता बढ़ाने के मकसद से शुरू किया गया है। इसके तहत अधिकारियों ने बेटी पढ़ाओ बेटी बढ़ाओ अभियान के तहत लोगों को बेटियों के उत्थान के लिए आगे आने का आह्वान किया। कहा कि 24 जनवरी तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे जिसमें बेटियां बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगी। कलेक्ट्रेट परिसर में बेटी बचाओ बेटी पढाओ सप्ताह के प्रथम दिन बेटी बचाओ बेटी पढाओ हस्ताक्षर एवं शपथ अभियान की डीएम ने हस्ताक्षर कर शुभारंभ किया। डीएम राकेश कुमार सिंह ने कहा कि बेटियों को आगे बढ़ाकर ही समाज का समुचित विकास किया जा सकता है। आज बेटियां हर कार्य में दक्षता के साथ आगे बढ़ रही हैं। ऐसे में बेटियों को लेकर पुरानी धारणाएं दूर हो गई हैं। अब समाज का कोई क्षेत्र ऐसा नहीं है जिसमें बेटियों ने परचम न लहराया हो। डीएम ने बताया कि यह जागरूकता सप्ताह बुधवार से 24 जनवरी तक चलेगा, जिसमें विभिन्न विभागों द्वारा कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। 24 जनवरी को राष्ट्रीय बालिका दिवस के दिन इसका समापन होगा। हस्ताक्षर अभियान के दौरान मुख्य विकास अधिकारी विक्रमादित्य सिंह मलिक, जिला प्रोबेशन अधिकारी विकास चंद्र एवं अन्य अधिकारीगणों द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ शपथ पर हस्ताक्षर करके महिलाओं एवं बालिकाओं को शिक्षित कर समाज की मुख्यधारा से जोड़ने पर जोर दिया गया। अभियान में जिला प्रोबेशन अधिकारी सहित सभी अधिकारियों एवं कमचारियों तथा आम जनता के द्वारा उत्साहपूर्वक भाग लिया गया।

राष्ट्रीय युवा सप्ताह में कौशल विकास दिवस पर हस्तशिल्प प्रदर्शनी का आयोजन

गाजियाबाद। स्वामी विवेकानंद जी की जयंती के उपलक्ष्य में 12 से 19 जनवरी तक राष्ट्रीय युवा सप्ताह का आयोजन जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह के निर्देशन में नेहरू युवा केन्द्र के तत्वावधान में उपनिदेशक देवेन्द्र कुमार और लेखा एवं कार्यक्रम सहायक मुकन्द वल्लभ शर्मा द्वारा किया गया। जिसके अंतर्गत बुधवार को कौशल विकास दिवस पर हस्तशिल्प प्रदर्शनी का आयोजन विवेकानंद नगर और सांसद आदर्श गांव राजपुर लोनी में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन विवेकानंद नगर में नेहरू युवा केन्द्र के लेखा एवं कार्यक्रम सहायक मुकन्द वल्लभ शर्मा ने तथा राजपुर में अनीता रूहेला प्रशिक्षिका ने किया। कार्यक्रम का संयोजन विवेकानंद नगर में साथी फाउंडेशन की अध्यक्ष काजल छिब्बर ने तथा राजपुर में माया भाटी के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में सबसे पहले प्रतिभागियों द्वारा तैयार किये गए सामान की तकनीकी, लागत और समय की जानकारी दी गई। विवेकानंद नगर में मुकन्द वल्लभ शर्मा ने प्रतिभागियों के कार्य की सराहना करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। हस्तशिल्प प्रदर्शनी प्रतियोगिता विवेकानंद नगर में गुलप्शा और चांदनी प्रथम, मनोज और हसीना द्वितीय एवं मोनिका व गंगा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

पुराने सिक्कों के बदले मोटी रकम का झांसा देकर लाखों की ठगी

गाजियाबाद। साहिबाबाद कोतवाली क्षेत्र के शालीमार गार्डन निवासी कृषि विभाग के सेवानिवृत्त अधिकारी को पुराने सिक्कों के बदले मोटी रकम देने का झांसा देकर ठगों ने 1.37 लाख रुपये ठग लिए। ठगों ने व्हाट्सएप पर सिक्कों की फोटो मंगवाकर ठगी को अंजाम दिया। साइबर सेल ने शिकायत लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। शालीमार गार्डन निवासी राजेश चौधरी कृषि विभाग से प्रगति प्रसार अधिकारी थे। उन्हें बीते 26 नवंबर को एक अनजान नंबर से काल आई। काल करने वाले ने बताया कि वह पुराने सिक्के लेकर उन्हें मोटा मुनाफा कमाकर दे सकता है। साथ ही उन्हें पुराने सिक्कों की फोटो व्हाट्सएप पर मंगवाई। राजेश चौधरी ने पुराने चांदी के सिक्के, माता वैष्णो देवी के सिक्के, पीतल के पुराने सिक्के आदि की फोटो उसे भेज दीं।

संक्षिप्त खबरें

कोरोना से बचाव के लिए चिकित्सा केंद्र वैशाली में बूस्टर डोज की शुरूआत

गाजियाबाद। वरिष्ठ भाजपा नेता और वार्ड नम्बर-72 पार्षद मनोज गोयल अपनी जनता की हर सुविधाओं का ख्याल रखते हैं और सही समय पर लोगों के बीच उनकी डिलीवरी करवाते रहते हैं। अपने इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए कोरोना काल में उन्होंने वैशाली स्थित एक प्राथमिक चिकित्सा केंद्र को गोद ले रखा है, जहां पहुंचने वाले हरेक व्यक्ति का ख्याल उनकी टीम रखती है। उन्होंने बताया कि कोरोना संक्रमण की संभावनाओं के मद्देनजर अपने सेंटर द्वारा बुधवार से कोरोना की बूस्टर डोज लगवाने का शुभारंभ किया। उन्होंने बताया प्राथमिक चिकित्सा केंद्र वैशाली में पर काफी दिनों से बूस्टर डोज की सप्लाई नहीं आई थी, लेकिन आज सरकार द्वारा यह सप्लाई उपलब्ध कराई गई है। इसलिए इस अभियान की शुरूआत दोबारा से कराई गई। कोरोना का खतरा अभी पूरी तरह से टला नही है, इसलिए जब तक कोरोना रहेगा तब तक एहतियात के तौर पर बूस्टर डोज और कोविड की गाईडलाइन के अनुसार नियमों का पालन करना बेहद जरुरी है।

वायु प्रदूषण की रोकथाम के लिए सड़कों की सफाई एवं पानी का करें छिड़काव: सीडीओ

गाजियाबाद। मुख्य विकास अधिकारी विक्रमादित्य सिंह मलिक की अध्यक्षता मे बुधवार को जिला पर्यावरण समिति एवं जिला वृक्षारोपण समिति की बैठक का आयोजन किया। बैठक में आशुतोष पाण्डे उप प्रभागीय वनाधिकारी, उत्सव शर्मा क्षेत्रीय अधिकारी उप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, डॉ मिथलेश कुमार सिह नगर स्वास्थ अधिकारी नगर निगम, राकेश कुमार गुप्ता मुख्य अभियन्ता जीडीए एवं अन्य जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा तथा नामित सदस्यों द्वारा प्रतिभाग किया गया। विगत माह की बैठक में लिये गये निर्णयों के अनुपालन की समीक्षा की गयी। डस्ट कन्ट्रोल एवं समीर एप पर प्रदूषण से सम्बन्धित प्राप्त शिकायतों का विभिन्न कार्यदायी विभागों, संस्थाओं द्वारा नियमित रूप से अनुश्रवण एवं निस्तारण के लिए बैठक में निर्देशित किया गया।

अभियंताओं में अवैध निर्माण को बढावा देने की होड से जुडी खबरों को लेकर शासन सख्त

- आवासीय/अनावसीय भवनों को मनमाने तरीके से सील करने के प्रकरण को लेकर शासन ने जतायी नाराजगी, सीलिंग से जुडी मूल फाइलों की डुप्लीकेट प्रति की तलब

गाजियाबाद, एजेंसी

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के प्रवर्तन विभाग के अभियंताओं में अवैध निर्माण को बढावा देने की मची होड से जुडी खबरों के अखबारों में प्रकाशन के मामले को न केवल शासन ने गंभीरता से लिया है बल्कि आवासीय एवं अनावसीय भवनों को मनमाने तरीके से सील किए जाने के पहलू पर तीखी नाराजगी जताते हुए शासन ने सील किए गए प्रकरणों की रिपोर्ट उपलब्ध न कराए जाने पर खेद जताया है। शासन ने सीलिंग से जुडी मूल पफाइलों की डुप्लीकेट प्रति तीन दिन के भीतर उपलब्ध कराने के आदेश दिए है।

जीडीए के प्रवर्तन जोन2,3,4,5 आदि के अभियंताओं में क्षेत्रों में अवैध निर्माण को बढावा देने से जुडी खबरों के समाचार पत्रों में प्रकाशन के मामले को लेकर प्रमुख सचिव आवास निमिन रमेश गोकर्ण ने लेटर के माध्यम से गहरी नाराजगी जतायी है। शासन को मामलों से जुडी रिपोर्ट उपलब्ध कराने के आदेश दिए है। इसके साथ साथ प्रमुख सचिव आवास ने आवासीय एवं अनावसीय भवनों को मनमाने तरीके से सील किए जाने के प्रकरण को लेकर गहरी चिंता जताते हुए लेटर में उल्लेख किया गया कि इस कडी में शासन के द्वारा 31 मई 2022 तथा14 सितंबर 2022को लेटर के माध्यम से सील किए गए आवासीय एवं अनावसीय भवनों से जुडी मूल फाइलों की डुप्लीकेट प्रति शासन को उपलब्ध कराने के आदेश दिए गए थे,लेकिन प्रमाणित प्रतियां अभी तक उपलब्ध नहीं करायी गई है जो कि अत्यंत खेद जनक स्थिति है। यहां बता दे कि देखा जाए तो बिल्डिंग एवं भवन आदि सीलिंग की कार्रवाई केवल फाइलों तक ही सीमित होकर रह गई है। कहने के लिए बिल्डिंग में अवैध निर्माण के मामले सामने आने पर बिल्डिंग सील करने के दावे किए जाते है,जबकि सीलिंग की कार्रवाई के कुछ समय बाद ही बिल्डर आदि के द्वारा सील गायब करते हुए अधूरे निर्माण कार्य पूर्ण कर लिए जाते है।

टकराव के आसार, कर्मचारी संघ के अध्यक्ष सहित 18 को कारण बताओ नोटिस जारी

गाजियाबाद, एजेंसी

निगम कर्मचारी संघ और निगम प्रशासन के बीच एक बार फिर से टकराव होने के आसार बढ़ गए हैं। नगर निगम की ओर से नगर निगम कर्मचारी संघ के अध्यक्ष रवीन्द्र कुमार सहित 18 कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। हालांकि, यह नोटिस अभी किसी भी कर्मचारी के पास नहीं पहुंचा है। मगर इन नोटिसों के रिसीव करने से पहले ही नगर निगम कर्मचारी संघ अब नगर निगम प्रशासन के खिलाफ नई रणनीति तैयार करने में लगा है। विवाद मोहननगर जोन ऑफिस और उसके पास बने आवासीय एरिया में बिजली के कनेक्शन काटने को लेकर पैदा हुआ। दरअसल बिजली विभाग ने बकाया अदा नहीं करने के मामले में कार्रवाई करते हुए मोहननगर जोन ऑफिस और उसके पीछे बने आवासीय एरिया का बिजली का कनेक्शन काट दिया। इसके बाद नगर निगम कर्मचारी संघ के अध्यक्ष रवीन्द्र कुमार की अगुवाई में बिजली कनेक्शन जुड़वाने की मांग को लेकर मोहननगर जोनल ऑफिस पर धरना प्रदर्शन किया गया। आनन-फानन में नगर निगम ने कुछ पैसा बिजली विभाग को अदा कर दिया और बिजली कनेक्शन जुड़वा दिया।

जिले में शुरू हुआ कोविड वैक्सीनेशन

- पहले दिन 300 लोगों ने लगाई बूस्टर डोज
- 10 टीकाकरण केंद्रों पर किया जा रहा वैक्सीनेशन

गाजियाबाद, एजेंसी

नए साल में आखिर जिले में कोविड की बूस्टर डोज लगनी शुरू हो गई। बुधवार से दोबारा शुरू हुए हुए कोविड वैक्सिनेशन के लिए सभी केंद्रों पर लोग बूस्टर डोज लगवाने पहुंचे। शाम पांच बजे तक जिले में 300 लोगों को बूस्टर डोज लगाई गईं। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी के अनुसार रविवार के अलावा सप्ताह में सभी दिन सभी 10 केंद्रों पर बूस्टर डोज लगाई जाएगी। जिले में 26 दिसम्बर से वैक्सीन खत्म थी। अब 3 सप्ताह बाद वैक्सीन को लेकर लोगों का इंतजार खत्म हो गया है। बुधवार से जिले में कोविड बूस्टर डोज एक बार फिर से लगानी शुरू कर दी गई है। शासन से विभाग को कोवीशील्ड की 30 हजार डोज मिली हैं। अधिकारियों के अनुसार जल्द ही को-वैक्सीन की डोज भी मिल सकती हैं। फिलहाल जिले में 10 केंद्रों पर कोविड टीकाकरण शुरू किया गया है। बुधवार को सबसे ज्यादा डोड कंबाइंड अस्पताल के वैक्सीनेशन सेंटर में लगाई गईं। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. नीरज अग्रवाल ने बताया कि जल्द ही को-वैक्सीन भी मिल सकती है, जिसके बाद दोनों वैक्सीन की बूस्टर डोज लगाई जाएगी।

इन स्थानों पर हो रहा है टीकाकरण

कंबाइंड अस्पताल, जिला एमएमजी अस्पताल, मोदीनगर, मुरादनगर, लोनी, डासना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मकनपुर, राजबाग, विजयनगर-2 व कार्टे चौक स्वास्थ्य केंद्रों पर वैक्सीन लगाई जाएगी। पूर्व में केवल संयुक्त अस्पताल, जिला अस्पताल व डासना तीन केंद्रों पर ही वैक्सीन लगाई जा रही थी।

कोरोना काल में जन्में बच्चों में मिल रहे हैं गंभीर रोग

अर्ली इंटरवेंशन सेंटर पहुंच रहे हर महीने 300 से ज्यादा बच्चे, फिलहाल लगभग 6 हजार बच्चों का उपचार चल रहा है

गाजियाबाद, एजेंसी

इसे कोरोना के साइड इफैक्ट समझें या फिर कोरोना के कारण बिगड़ी जीवनशैली का परिणाम, लेकिन कोरोना काल के दौरान जन्में बच्चों को इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ रहे हैं। इस बात का खुलासा कंबाइंड अस्पताल में संचालित डिस्ट्रिक्ट अर्ली इंटरवेंशन सेंटर के आंकड़ों से होता है। आंकड़ें बताते हैं कि कोरोना काल के दौरान जन्मे बहुत से बच्चों में स्किन और डेंटल डिजीज मिल रही हैं। इसके अलावा उनका मानसिक और शारीरिक विकास भी धीमा हुआ है। ऐसे सभी बच्चों का उपचार चल रहा है। डिस्ट्रिक्ट अर्ली इंटरवेंशन सेंटर में नवजात बच्चों से लेकर एक वर्ष तक के बच्चों में जन्मजात बीमारियों की जांच की जाती है। सेंटर की प्रभारी और सीनियर पीडियाट्रीशियन डॉ. आम्रपाली सिन्हा बताती हैं कि नवजात बच्चों में क्लब फुट (पैर टेढ़े होना), होंठ या नाक का कटा होना और पोषण की कमी होना सामान्य बीमारियां हैं। कोरोना काल के दौरान या उसके बाद जन्में बच्चों में कुछ और बीमारियां भी देखने को मिल रही हैं, जो कोरोना से पहले काफी कम संख्या में बच्चों को होती थीं। इनमें आंखे, दांत और स्किन की समस्याएं काफी ज्यादा हैं। इसके अलावा बच्चों में देर से बोलना शुरू करना, सोशल ना होना (दूसरे बच्चों या बड़ों से इंट्रैक्शन न करना), शारीरिक विकास बहुत धीमा होना जैसी समस्याएं भी देखने को मिल रही हैं। चीजों की पहचान में परेशानी होने की दिक्कत भी बच्चों में देखने को मिल रही है। इसके अलावा बच्चों में दिल और सांस संबंधी बीमारियां भी मिल रही हैं। डॉ. आम्रपाली बताती हैं कि इनमें से जिन बीमारियों का उपचार जिले के सरकारी अस्पतालों में संभव है उन्हें वहां रेफर किया जाता है और बहुत से बच्चों के मेरठ, नोएडा और दिल्ली रेफर किया जाता है।

साल भर में पहुंचे 3 हजार से ज्यादा बच्चे

डॉ. आम्रपाली बताती हैं कि कोरोना के बाद सितंबर 2021 में अर्ली इंटरवेंशन सेंटर को दोबारा से शुरू किया गया था। इससे पहले लगभग डेढ़ वर्ष तक सेंटर बंद रहा था। सेंटर बंद होने के कारण जिन बच्चों का उपचार चल रहा था वह बीच में ही रुक गया। अब सेंटर की ओर से फिर से उन बच्चों के परिजनों से संपर्क करके बुलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सितंबर 2021 से सितंबर 2022 तक सेंटर में 3 हजार से ज्यादा नए बच्चे आए हैं और पुराने लगभग 6 हजार बच्चों का उपचार सेंटर से चल रहा है।

क्या है कारण

डॉ. आम्रपाली बताती हैं कि कोरोना के दौरान सभी की लाइफ स्टाइल पूरी तरह से बदल गई थी। इस बदली लाइफ स्टाइल का प्रभाव बच्चों की ग्रोथ पर भी पड़ा है। लोगों ने खुद को अपने तक सीमित कर लिया, जिसके कारण बच्चों को भी ज्यादा बाहर लेकर नहीं गए। घर में भी पति-पत्नी दोनों अपने काम में ज्यादा व्यस्त रहे और बच्चों को केवल जरूरत के अनुसार समय दिया। इससे बच्चों में बोलने और समझने की क्षमता का विकास बाधित हुआ। ऐसे सैकड़ों बच्चों का उपचार सेंटर से चल रहा है।

क्या कहते हैं दूसरे डॉक्टर

सीनियर पीडियाट्रीशियन और एसीएमओ डॉ. नीरज अग्रवाल बताते हैं कि कोरोना के कारण बच्चों के स्वास्थ्य पर बहुत ज्यादा विपरीत प्रभाव नहीं पड़ा, लेकिन उनके बोलने और समझने की क्षमता का विकास जरूर धीमा हुआ। इसके पीछे बच्चों के माता-पिता का घर में रहते हुए मोबाइल और लैपटॉप पर बिजी रहना प्रमुख कारण है। वह बच्चों को उतना समय नहीं दे सके जितना देना चाहिए था। उनके अनुसार यह समस्या एकल परिवारों में ज्यादा सामने आ रही है जबकि संयुक्त परिवारों में यह समस्या बहुत कम है।

प्राधिकरण के अधिकारियों का कमाल | **योजना के सफल आवेदक ने सीएम कार्यालय का खटखटाया दरबाजा**

अखिलेश सरकार के दौरान की योजना के आवंटी भटक रहे है भवन पर कब्जे के लिए

- प्राधिकरण के द्वारा प्राइवेट बिल्डरों के सहयोग से 5हजार भवनों की सीएम के गाजियाबाद आगमन पर निकाली थीं योजना
- अपर मुख्य सचिव ने तलब की रिपोर्ट
- अब पीएम आवास के भवन भी बने जीडीए अधिकारियों के गले की फॉंश
- प्राइवेट बिल्डर नहीं ले रहे है भवनों के निर्माण में दिलचस्पी

गाजियाबाद, एजेंसी

प्राधिकरण के आला अधिकारियों के कार्य करने की शैली भी निराली है। जिस दौरान प्रदेश में अखिलेश सरकार थीं और अखिलेश यादव का गाजियाबाद आगमन हो रहा था,उस दौरान प्राइवेट बिल्डरों के सहयोग से आर्थिक रूप से दुर्बल एवं अल्प आय वर्ग के लिए जो 5 हजार भवनों की स्कीम निकाली गई थीं,उसके सफल आवंटियों को अभी तक बिल्डरों से कब्जे नहीं दिला पाए है। देखा जाए तो मौजूदा में पीएम आवास योजना के अनेक आवंटियो को आवंटन लेटर दे दिए गए,लेकिन उन्हें ये स्पष्ट नहीं किया जा रहा है कि भवनों पर कब्जे के लिए कब संपर्क करें। प्राइवेट बिल्डर तो पीएम आवास योजना के भवनों के निर्माण के प्रति दिलचस्पी ही नहीं ले रहे है। जीडीए का नियोजन विभाग बिल्डरों को नोटिस भेजते हुए इतिश्री करने में लगा है।

देखा जाए तो प्राधिकरण के द्वारा अखिलेश यादव के गाजियाबाद आगमन पर दुर्बल एवं अल्प आय वर्ग के लोगों के लिए प्राइवेट बिल्डरों के सहयोग से पांच हजार भवनों की स्कीम साल 2013 के दौरान निकाली गई थीं। उस वक्त 10 जून से 31 जुलाई 2013 के बीच योजना में आवेदन करने का वक्त दिया गया था। उस वक्त दुर्बल आय वर्ग के लिए भवन की कीमत 2 लाख 40 हजार एवं अल्प आय वर्ग के लिए भवन की कीमत 5 लाख 10 हजार रूपए कीमत दशार्यी गई थीं। अखिलेश सरकार के कार्यकाल की योजना के हर्ष का खुलासा लखनउ के विश्वास नगर ठाकुरगंज के सुनीतेंद्र गौतम के द्वारा सीएम कार्यालय में की गई शिकायत से हुआ। शिकायत के बाद अपर मुख्य सचिव ने प्राधिकरण अधिकारियों से स्थिति स्पष्ट करने के लिए कहा है। शिकायत में कहा गया कि उसके द्वारा 30 जुलाई 2013 को बैंक ड्राफट के माध्यम से रजिटेज्शन शुल्क के तौर पर 20 हजार 50 रूपए जमा किए गए। ड्रा के दौरान वह सफल आवेदक घोषित किया गया था। कहा गया कि जाति प्रमाण पत्र की पडताल के बाद भवन आवंटन की कार्रवाई की जाएगी। उसके द्वारा तहसीलदार सदर लखनउ के जाति प्रमाण पत्र को 24 सितंबर 2021 को ही भेज दिया था,लेकिन अभी तक ये स्पष्ट नहीं किया जा रहा है कि आखिर भवन पर कब कब्जा दिया जाएगा। लेटर के माध्यम से 2013 के घोषित मूल्य के आधार पर भवन/फलैट का कब्जा दिलाए जाने का आग्रह किया है।

संपादकीय

तेलंगाना के खम्मम में हुई रैली में नए मोर्चे ने ली शक्ल

इस दौरान जनसभा में तेलंगाना मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की उपस्थिति में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के महासचिव डी राजा और समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव आदि ने भाग लिया।भारत राष्ट्र समिति की पहली बैठक को संबोधित करते हुए पार्टी प्रमुख राव ने कहा कि तेलंगाना के खम्मम में हुई रैली में नए मोर्चे ने ली शक्ल। अगर लोकसभा चुनाव के बाद 2024 में केंद्र में 'समिति प्रस्तावित सरकार' सत्ता में आती है तो देश भर के किसानों को मुफ्त बिजली मुहैया कराई जाएगी। उन्होंने केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के महत्त्वाकांक्षी कार्यक्रम पर तंज कसते हुए कहा कि 'मेक इन इंडिया पहल जोक इन इंडिया बन गई है'। राव ने कहा कि 'रायतु बंधु' जैसी कल्याणकारी योजनाओं को पूरे देश में लागू किया जाना चाहिए। राव ने एलआइसी के विनिवेश को लेकर केंद्र की आलोचना की। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के महासचिव डी राजा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से मुकाबला करने और 2024 के लोकसभा चुनाव में उसे सत्ता से हटाने के लिए सभी धर्मनिरपेक्ष व लोकतांत्रिक दलों को एक साथ आने की जरूरत है। राजा ने आरोप लगाया कि गैर भाजपा शासित राज्यों के कुछ राज्यपाल निर्वाचित सरकारों के कामकाज में दखल दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा एकाधिकारवादी शासन प्रणाली (देश में) थोपना चाहती है। वे भारत को एक आयामी देश बनाना चाहते हैं। इस दौरान अखिलेश यादव ने कहा कि कल भाजपा की कार्यकारिणी बैठक खत्म हुई, उन्होंने कहा कि 400 दिन बाकी है, हमें तो लगता था कि ये सरकार वो है जो दावा करती थी कि हटेगी नहीं लेकिन अब वो स्वयं स्वीकार रहे हैं कि अब 400 दिन हैं। जो सरकार अपने दिन गिनने लगे तो समझ लो ये सरकार अब रुकने वाली नहीं है। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा लोकतंत्र की नींव को तबाह करने का आरोप लगाते हुए कहा कि आज हम एक नए प्रतिरोध की शुरुआत कर रहे हैं। हमारी सभी देशी भाषाओं को दरकिनार करते हुए हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में चित्रित करने का प्रयास किया जा रहा है। अपनी मातृभाषाओं को खत्म कर हिंदी थोपने से राष्ट्र की अखंडता प्रभावित होगी। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने बैठक से पहले यदाद्री में स्थित भगवान लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी के मंदिर जा कर पूजा की। राव सरकार ने इस मंदिर का बड़े पैमाने पर जीर्णोद्धार किया है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन और भाकपा महासचिव डी राजा भी यदाद्री पहुंचे हैं। हालांकि, पार्टी सूत्रों के मुताबिक वे 'दर्शन' के लिए मंदिर नहीं गए।

स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित गांव

अखिलेश आर्येंदु

केंद्र और राज्य सरकारों के बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के दावे कहीं जमीन पर नजर नहीं आते। हां, पिछले कुछ सालों में कुछ बेहतर तो हुआ है, लेकिन इतना नहीं कि उसे संतोषप्रद माना जाए। गौरतलब है कि आज भी देश के सात लाख गांवों में स्वास्थ्य सुविधाओं की भारी कमी के अलावा डाक्टरों की नियुक्ति जरूरत से बहुत कम हो पाई है। महज तमिलनाडु ऐसा राज्य है, जहां गांवों में स्वास्थ्य सेवाओं को संतोषप्रद कहा जा सकता है। राज्यों ने कुछ साल पहले गांवों में डाक्टरों की कमी को पूरा करने के लिए सख्त कानून बनाए थे, बावजूद उसके गांवों में सेवा देने से ज्यादातर नए डाक्टर मना कर देते हैं। विडंबना है कि नौकरी के लिए भरा गया वचन-पत्र तोड़ने पर डाक्टर हर साल करोड़ों रुपए जुर्माना भरते हैं, लेकिन गांवों में सेवा देने से मना कर देते हैं। गौरतलब है कि देश के बीस फीसद डाक्टर ही ग्रामीण क्षेत्रों में काम कर रहे हैं। इससे गांवों में चिकित्सकों की उपलब्धता नाममात्र की रहती है। मेडिकल काउंसिल आफ इंडिया के मुताबिक इसकी वजह सरकार के पास इसका कोई नक्शा न होना है। वहीं इंडियन मेडिकल एसोसिएशन का कहना है कि गांवों में चिकित्सक इसलिए नहीं जाना चाहते, क्योंकि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और सीएचसी में सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। गांवों में आपरेशन थियेटर, एनेस्थीसिया के डाक्टर, पैथालाजिस्ट और टेक्नेशियन्स का जबरदस्त अभाव है। इसके अलावा, गांवों के स्वास्थ्य केंद्रों पर तैनात डाक्टरों की आवास की व्यवस्था और जरूरी फर्नीचर की भी कमी है। डाक्टरों के संगठन गांवों में डाक्टरों के न जाने की जो वजहें बताते हैं, उन पर राज्य सरकारें गौर नहीं करतीं। डाक्टरों के संगठनों का कहना है कि गांवों में बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की कमी के लिए वे जिम्मेदार नहीं, बल्कि शासन की नीतियां ही ऐसी हैं कि बडे डिग्रीधारी डाक्टर गांवों में अपनी सेवाएं देने को तैयार नहीं हैं। गौरतलब है कि डाक्टरों के संगठन सरकारी नीतियों के विरोध में आए दिन सड़कों पर देखे जाते हैं, लेकिन राज्य सरकारें कोई ऐसा फैसला नहीं कर पाती हैं, जिससे गांवों में स्वास्थ्य सुविधाओं और डाक्टरों की भारी कमी को दूर किया जा सके। भारत में चीन की अपेक्षा ग्रामीण क्षेत्रों में महज 3,100 मरीजों पर एक बिस्तर है। बिहार में अठारह हजार ग्रामीणों पर एक बिस्तर, उत्तर प्रदेश में 3,900 मरीज पर एक बिस्तर की व्यवस्था है। इसी तरह ग्रामीण क्षेत्रों में छब्बीस हजार की आबादी पर एक एलोपैथिक डाक्टर है, जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि हर एक हजार लोगों पर एक डाक्टर होना चाहिए। भारत में तकरीबन दस हजार की आबादी पर सात डाक्टर हैं। मेडिकल काउंसिल आफ इंडिया (एमसीआइ) के यहां पंजीकृत एलोपैथिक डाक्टरों की कुल संख्या लगभग एक करोड़ है। राज्यों में डाक्टरों की उपलब्धता के मामले में पश्चिम बंगाल की स्थिति सबसे खराब है। नेशनल हेल्थ प्रोफाइल के मुताबिक पश्चिम बंगाल के ग्रामीण क्षेत्रों में महज नौ

सौ डाक्टर हैं। आबादी के हिसाब से सत्तर हजार लोगों पर एक डाक्टर है। बिहार और झारखंड में पचास हजार की आबादी पर सिर्फ एक डाक्टर है। गौरतलब है कि ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं की बुनियाद प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं पर टिकी है, लेकिन यह बुनियाद ही बेहद कमजोर है। आज देश में केवल सात लाख एमबीबीएस डाक्टर सेवा देने के लिए उपलब्ध हैं। ऐसे में पांच लाख डाक्टरों और पांच लाख विशेषज्ञों की कमी को कैसे पूरा किया जाए, यह एक बड़ा सवाल है। इस कमी को पूरा करने के लिए केंद्र सरकार ने कुछ कदम उठाए हैं। इसमें केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की 'ई-संजीवनी मेडिसिन' सेवा ने तीन करोड़ टेली परामर्श संख्या को पार कर लिया है। इसके साथ ही 'ई-संजीवनी टेलीमेडिसिन' ने एक दिन में 1.7 लाख परामर्श का नया रिकार्ड कायम किया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोरोना के समय गांव-गांव में इलाज के लिए मोबाइल डिस्पेंसरी वैन उपलब्ध कराई। इससे देश के ग्रामीण इलाकों में लोगों को काफी फायदा हुआ। आयुष्मान भारत योजना से अति गरीबों की चिंता कुछ हद तक दूर हुई है, मगर सवाल है कि क्या इससे स्वास्थ्य सेवाओं और डाक्टरों की कमी से होने वाली परेशानियों को खत्म किया जा सकता है? डाक्टरों की कमी की वजह से ग्रामीणों को मजबूरन झोला छाप डाक्टरों की सेवाएं लेनी पड़ती हैं। इससे हजारों लोग बेहतर इलाज के अभाव में असमय दम तोड़ देते हैं। आंकड़े बताते हैं कि गांवों में एलोपैथी के अलावा होमियोपैथी और आयुर्वेदिक चिकित्सकों की भी कमी है। केंद्र सरकार आयुर्वेद और योग को बढ़ावा देने के लिए करोड़ों रुपए हर साल उपलब्ध कराती है। मगर सेवा देने के लिए योग्य चिकित्सकों की कमी है। इसलिए एमबीबीएस के अलावा बीएमएस और आयुर्वेदिक चिकित्सकों की बड़े पैमाने पर नियुक्ति की जाने की जरूरत है। गांव के स्तर पर होमियोपैथी और आयुर्वेदिक स्वास्थ्य केंद्रों की कमी पर जल्द कदम उठाएं जाएं तो गांवों में डाक्टरों की कमी के बावजूद लोगों को बचाया जा सकता है। देश में एमबीबीएस डाक्टरों की कमी को पूरा करने के लिए विशेषज्ञों द्वारा कुछ सुझाव दिए गए हैं। इनमें 'फेमिली मेडिसिन', 'डिप्लोमा इन जनरल मेडिसिन' और ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा में स्नातक करना शामिल है। इन तीनों सुझावों पर कारगर ढंग से आगे बढ़ने पर गांवों में बड़े स्तर पर चिकित्सकों की कमी को दूर किया जा सकता है। मगर यदि बेहतर पगार और सुविधाएं डाक्टरों को उपलब्ध कराई जाएं तो पढ़ाई पूरी कर विदेश जाने वाले चिकित्सकों पर रोक लगाई जा सकती है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने गांवों में स्वास्थ्य सेवाओं की कमी की समस्या को दूर करने के लिए एक व्यावहारिक कदम उठाने की बात सालों से कहता आया है। यह फार्मूला है, पांच साल की एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी करने के बाद छात्रों को एक साल का विशेषज्ञता पाठ्यक्रम कराया जाए, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में उनकी तैनाती पर ऐसे डाक्टर बिना किसी हिचक के ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी बेहतर सेवाएं दें सकें, लेकिन इससे बात नहीं बनी। इसके तहत एमबीबीएस डिग्रीधारी डाक्टरों को परास्नातक यानी एमएस या एमडी में दाखिला तभी मिलेगा।

ऋतु मिलन का आनंद

लोकेंद्रसिंह कोट

इससे दूर जाने पर ही सारे प्रपंच, विकार पैदा होते हैं। जैसे ही हम प्रकृति से दूर जाते हैं, वैसे ही हमारी समस्याओं में बढ़ोतरी होती जाती है। इसीलिए अपने देश में यह उक्ति प्रसिद्ध है कि 'सदा दीवाली साल भर, सातों वार त्योहार'। ऋषि-मुनियों ने मुख्य रूप से चार बातों पर ध्यान दिया था। पहली उत्तरायण-दक्षिणायण की गोलार्द्ध स्थिति, दूसरी चंद्रमा की घटती-बढ़ती कलाएं, तीसरा नक्षत्रों का भूमि पर आने वाला प्रभाव और चौथा सूर्य की अंश किरणों का मार्ग। इन सबका हमारी शरीरगत ऋतु अग्नियों के साथ संबंध होने से क्या परिणाम होता है? मन की गति इनके अनुसार यह किस तरह परिवर्तित होती है? इन सूक्ष्म तत्त्वों का त्योहारों के निर्धारण से गहरा संबंध था। इन सबका मनुष्य के जीवन और मूल्यों पर गहरा प्रभाव पड़ता है। माघ के महीने में सूर्य का महत्त्व बढ़ जाता है, क्योंकि उसकी गति उत्तरायण की ओर बढ़ती है और ऐसा प्रतीत होता है कि प्रकृति भी हम सबको कह रही हो, अंधकार को छोड़ प्रकाश की ओर बढ़ो। कोई भी मिलन कितना मीठा होता है, यह हम सब जानते हैं। मिलन में ही सर्वाधिक भावनाओं का आदान-प्रदान होता है। एक सैनिक लंबी ड्यूटी के बाद घर-परिवार से मिलता है तो उन पलों में क्या होता होगा, उसे शब्दों में बयान करना मुश्किल ही नहीं, असंभव प्रतीत होता है। मिलन का यही स्वरूप हमारी परंपराओं में पूजा का भी होता था, इसलिए संध्या वंदन जैसी आराधना दिन के तीन मिलन बिंदुओं-सुबह, दोपहर और गोधूलि पर करने का प्रावधान है। मिलन तमाम अन्य भावों के साथ अद्भुत प्रसन्नता देता है और ऐसे समय किसी से भी कुछ भी मांगा जाए, तो वह देने को आतुर रहता है। जैसे नदियां भी इस समय इठलाती हैं, प्रसन्न रहती हैं, क्योंकि इस समय नदियों से वाष्पन होता है, जो हमारे लिए भविष्य में बरसात की बुनियाद है। इस वाष्पन में हमारे रोग हरने की क्षमता होती है। इसलिए भी इस मौसम में नदियों में स्नान पवित्र माना जाता है। इस समय दिन बड़े होने लगते हैं तो मानव की कार्यक्षमता में भी बढ़ोतरी होती है। असम में बिहू तो पंजाब में लोहड़ी के पीछे फसल अपनी परिपक्वता पर पहुंचना है। गुजरात में पतंग, बिहार में तिलकुट, ओड़ीशा, बंगाल, झारखंड में टुसू, तमिलनाडू में पोंगल के भिन्न-भिन्न रूपों में उल्लास बहता है। खिचड़ी, तिल, गुड़ आदि इस समय का श्रेष्ठ निवाला माना जाता है। ये तीनों पाचन क्षमता, प्रतिरोधक क्षमता विकास से जुड़े हुए हैं, साथ ही इनकी तासीर भी गर्म रहती है तो ठंड में शरीर के ताप को संतुलित बनाए रखने में भी मदद करती है। सूर्य की सारे ग्रह-नक्षत्र परिक्रमा करते हैं। सूर्य का महत्त्व यही है कि उसके बगैर जीवन की कल्पना करना असंभव है। ऋग्वेद में कहा गया है कि संसार की समस्त चर, अचर के लिए सूर्य आत्मा है। सूर्य को कृतज्ञता व्यक्त करने से संबंधित योग सूर्य नमस्कार भी उस अतुलनीय क्षमता को नमन करना है, जिसकी वजह से हम सब हैं। सूर्य के एक आयाम बदलने पर संक्रांति घटती है, उसी तरह जैसे अंधकार से प्रकाश में आने, अज्ञान से ज्ञान में आने पर हमारा भी आयाम बदल जाता है। जीवन ज्ञान पर आधारित है, सूचनाओं पर नहीं। ज्ञान का जीवन में दृढ़ होना ही प्रकाशवान हो जाना है। जैसे सूर्य से यह सृष्टि प्रकाशित होकर खिलती है, चलायमान होती है, वैसे ही ज्ञान का प्रकाश हमें आगे की ओर बढ़ाता है, जड़ता और विकारों से बचाता है। शिशिर ऋतु में वातावरण में सूर्य के अमृत तत्त्व की प्रधानता रहती है। हाल ही में बीते मकर संक्रांति के अवसर पर शीत अपने यौवन पर होता है। शाक, फल, वनस्पतियां इस अवधि में अमृत तत्त्व को अपने में सर्वाधिक आकर्षित करती हैं और उसी से पुष्ट होती हैं। माना जाता है कि रामायण काल में तीर्थराज प्रयाग में महर्षि भारद्वाज का आश्रम और साधना आरण्यक था। उनके सान्निध्य में माघ महीने में भारत के अनेक क्षेत्रों के आध्यात्मिक मुमुक्षु साधक एकत्रित होते थे। वे प्रयाग में एक मास का कल्पवास करते थे और चंद्रायण तप के साथ महाविद्या की साधना करते थे।

स्वच्छ ऊर्जा का नया दौर

हाइड्रोजन के अलावा गन्ने के शीरे से निकाला गया एथेनाल भी एक स्वच्छ ईंधन है। इसे जला कर बनाई जाने वाली बिजली कई मायनों में दूसरे विकल्पों से बेहतर मानी जाती है। भारत में भी एथेनाल से ऊर्जा हासिल करने का चलन शुरू हो चुका है। कुछ राज्यों में प्रायोगिक तौर पर बसें और ट्रेनें तक एथेनाल से चलाई जा रही हैं। साफ बिजली यानी स्वच्छ ऊर्जा का एक प्रारूप हमें सूरज से मिलने वाली ऊर्जा की तरफ ले जाता है। भारत में फिलहाल बिजली का बहुत बड़ा संकट नहीं है, मगर भविष्य की जरूरतों और स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ने के संकल्पों के तहत हाल में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन को मंजूरी दी है। गौरतलब है कि इस मिशन के तहत भारत को ऊर्जा-स्वतंत्र बनाने, अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों को कार्बन मुक्त करने और वैकल्पिक ईंधन के उत्पादन, उपयोग और निर्यात के एक वैश्विक केंद्र में बदलने की योजना है। उम्मीद है कि इस मिशन के तहत भारत 2030 तक पचास लाख टन हाइड्रोजन उत्पादन क्षमता का लक्ष्य हासिल कर लेगा। इसमें संदेह नहीं कि विकास की राह पर तेजी से आगे बढ़ने की कोशिश करते भारत जैसे देशों के लिए ऊर्जा में स्वालंबन हासिल करना सबसे बड़ी जरूरत है। हमें कारखाने लगाने, उत्पादन बढ़ाना, लाखों-करोड़ों युवाओं के लिए रोजगार पैदा करना है। इसके लिए स्वच्छ ऊर्जा की दरकार है। आज सच्चाई यह है कि भारत ऊर्जा के मामले में पूरी तरह आत्मनिर्भर नहीं है। जीवाश्म ईंधन (पेट्रोल-डीजल) के रूप में अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए ही हमें हर साल करीब बारह लाख करोड़ रुपए आयात में झोंकने पड़ते हैं। इसके बावजूद जनता को वाजिब कीमत पर पेट्रोल-डीजल उपलब्ध कराने में कठिनाई होती है। हाल के कुछ वर्षों में जिस सौर ऊर्जा की बातें जोरशोर से हुई हैं, उसका एक पहलू यह है कि सौर पैनल और संबंधित नई तकनीक के लिए हम विदेशों पर निर्भर हैं। हालांकि तब भी जनता को राहत दिलाते हुए ऊर्जा स्वावलंबन हासिल किया जा सकता है, बशर्ते कुछ ठोस योजनाओं पर सतर्कता से अमल किया जाए। खासकर यह देखते हुए कि हाइड्रोजन स्वच्छ ईंधन है और एक बार दक्षता हासिल होने के बाद इससे अनंत काल तक असीमित ऊर्जा पाई जा सकती है। मगर इसमें कुछ समस्याएं भी हैं। जैसे एक प्रमुख अड़चन दबाव डाल कर इसके भंडारण की है, क्योंकि यह अत्यंत विस्फोटक होने के कारण दुर्घटना का कारण बन सकती है। उम्मीद है कि राष्ट्रीय हाइड्रोजन मिशन में इससे जुड़ी सभी समस्याओं का समाधान निकाल लिया जाएगा। मसलन, हाइड्रोजन ईंधन को सस्ता करना। कोयले से मिलने वाली बिजली सस्ती है और कोयले की उपलब्धतता का भी फिलहाल कोई संकट नहीं है। मगर ऊर्जा की बढ़ती मांग कोयले के भविष्य को धुंधला कर देती है। ऐसे में बेहतर होगा कि या तो परमाणु बिजली की तरफ बढ़ा जाए या फिर हाइड्रोजन ईंधन समेत स्वच्छ ऊर्जा के अन्य विकल्प आजमाए जाएं। हाइड्रोजन का विकल्प मिलने पर हमारे देश में जीवाश्म ईंधन, जैसे कच्चा तेल, कोयला आदि के आयात में एक लाख करोड़ रुपए तक की कमी आ सकती है। परोक्ष लाभ यह है कि इससे ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में पांच करोड़ टन की कमी आ सकती है। राष्ट्रीय हाइड्रोजन मिशन का एक अहम उद्देश्य पेट्रोल-डीजल जैसे जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता खत्म करते हुए देश को स्वच्छ ऊर्जा के उत्पादन का केंद्र बनाना है। यह सही है कि इस समय हाइड्रोजन हमारी धरती पर उपलब्ध सबसे स्वच्छ ईंधन है। मगर दिक्कत यह है कि पृथ्वी पर मौजूद समस्त हाइड्रोजन किसी दूसरे तत्त्व के साथ गुंथा हुआ है।

आज का राशिफल

मेष सेहत का ध्यान रखें। माता से धन प्राप्?ति? के योग बन रहे हैं। खर्च अधिक रहेंगे। मन में नकारात्मकता से बचें। किसी मित्र से कारोबार का प्रस्ताव मिल सकता है। मन में नकारात्मकता से बचें।

वृषभ वाणी में मधुरता रहेगी। संयत रहें। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। किसी मित्र के सहयोग से रोजगार के अवसर मिल सकते हैं।

मिथुन मन परेशान रहेगा। परिवार की समस्याओं पर ध्यान दें। कारोबार में भी कठिनाइयां आ सकती हैं। पिता का साथ मिलेगा। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे।

कर्क खर्च अधिक रहेंगे। व?यर्थ के वि?वादों से बचें। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। आय में वृद्धि होगी। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव भी रहेगा। मानसिक शान्ति रहेगी। जीवनसाथी को स्वास्थ्?य विकार हो सकते हैं। माता का सहयोग मिलेगा।

सिंह नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आत्मविश्वास से लबरेज तो रहेंगे। परन्तु मन परेशान भी हो सकता है। व्यर्थ के क्रोध से बचें। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा। मानसिक असन्तोष रहेगा। स्वभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा।

कन्या तनाव से बचें। परिवार में सुख-शान्ति? रहेगा। नौकरी में यात्रा पर जाना पड़ सकता है। आत्मसंयत रहें। धैर्यशीलता में कमी रहेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। मित्रों का सहयोग रहेगा। मन प्रसन्न रहेगा।

तुला नौकरी में स्थान परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। नौकरी में कठिनाइयां आ सकती हैं। कार्यक्षेत्र में विपरीत परिस्थितियों का सामना भी करना पड़ सकता है। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी।

वृश्चिक यात्रा के योग हैं। आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे। संयत रहें। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। स्वास्थ्?य के प्रति सचेत रहें। अपनी भावनाओं को वश में रखें। किसी पुराने मित्र का आगमन हो सकता है।

धनु खर्च अधिक रहेंगे। स्वास्थ्?य का ध्यान रखें। क्षणे रुष्ट-क्षणे तुष्ट के मनोभाव रहेंगे। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। नौकरी में स्थान परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। आत्मविश्वास में कमी आएगी।

मकर नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। संयत रहें। क्रोध से बचें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय के साधन बन सकते हैं। माता के स्वास्थ्?य का ध्यान रखें। क्रोध के अतिरेक से बचें। वाणी में कठोरता का प्रभाव हो सकता है।

कुंभ माता को स्वास्थ्?य विकार हो सकते हैं। संयत रहें। क्रोध से बचें। शैक्षिक कार्यों में कठिनाई आ सकती है। आशा-निराशा के मिश्रित भाव मन में रहेंगे। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं। बातचीत में सन्तुलित रहें। आय में कमी आ सकती है।

मीन घर में धार्मि?क कार्यक्रम के योग हैं। मन परेशान रहेगा। माता-पिता के स्वास्थ्?य का ध्यान रखें। खर्चों की अधिकता रहेगी। वाहन सुख में कमी आयेगी। आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे। घर-परिवार की समस्याएं रहेंगी।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 4758

3	2		8		5		7	
		7						3
	1	5	7					
		2					3	1
	4		3	9	1		5	
1	5					8		
					7	3	4	
8						9		
	3		1		4		6	7

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 4757

7	3	2	5	6	1	8	4	9
8	1	5	4	2	9	3	7	6
6	9	4	7	8	3	5	2	1
1	8	3	6	5	2	7	9	4
4	2	9	8	1	7	6	3	5
5	7	6	9	3	4	2	1	8
9	4	8	3	7	5	1	6	2
3	6	1	2	9	8	4	5	7
2	5	7	1	4	6	9	8	3

वर्ग पहेली 4758

1	2	3	4	■	5		6
7				8		■	
	■		■	9			
■	11		■	12			■
13	■	14			■	15	16
17	18		■	19		■	
20		■	21		■	22	
	■	23			■	24	

संकेतः बाएं से दाएं

1. 21 जुलाई 1969 को अंतरिक्ष यात्री नील आर्मस्ट्रांग एवं एडविन एल्ड्रिन चंद्रमा पर उतरे थे जो इस देश के है (4)
5. यथेष्ट, जरूरत से ज्यादा (3)
7. शास्त्रीय संगीत में एक राग (6)
9. धनुषधारी, शारंगधारी (4)
11. सप्ताह के दिनों में से एक (2)
12. किसी वस्तु के निर्माण में लगा खर्च (3)
14. सुंदर, रूपवान, संगीतकार नौशाद के पसंदीदा गीतकार (सिर्फ आरंभिक नाम)(3)
15. मशगूल, कार्य में लगा हुआ (2)
17. आदर्शवादी, अमिताभ बच्चन की तिहरी भूमिका वाली एक फिल्म (3)
19. सच्चरित्र, पुण्यकर्ता, सदाशय (2)
20. सिलवट, सिकुड़न, ऐंठन, शक्ति (2)
21. मार्ग, पथ, रास्ता (2)
22. बहुत बड़ा, उच्च, उत्तम (3)
23. इस्मत, प्रतिष्ठा, इज्जत (3)
24. हैसियत, भूगर्भसंस्तर (2)

ऊपर से नीचे

1. मेहमान, शुभांगतुक (3)
2. एकता, मित्रता, डाक (अंग्रेजी) (2)
3. सिफारिश, को अंग्रेजी में यह कहते है (6)
4. फिल्म इंडस्ट्री में राजेश खन्ना इस नाम से भी जाने जाते थे, पिता के भाई (2)
5. असुंदर रंग वाला, विवर्ण (4)
6. शिष्टता, नम्रता, सभ्यीकरण (3)
8. इलाहाबाद के मशहूर वकील जो जलियांवाला बागकांड के बाद 19191 में अमृतसर में हुई कांग्रेस के पहली बार अध्यक्ष बने (7)
10. देने योग्य, देय, नैवेद्य, प्रदेय (3)
13. दुर्भाग्यशाली, शामत का मारा (4)
16. गले में पहनने का हार (4)
18. स्थित, दशा, अवस्था (2)
21. पकाकर गाढ़ा किया हुआ गन्ने का रस (2)
22. आनंदशील, आनंदित, मदोन्नमत (2)

वर्ग पहेली 4757 का हल

न	सी	रू	दी	न	शा	ह	■
सी	र	त	■	म	द	र	सा
ब	■	■	ता	क	■	फ	ल
■	गु	म	रा	ह	■	■	गि
क	ल	म	■	रा	ह	ब	र
ला	■	ता	ली	म	■	रा	ह
■	य	म	■	■	■	ब	■
■	क्ष	य	■	ड	का	र	■

संक्षिप्त खबरें

स्पीड ब्रेकर व रंबल स्ट्रीट पर पट्टी खींचने के संग लगाए गए संकेतक

हसनपुर। राज्य स्तरीय मार्गों पर लगाए गए रंबल स्ट्रीट व स्पीड ब्रेकर से होने वाले हादसों को लेकर अधिकारी संजीदा हुए हैं।रंबल स्ट्रीट व स्पीड ब्रेकर पर सफेद पट्टी लगाई गई है।साथ ही संकेतक भी लगाए जा रहे हैं।हाल में अलीगढ़ मार्ग पर कोतवाली क्षेत्र के गांव मंगरौला के नजदीक स्पीड ब्रेकर पर गिरने से बाइक सवार शिक्षिका की मौत हो गई थी। हिन्दुस्तान ने हादसे रोकने के लिए बनाए गए स्पीड ब्रेकर खुद हादसों का सबब बन रहे, नामक शीर्षक से खबर प्रकाशित की थी।इसके बाद अधिकारियों का ध्यान इस ओर गया।संभल बिजनौर स्टेट हाईवे पर लगाए गए रंबल स्ट्रीट पर सफेद पट्टी खींचने के संग संकेतक भी लगाए गए। इससे वाहन चालकों को दूर से ही स्पीड ब्रेकर का पता लग जाएगा। हादसे होने की गुंजाइश कम होगी।अलीगढ़ मार्ग पर भी सफेद पट्टी व संकेतक लगाए जाएंगे।

सड़क किनारे मिला युवक का शव, कच्ची शराब से मौत की आशंका

हसनपुर। गुरुवार के दिन निकलते ही कोतवाली क्षेत्र के गांव शाहपुर कला में सड़क किनारे युवक का शव पड़ा होने की सूचना ग्रामीणों को मिली मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई वहीं सूचना पाकर मौके पर पहुंची हसनपुर पुलिस ने सब को कब्जे में ले लिया और पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया बताया जा रहा है कि लाल बाग निवासी अकरम हसनपुर का निवासी था और वह शराब का आदी था वही सूत्रों की माने तो कच्ची शराब पीने से युवक की मौत होना बताई जा रही है इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक सुशील कुमार वर्मा ने बताया कि शाहपुर कला में सड़क किनारे युवक का शव मिला है तथा शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है तथा मृत्यु का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता लग पाएगा।

यमुना की सफाई के लिए 1028 करोड़ रुपये अतिरिक्त मंजूर

दिल्ली विधानसभा में गुरुवार को यमुना की सफाई के लिए 1028 करोड़ रुपये के पूरक अनुदान को मंजूरी दी गई। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री एवं जलमंत्री मनीष सिसोदिया ने यमुना सफाई के लिए पूरक अनुदान की मांग को सदन पटल पर रखा और सदन ने इसे मंजूरी दी। श्री सिसोदिया ने कहा,ह्ल उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने अफसरों पर दबाव बनाकर यमुना सफाई के काम को रोकने का हर संभव प्रयास किया। सदन से बजट मंजूर होने के बावजूद जलबोर्ड के काम रोके गए। उपराज्यपाल ने पहले परियोजना को रोकने का प्रयास किया। परियोजना नहीं रुकी तो फंड रोक दिए, लेकिन यमुना की सफाई का काम जारी है।दिल्ली सरकार यमुना की सफाई का काम कभी रुकने नहीं देगी।श्री सिसोदिया ने कहा,ह्लसरकार ने दिल्ली जल बोर्ड के रुके पैसों को तो जारी करवा ही दिया है साथ ही यमुना की सफाई के लिए 1028 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बजट भी जारी किया है ताकि यमुना को साफ करने के कामों में तेजी लाइ जा सकें। यमुना की सफाई का काम रोकना नहीं है।मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने अगले चुनावों से पहले यमुना साफ करने का संकल्प लिया है जिसे पूरा किया जाएगा। दिल्ली सरकार इस दिशा में युद्धस्तर पर काम कर रही है। उन्होंने बताया कि श्री केजरीवाल ने यमुना की सफाई को अपनी प्राथमिकता बनाते हुए हर एक पहलू पर बारीकी से नजर बनाए हैं।

कतर में हिरासत में लिए गए नौसेना के आठ पूर्व कर्मियों से भारतीय दूतावास के अधिकारियों ने मुलाकात की

भारत ने बृहस्पतिवार को कहा कि कतर में भारतीय दूतावास के अधिकारियों ने पिछले दिनों वहां हिरासत में लिए गए भारतीय नौसेना के आठ पूर्व कर्मियों से तीसरी बार मुलाकात की है तथा इस मुद्दे को नियमित रूप से कतर प्रशासन के समक्ष उठा रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने सप्ताहिक प्रेस वार्ता में कहा कि हम कतर में भारतीयों को हिरासत में लिये जाने के मामले से अवगत है। हमने वहां के प्रशासन के समक्ष इस मामले को लगातार उठाया है। उन्होंने कहा, ह्यह्यइस सप्ताह हमें वहां हिरासत में लिये गए भारतीयों तक फिर राजनयिक पहुंच प्राप्त हुई। इस बार एक वकील भी गए थे। उन्होंने कहा कि भारतीय दूतावास के अधिकारियों ने हिरासत में लिये गए भारतीयों से मुलाकात की, उनका कुशलक्षेम जाना है। प्रवक्ता ने कहा कि यह तीसरा अवसर है जब नौसेना के पूर्व कर्मियों से मुलाकात के लिये राजनयिक पहुंच प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि मंत्रालय नियमित रूप से इस मुद्दे को कतर प्रशासन के समक्ष उठा रहा है। इस महीने के प्रारंभ में इन भारतीयों के परिवार के कुछ सदस्य भी वहां गए थे और उनसे भेंट की थी। हाल ही में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता से इन भारतीय नागरिकों को हिरासत में लेने के कारणों के बारे में पूछे जाने पर प्रवक्ता ने कहा था कि इन्हें हिरासत में लेने या गिरफ्तार किये जाने के कारणों के बारे में कतर प्रशासन से पूछा जाए और इसके बारे में वे ही बेहतर बता सकते हैं। ज्ञात हो कि कतर में हिरासत में लिये गये लोग दाहरा ग्लोबल टेक्नॉलोजी एंड कंसलटेंसी के लिए काम कर रहे थे। यह एक निजी कंपनी है।

सड़क सुरक्षा माह के अन्तर्गत चलाया ध्वनि प्रदूषण के विरुद्ध अभियान

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा।प्रदेश सरकार के निदेर्शानुसार सड़क सुरक्षा माह के अन्तर्गत सड़क दुर्घटनाओं को रोकने एवं सड़क दुर्घटना में को कम करने के उद्देश्य से घ्वनि प्रदुषण के विरुद्ध अभियान चलाया गया।जिसमें भारी एवं हल्के मोटर वाहनों में प्रेशर हॉरन एवं हुटर लगे वाहनों के विरुद्ध दण्डात्मक कायार्वाही की गई।वही आज भी प्रवर्तन दल द्वारा प्रवर्तन की कायार्वाही करते हुए किसी प्रकार का नशा आदि करके वाहन संचालन रोकने के उद्देश्य से ब्रेथएनालाइजर के माध्यम से वाहन चालको की जॉच की गई तथा अन्य वाहनो में सीटबेल्ट, हेलमेट वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल की चैकिंग की गई। जिसमें 09 चालान सीटबेल्ट तथा 62 चालान हेलमेट तथा सड़क पर असुरक्षित ढंग से खड़े 9 वाहन को चालान तीन सवारी बैठाकर दो पहियां वाहन संचालन पर 20 चालान तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग करने पर 1 वाहन चालक का चालान किया गया तथा ध्वनि प्रदुषण के अर्न्तगत 14 चालान किये गये जिसमें प्रेशर हॉरन के विरुद्ध 12 तथा मोडिफाइड साईलेन्सर के दो बुलट मोटर साईकिल पर कायार्वाही की गई ध्वनि प्रदुषण वाले वाहनो पर एक लाख चालिस हजार रुपये का जुमार्ना लगाया गया।

दिव्यांगजनो के लिए विशेष लर्निंग लाईसेंस कैम्प का आयोजन

अमरोहा।उपसम्भागीय परिवहन कार्यालय में दिवयांगजनो के लिये विशेष लर्निंग लाईसेंस कैम्प का आयोजन किया गया।जिसमें सहयोग कर दिव्यांगजनो के लर्निंग लाईसेंस के आवेदन पूर्ण करायें गये। इस अवसर पर वरिष्ठ उपसंभागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन नरेश कुमार वर्मा, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन महेश कुमार शर्मा, यात्री/मालकर अधिकारी के0जी0संजय, सम्भागीय निरीक्षक प्राविधिक वैभव सोती एवं जिला सड़क सुरक्षा समिति के गैर सरकारी सदस्य श्री अनिल कुमार जग्गा उपस्थित रहें। जिसमें दिव्यांगजन को चालन विनियमन 2017 के बारे में विस्तार से जानकारी उपलब्ध कराई तथा बताया कि किस प्रकार से दिव्यांग जन को वाहन चलाते समय अपनी एवं सड़क पर अन्य की सुरक्षा का ध्यान रखना हैं तथा सावधानी पूर्वक वाहन संचालित करना हैं साथ इस बात का भी ध्यान रखना हैं कि दिव्यांगजन केवल अपने लिये विशेष रुप से निर्मित वाहन ही संचालित कर सकते हैं तथा आपका ड्राईविंग लाईसेंस भी केवल आपके द्वारा विशेष रुप से निर्मित वाहन पर ही वैद्य माना जायेगा, उस लाईसेंस से आप साधारण वाहन का संचालन नहीं कर सकते हैं जिसके लिये दिव्यांगजन को विशेष सावधानी बरतनें की आवश्यकता हैं दिव्यांगजन को केवल उन्हीं के लिये निर्मित विशेष प्रकार के वाहन चलाने की ही अनुमिति हैं।

डग्गामार वाहन संचालकों की मनमानी,भूसे की तरह भर रहे सवारी

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। जोया,गजरौला चौपला और हसनपुर में डग्गामार वाहन मनमानी से चलाए जा रहे हैं और इस मनमानी के पीछे पुलिस और प्रशासन की मिलीभगत है।आलम यह है कि डग्गामार वाहनों पर मानक से अधिक सवारियां लादी जा रही हैं और मनमाना किराया वसूला जा रहा है।हाइवे पर अवैध रूप से दौड़ने वाली डग्गामार बसों में सवारियों को भूसे की तरह भरी जा रही है। इतना ही नहीं इन डग्गामार वाहनों में 1 घंटे का सफर 2 घंटे में पूरा होता है।वहीं, प्रशासन की पैनी नजर इन डग्गामार वाहनों पर पड़ती तो है,लेकिन रहती बेअसर ही है,क्योंकि इन डग्गामार वाहनों को देखकर भी अनदेखा कर दिया जाता है। बड़े अफसरों के दबाव में कभी-कभी ऐसे वाहनों पर प्रतिबंध लगाने के नाम पर खानापूर्ति कर ली जाती है। लेकिन कुछ दिन में ही पुलिस और प्रशासन के संरक्षण में सड़कों पर डग्गामार वाहन धड़ल्ले से दौड़ने लगते हैं।ये वाहन न तो मानकों को मानते हैं और न ही उनपर खरे उतरते हैं। इन वाहनों से निकलने वाला धुआं भी वातावरण को प्रदूषित कर रहा है।जनपद में डग्गामार वाहनों के चलते अब तक कई हादसे हो चुके हैं, बावजूद इसके डग्गामारी थमने का नाम नहीं ले रही है। डग्गामार वाहनों पर रोक लगाने के लिए स्थानीय लोगों ने कई बार धरना प्रदर्शन भी किया है, लेकिन प्रशासन के कानों पर जूं भी नहीं रेंग रही।

राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत कार्यशाला का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत गुरुवार को एनसीसी कैडेट की कार्यशाला का आयोजन किया गया।विकास भवन सभागार में हुई इस कार्यशाला की शुरूआत जनपद सलाहकार डॉ प्रसाद ने की। उन्होंने तम्बाकू से होने वाले दुष्प्रभावों, बीमारियों और कैंसर से संबंधित कारणों के बारे में विस्तारपूर्वक समझाया।अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं नोडल अधिकारी डा.राजेश गंगवार ने कहाकि समाज में तम्बाकू से संबंधित कुरीतियों और बुराइयों व सेवन कर रहे लोगों को रोकने के लिए समाज के ही लोगों को आगे आना होगा।तम्बाकू छोड़ने की विधि और समाज में इससे पीड़ित लोगों को धूम्रपान एवं तम्बाकू की लत छुड़ाने के लिए जिला अस्पताल मे एनसीडी सेल जाकर अपनी काउंसलिंग करा सकते हैं और आदत छोड़ने के लिए निकोटेक्स प्राप्त कर सकते हैं।

इसके अतिरिक्त 1800112356 पर भी मिस काल करके तम्बाकू की आदत से निजात पा सकते हैं।मण्डल कोआर्डिनेटर सुरजीत सिंह ने कोटपा अधिनियम-2003 को जनपद में लागू करने के लिए धारा-4,5,6 व 7 के बारे में विस्तारपूर्वक बताया और जनपद में अपने-अपने कार्यालय को धूम्रपान मुक्त कैसे करें।इसको लेकर येलो लाइन कैम्पेन के माध्यम से सभी बिन्दुओं पर चर्चा की। इस मौके पर एनसीसी छात्रों ने कई सवाल भी पूछे जिसके विशेषज्ञों ने उत्तर भी दिए।कार्यशाला में नोडल अधिकारी डॉ राजेश कुमार गंगवार, मण्डल कोओर्डिनेटर सुरजीत सिंह, जनपद सलाहकार डॉ प्रशान्त राजपूत, एनसीसी के सूबेदार जीवराज सिंह राठौर, मोनिका रस्तौगी एफएलसी उपस्थित रहें।

एमएलसी चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए स्कूल प्रबधंकों की बैठक

चौधरी बिहारी सिंह इंटर कॉलेज रहरा में हुआ बैठक का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

उझारी/रहरा।वित्तविहीन विद्यालय प्रबंधक वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक में स्नातक एमएलसी चुनाव में गंगेश्वरी ब्लॉक को मतदान प्रतिशत में अव्वल लाने के लिए चर्चा की गई।जिसके लिए मतदाताओं को जागरूक करने हेतु रणनीति तैयार की गई।

चौधरी बिहारी सिंह त्यागी कन्या इंटर कॉलेज रहरा में बृहस्पतिवार को वित्तविहीन विद्यालय प्रबंधक वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में विकासखंड गंगेश्वरी में स्थित अधिकांश विद्यालयों के प्रबंधक एवं प्रधानाचार्यों ने हिस्सा लिया। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष बसंत सारस्वत ने प्रबंधकों एवं प्रधानाचार्य को संबोधित करते हुए कहा कि स्नातक चुनाव का बिगुल बज चुका है। स्नातक डिग्री धारक वे लोग जिन्होंने मतदाता सूची में अपना नाम सम्मिलित करा लिया है उनको मतदान का अधिकार है। यह चुनाव पढ़े-लिखे लोगों का है। इसलिए मतदान का प्रतिशत से भी लगना चाहिए कि पढ़े-लिखे लोग मतदान हेतु कितने जागरूक हैं। वित्तविहीन विद्यालय प्रबंधक वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया है कि स्नातक चुनाव में डॉ जयपाल सिंह व्यस्त को समर्थन किया जाए। गंगेश्वरी ब्लॉक के अध्यक्ष चमन सिंह कसाना ने कहा कि मतदान के मामले में गंगेश्वरी ब्लॉक अन्य ब्लाकों से हमेशा आगे रहा है और समस्त प्रबंधकों एवं प्रधानाचार्य के प्रयास से इस बार भी स्नातक चुनाव में गंगेश्वरी ब्लॉक अव्वल रहना चाहिए। इसके लिए सामूहिक प्रयास किया जाना अति आवश्यक है। प्रत्येक मतदाता से मिलकर उसे मतदान करने के लिए प्रेरित किया जाएगा, ताकि पूरे प्रदेश में गंगेश्वरी ब्लॉक पहले नंबर पर आ सके। इस अवसर पर मुख्य रूप से प्रदेश अध्यक्ष बसंत सारस्वत, जिला अध्यक्ष नरेश सिद्धू, ब्रह्मदत्त त्यागी, चमन सिंह कसाना, अलाउद्दीन सैफी, सुरेंद्र पाल शर्मा, चौधरी सोहन पाल सिंह, सुरेंद्र सिंह आर्य, अजय चौहान, डॉ फतेह सिंह, सोनू त्यागी, सुरेंद्र सिंह गुर्जर, लख्मीचंद, रिफाकत अली, महिपाल सिंह आदि मौजूद रहे।

क्षेत्रिय विधायक पर किसान की भूमि की पैमाइश नहीं कराने का आरोप

प्रात : किरण संवाददाता

धनौरा। भाकियू की एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें क्षेत्रिय विधायक पर किसान की भूमि की पैमाइश नहीं कराने का आरोप लगाया गया।गुरुवार को भाकियू की बैठक कर एक शिकायती पत्र उपजिलाधिकारी को सौंपा गया।कहा गया कि क्षेत्र के गांव ततारपुर निवासी सनोज कुमार व अनुज कुमार सलेमपुर गोंसाई में कृषि योग्य भूमि खरीदी गई थी। आरोप लगाया कि विधायक की दबंगई के कारण किसानों को अपनी जमीन पर काबिज न करा पाना, किसी भी सक्षम अधिकारी का विधायक के दवाब के कारण भूमि की पैमाइश नहीं कर पा रहे है। कहा कि चालू सत्र का गन्ने का सरकार द्वारा मूल्य नहीं बढाया गया। और नहीं विधायक ने विधान सभा में आवाज उठाई, आवारा पशुओं को लेकर आज तक हमारे क्षेत्रीय विधायक के द्वारा कोई भी आवाज नहीं उठाई गई। उक्त समस्याओं को लेकर भाकियू ने मांगकर कहा कि समस्याओं का समाधान यदि 21 जनवरी तक नही हुआ तो भाकियू कभी भी किसी भी दिन सड़क जाम, रेल जाम तथा क्षेत्रीय विधायक का घेराव किया जायेगा। इसकी जिम्मेदारी शासन प्रसाशन की होंगी। सुभाष सोमा, सोबी सिंह, देशराज सिंह, जयपाल, बौबी मीडिया, शिवराज गिरी, नरेश आदि मौजूद रहे।

शुभी फाउंडेशन नरेला व् शिव ग्रुप ने आटा व् अन्य खाद्य सामग्री पैकेट का वितिरण किये

प्रात : किरण संवाददाता

शुभी फाउंडेशन नरेला दिल्ली व् शिव ग्रुप दिल्ली के द्वारा आज नरेला जे जे कॉलोनी, पॉकेट 11 में सामाजिक उतरदायित्व गतिविधि (उरफ) के तहत आटा व् अन्य खाद्य सामग्री पैकेट का वितिरण किये गए। हाल में ही नरेला में 2 आदमियों की भूख के करना मृत्यु हो गई थी। यह कार्यक्रम बढ़ी ठण्ड और खाद्य सामग्री को जरुरत मंद तक पहुचाने हेतु आयोजित किया गया। क्षेत्रीय समाज सेवी सलीम अहमद के नेतृत्व में फूड पैकेट वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया, तत्पश्चात कार्यक्रम में उपस्थित सभी समाजसेवी द्वारा फूड पैकेट वितरित किए गए। इस कार्यक्रम में शुभी फाउंडेशन से सरिता गिरी, क्षितिज कुमार, दीपक कुमार, शिवा ग्रुप से श्री हरीश गुसांईं, श्री दीपक व्यास आदि गणमान्य उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम कोविड-19 के दिशा निदेर्शों पालन करते हुये आयोजित किया गया। क्षेत्रीय समाज सेवी सलीम अहमद ०शिवा ग्रुप से श्री हरीश गुसांईं ने कार्यक्रम में शुभी फाउंडेशन के प्रबंधन एवं उपस्थित सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

संकल्प परियोजना के तहत नोरेक्स फ्लेवर्स प्राइवेट लि. ने किसानों को दिया प्रशिक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

धनौरा। नोरेक्स फ्लेवर्स प्राइवेट लिमिटेड ने संकल्प परियोजना के तहत किसानों को दो दिवसीय प्रशिक्षण दिया। गुरुवार को क्षेत्र के गांव नवाबपुरा, मलंगपुरा मेंथोल-मिंट की अगेती रोपाई के लिए सर्दियों के मौसम में नर्सरी पर बेमौसमी पौध तैयार करने हेतु दो दिवसीय प्रशिक्षण सह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ।इस बैठक का आयोजन नोरेक्स फ्लेवर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया गया।परियोजना प्रशिक्षण कार्यक्रम का आरंभ डॉ. राकेश कुमार सिंह एवं डॉ. अनिल सिंह वरिष्ठ वैज्ञानिक सीमैप लखनऊ, डॉ. जयवीर सिंह सहायक कृषि विकास अधिकारी कृषि विभाग धनौरा, ललित कुमार यादव क्वालिटी एवं सस्टेनेबिलिटी हेड नोरेक्स एवं नोरेक्स कृषि टीम द्वारा किया गया। क्षेत्र में मेंथा किसानों के लिए संकल्प नामक प्रोजेक्ट नोरेक्स धनौरा के सौजन्य से चलाया जा रहा है। चार चरणों के इस चार वर्षीय प्रोजेक्ट में, पहले चरण में 500 किसानों को साथ मे जोड़ा गया था एवं उन्हें खेती के लिए मुफ्त मेंथा की जड़ उपलब्ध कराई गयी थी।

सपा और कांग्रेस की बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज बर्खास्त करने की मांग

लखनऊ, एजेंसी

भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद बृजभूषण शरण सिंह पर खिलाड़ियों के यौन उत्पीड़न के आरोपों के बीच समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस ने सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने और उन्हें बर्खास्त करने की मांग की है। बृजभूषण शरण सिंह उत्तर प्रदेश की कैसरगंज लोकसभा सीट से भाजपा सांसद भी हैं। इस मुद्दे पर भाजपा पर निशाना साधते हुए समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता सुनील सिंह साजन ने कहा, ह्यह्यइस खबर में सबसे ज्यादा परेशान करने वाली बात यह है कि ओलंपिक और अन्य प्रतियोगिताओं में हमारे देश के लिए खेलने वाली लड़कियों को अपने यौन उत्पीड़न के खिलाफ आज विरोध प्रदर्शन करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा, ह्यह्यमैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इस मुद्दे का संज्ञान लेने और बृजभूषण शरण सिंह को तुरंत बर्खास्त करने का अनुरोध करता हूं, साथ ही उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जानी चाहिए और उचित जांच की जानी चाहिए। मुझे आश्चर्य है कि उन सभी मामलों में भाजपा नेता आरोपी क्यों होते हैं, क्यों महिलाओं के खिलाफ अपराध होते हैं। उत्तर प्रदेश कांग्रेस ने भी सिंह को डब्ल्यूएफआई से बर्खास्त करने की मांग की और कहा कि भाजपा के लिए यह साबित करने का समय आ गया है कि वे वास्तव में महिलाओं के खिलाफ अपराधों को लेकर गंभीर हैं। तीन बार की राष्ट्रमंडल चैम्पियन विनेश फोगाट और ओलंपिक कांस्य पदक विजेता बजरंग पूनिया तथा साक्षी मलिक समेत भारत के शीर्ष पहलवान जंतर मंतर पर लगातार दूसरे दिन धरने पर बैठे । वे डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं जिन पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाये गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने आशीष की जमानत पर फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने वर्ष 2021 के उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी किसान आंदोलन के दौरान हिंसा मामले में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा के पुत्र आशीष मिश्रा की जमानत याचिका पर सुनवाई पूरी होने के बाद गुरुवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जे. के. महेश्वरी की पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कहा कि मामले की सुनवाई पूरी होने में पांच साल लग सकते हैं। इस हालात में अभियुक्तों को अनिश्चितकाल के लिए कैद नहीं किया जा सकता है। पीठ के समक्ष उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से एडिशनल एडवोकेट जनरल गरिमा प्रसाद, याचिकाकर्ता आशीष मिश्रा का पक्ष वरिष्ठ मुकुल रोहतगी, जबकि पीड़ित किसानों में से एक शिकायतकर्ता की ओर से वरिष्ठ वकील दुष्यंत दवे ने दलीलें दीं। सुश्री प्रसाद और श्री दवे ने जमानत याचिका का पुरजोर विरोध किया। सुश्री प्रसाद ने कहा कि यह एक गंभीर आपराधिक मामला है। इस मामले में जमानत दिए जाने से गलत संदेश जाएगा। पीठ की इस टिप्पणी पर कि अभियुक्तों को अनिश्चितकाल के लिए कैद नहीं किया जा सकता है, श्री दवे ने दलील देते हुए कहा कि वर्ष 2020 के दिल्ली दंगों के सिलसिले में जेल में बंद लोगों सहित सभी आरोपियों पर यह समान रूप से लागू होना चाहिए। केंद्र सरकार के नए तीन कृषि कानूनों के खिलाफ (जिसे सरकार ने बाद में वापस ले लिया था) किसान आंदोलन के दौरान लखीमपुर खीरी में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के दौरे के दौरान तीन अक्टूबर 2021 को हिंसक घटनाओं में आठ लोग मारे गए थे।

आईटी नियमों में संशोधन सोशल मीडिया की आजादी पर हमला : कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस ने सूचना तकनीकि के नियमों में संशोधनों को सोशल मीडिया में अभिव्यक्ति की आजादी पर हमला बताते हुए गुरुवार को इसकी कड़ी निंदा की और कहा कि संशोधनों को तुरंत वापस लिया जाना चाहिए। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सरकार ने आईटी (मध्यस्थ दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम 2021 में संशोधन के मसौदे के लिए परामर्श अवधि को आगामी 25 जनवरी तक बढ़ाते हुए इसमें चालाकी से एक प्रावधान जोड़ा है। इस प्रावधान के माध्यम से सत्ता के अहंकार में चूर मोदी सरकार सोशल मीडिया पर लगाम लगाने के लिए तानाशाही रवैया अपना रही है। उन्होंने कहा कि इस नियम के अनुसार कोई भी समाचार रिपोर्ट जिसे सरकार के पत्र सूचना कार्यालय-पीआईबी की ह्यफैक्ट चेकिंग यूनिटह्ल द्वारा ह्यझूठ, बेबुनियाद या नकलीह्ल माना जाएगा उस रिपोर्ट को सरकार सोशल मीडिया, ऑनलाइन वेबसाइटों और ओटीटी प्लेटफार्मों से हटा सकती है। इसका सीधा मतलब यह हुआ कि सूचना और प्रसारण मंत्रालय के प्रेस सूचना ब्यूरो को अगर कोई भी ऑनलाइन सामग्री गलत लगेगी तो उसे अधिकृत ढंग से हटा सकती है। उन्होंने आईटी नियम में इस तरह से किये गये बदलाव को बेहद आपत्तिजनक बताया और कहा कि यह संशोधन सोशल मीडिया की अभिव्यक्ति की आजादी पर प्रहार है और इसको तुरंत वापस लेकर सरकार को संसद के आगामी सत्र में इन नियमों पर विस्तार से चर्चा की करवानी चाहिए। प्रवक्ता ने कहा,ह्ल इस नियम का सीधा आशय यह है कि जो रिपोर्ट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की छवि के अनुकूल नहीं होगी तो उसे हटाने में अब पीआईबी की फैक्ट चेकिंग यूनिट जज बनकर काम करेगी। सरकार के आईटी ड्राफ्ट में नये नियम के जोड़ने से साफ हो गया है कि वह बेईमानी, बेरहमी और बेदर्दी से अभिव्यक्ति को कुचलने का काम कर रही है। ग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि उनकी पार्टी पहले भी कह चुकी है कि ये नियम सोशल मीडिया को दिए गए सभी सुरक्षा उपायों और सुरक्षा के खिलाफ हैं। उनका कहना था कि ह्यएडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडियाह्ल ने भी एक बयान जारी कर नियमों में छलपूर्वक तरीके से किये गये बदलाव पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि पीआईबी पर भरोसा नहीं किया जा सकता है क्योंकि पीआईबी पहले ही झूठ को सही बता चुका है। उनका कहना था कि एक ट्वीट पोस्ट में पीआईबी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को एक वीडियो में गलत ढंग से दिखाया है। ारत जोड़ो यात्रा के संलग्न एक वीडियो में श्री गांधी को ह्यरेलवे स्टेशनों, कार्यशालाओं, चिकित्सा केंद्रों और प्रतिष्ठानों का निजीकरण किया जाएगाह्ल कहते हुए दिखाया गया है जबकि यह निजीकरण को लेकर पूछे गये एक प्रश्न का जवाब था। कांग्रेस नेता ने कहा कि पीआईबी ने एक अन्य पोस्ट में उत्तर प्रदेश की स्पेशल टास्क फोर्स के बारे में अपने कर्मियों और उनके परिवार के सदस्यों को सुरक्षा कारणों से अपने मोबाइल से 52 चीनी ऐप हटाने के निर्देश देने वाली खबर को ह्यफर्जी खबरह्ल करार दिया जबकि खबर सही थी। इसी तरह से दो जून 2020 को पीआईबी ने एलएसी सीमा के भारतीय क्षत्र में चीनी सैनिकों की मौजूदगी को ह्यझुठलातेह्ल हुए कहा कि ऐसा नहीं हुआ था। इसके ठीक दो महीने बाद रक्षा मंत्रालय के एक दस्तावेज में कहा गया कि चीन ने मई 2020 में भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ की थी। उन्होंने कहा कि इसी तरह से किसान आंदोलन के दौरान कई ट्विटर यूजर्स को निशाना बनाया गया। वर्ष 2021 में, दिल्ली पुलिस ने 17 प्राथमिकी दर्ज की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना करने वाले पोस्टर के लिए 15 लोगों को गिरफ्तार किया। ग्रामीण क्षेत्रों में काम करने वाले 50 से अधिक पत्रकारों को गिरफ्तार किया गया या उनके खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज की गई थी।

संक्षिप्त खबरें

बरेली मुरादाबाद स्नातक चुनाव के संबंध में बैठक का आयोजन

बिजनौर। गुरूवार को समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर बरेली मुरादाबाद स्नातक चुनाव के संबंध में बैठक का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता समाजवादी पार्टी के निवर्तमान जिलाध्यक्ष राशिद हुसैन ने की तथा संचालन निवर्तमान जिला महासचिव चैधरी आदित्य सिंह ने किया बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में बरेली मुरादाबाद स्नातक चुनाव के समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी शिव प्रताप सिंह व चांदपुर के विधायक स्वामी ओमवेश, नूरपुर के विधायक राम अवतार सैनी नूरपुर के पूर्व विधायक हाजी नईम उल हसन साहब, बढ़ापुर के पूर्व प्रत्याशी कपिल गुर्जर उपस्थित रहे बैठक में स्नातक चुनाव को लेकर रणनीति तैयार की गई तथा चुनाव को जीतने के लिए विचार विमर्श किया गया बैठक में समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष राशिद हुसैन ने बुधवार वार पार्टी के पदाधिकारियों व कार्यकताओं को जिम्मेदारी सौंपी तथा सभी से अपील की कि वह अपने-अपने क्षेत्र के वोटर से संपर्क कर 30 तारीख को होने वाले चुनाव में मतदान करने की अपील करें। बैठक में बोलते हुए शिव प्रताप सिंह ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था बद से बदतर होती जा रही है। बैठक में रफी सैफी, मुनव्वर अली, प्रभा चैधरी, फरीद चेयरमैन, मेराज चेयरमैन, कारी इद्रीस, शेख जाहिद, महमूद कस्सार, राधा सैनी, सतवीर यादव, ओमपाल कश्यप, ठाकुर योगेंद्र सिंह, आयशा सिद्दीकी,कमलेश भुय्यार, विमला, विमलेश चैधरी, नसीम प्रधान, वकार राइन, बलवीर सैनी, शिव कुमार यादव, नाजिम कुरैशी, शहजाद अंसारी, वसीम अहमद एडवोकेट, वकील अहमद,सुधीर चैधरी, हाफिज मोहम्मद यूसुफ, सिराज जैदी, नफीस मंसूरी, अहमद खिजर खान आदि उपस्थित थे।

निर्वाचन आयोग ने मत देने के लिए दिए वोटर आईडी के अतिरिक्त दस विकल्प

बिजनौर। जिलाधिकारी जिला निर्वाचन अधिकारी उमेश मिश्रा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा उत्तर प्रदेश विधान परिषद के बरेली-मुरादाबाद खण्ड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र-2023 हेतु दिनांक 30 जनवरी, 2023 को होने वाले मतदान में प्रतिरूपण को रोकने की दृष्टि से मतदान के समय ऐसे मतदाता जिन्हें मतदाता फोटो पहचान पत्र जारी किये गये है, को अपनी पहचान सिद्ध करने के लिए मत देने से पूर्व अपना निर्वाचनक फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत करना होगा। ऐसे निर्वाचक जो अपना निर्वाचक फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत नहीं कर पाते है, उन्हें अपनी पहचान स्थापित करने के लिए 10 वैकल्पिक फोटो पहचान दस्तावेजों में से कोई एक दस्तावेज मतदान स्टाफ को प्रस्तुत करना होगा। जिलाधिकारी जिला निर्वाचन अधिकारी उमेश मिश्रा ने बताया कि 10 वैकल्पिक फोटो पहचान दस्तावेजों में आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेन्स, पेन कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, राज्यध्केन्द्र सरकार, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, स्थानीय निकाय या अन्य निजी औद्योगिक घरानों द्वारा अपने कर्मचारियों को जारी किये गये सेवा पहचान-पत्र, सांसदों विधायकों पार्षदों को जारी किये गये सरकारी पहचान-पत्र, शैक्षिक संस्थाओं, जिनमें सम्बन्धित स्नातक निर्वाचन क्षेत्र का निर्वाचन नियोजित हो द्वारा जारी सेवा पहचान-पत्र, विश्वविद्यालय द्वारा जारी डिग्री डिप्लोमा का मूल प्रमाण-पत्र, सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी दिव्यांगता सम्बन्धी मूल प्रमाण पत्र और यूनिक डिएएबिलिटी आईडी(यूआईडी) कार्ड, समाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार है।

टी एल बायो इंडिया एग्रो ग्रूप ने सभा का आयोजन किया

सीएस मुरादाबाद जोन का कार्यभार सौंपा

प्रात: किरण, संवाददाता

मंडावर। थाना क्षेत्र के दयालवाला में द लीडर बॉयो इंडिया के प्रमोटर अशवनी सूर्यवंशी, व कृषि डॉ. परवेंद्र सैनी द्वारा एक सभा का आयोजन किया गया। जिसमे जंदरपुर बिजनौर मोनिका को संस्था सी एस मुरादाबाद जोन का कार्यभार सौपा गया। सी एस मुरादाबाद पद भार संभाल कर मोनिका ने अपने माता पिता व गांव ही नहीं बल्कि पुरे बिजनौर का गौरव बढ़ाया है। मोनिका ने संकल्प लिया की में पूरी निष्ठा, मेहनत व ईमानदारी, से संस्था के उद्देश्यों के हितो को ध्यान में रख कर राष्ट्र हित में हमेशा प्रयासरत रहूगी। उन्होंने जैविक खेती के लिए किसानों से अपील करते हुये कहा हम आजादी के समय खाने के लिए अनाज विदेशो से लाते थे। खेतों में बहुत कम पैदा होता था। क्योंकि किसानो के खेतो की उर्वरा शक्ति बहुत कमजोर थी। फिर साठ सत्तर के दशक में हरित क्रांति का दौर आया। हरित क्रांति कें समय विभिन्न फसलों के नए-नए संकर बीज आए बहुत सारे रसायनिक उर्वरक आए। विभिन्न प्रकार के कीडों व बीमारियों को रोकने के लिए नई-नई दवाईयाँ आई भरपूर अनाज पैदा होना लगा। देश में आज गोदाम गेंहू, चावल, बाजरे इत्यादि से भरे पडे है। लेकिन यह दौर कई बुराईयाँ भी साथ लाया इस दषक में हमारा फसलों का उत्पादन तो बढा पर साथ मे फसलों में नए-नए कीड़े व रोग भी आए। आज जमीन का स्वास्थ्य एवं उर्वरकता खराब हो रही है। खेतों में विकारों की मात्रा बढ़ रही है। भूमि की उर्वरा शक्ति में कमी आ रही है। मनुष्यों में विभिन्न प्रकार के कीटनाशकों से कैंसर, चर्म रोग जैसी भयानक बिमारी बहुत ज्यादा होने लगी है। साथ ही अनाज का स्वाद भी पहले जैसा नहीं रहा। यह सब बिना सोच-विचार किए एवं बिना अनुभव के रासायनिक उर्वरक एवं कीटनाशक रसायनों के अत्यादिक उपयोग करने के कारण हुआ। हम अपने देशी तरीकों को भूल रहे है। कार्यक्रम में मुकेश कुमार , चंद्रावती, जूही चैहान , अर्चना, सचिन, मनीषा,लोकेन्द्र कुमार, विजयपाल सिंह आदि के साथ संस्था के सभी कार्यकर्ता व कार्यकत्री, परिचारक व सह परिचारक के साथ बायो इंडिया के एम डी विनय त्यागी भी उपस्थित रहे।

एनपीएस निजीकरण भारत छोड़ो महासम्मेलन के लिए बैठक का आयोजन किया

पुरानी पेंशन की बहाली भविष्य के लिए कर्मचारियों की सामाजिक सुरक्षा की मांग

प्रात: किरण, संवाददाता

नांगल सोती। राजा भरत सिंह इंटर कालेज के प्रांगण में 29 जनवरी को मेरठ में होने वाले एनपीएस निजीकरण भारत छोड़ो महासम्मेलन के लिए एक बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए कॉलेज के उप प्रधानाचार्य केशव शरण ने कहा कि पुरानी पेंशन की बहाली भविष्य के लिए कर्मचारियो की सामाजिक सुरक्षा है।

सन्-2004 से प्रदेश में शेयर बाजार आधारित पेंशन लागू की गई है । वही देश में पं बंगाल, राजस्थान, छत्तीसगढ, झारखंड, पंजाब,हिमाचल प्रदेश में पुरानी पेंशन बहाल कर दी गई है। और उन्होंने कहा की पुरानी पेंशन बहाली को लेकर अटेवा संघर्षरत है आज सभी लोगों ने पुरानी पेंशन बहाली के आंदोलन में विजय कुमार बंधु का साथ देने का संकल्प लिया।

जनपद के सभी एनपीएस आच्छादित शिक्षकध्कर्मचारियों से मेरठ में आयोजित होने वाले महासम्मेलन में भाग लेने की अपील की। इस अवसर पर उप प्रधानाचार्य केशव शरण, शिक्षक हरवीर सिंह, शिक्षक संजय कुमार सिंह, शिक्षक सत्यप्रकाश आर्य, शिक्षक सुरेश चंद राजपूत, शिक्षक सर्वेश चन्द्र शर्मा, शिक्षक बसंत यादव, शिक्षक राजपाल सिंह, विनय सिंह,लोकेश पटेल, सतेन्द्र यादव,डा श्याम सिंह, वित्तेश,राकेश कुमार,मो अरशद, श्रीमति नीति गोयल, भीमसेन, अश्विनी कुमार मौजूद रहे ।

मानक के अनुरूप सड़क का निर्माण न होने पर लोगों ने अपनी नाराजगी जताई

प्रात: किरण, संवाददाता

नजीबाबाद। सरकार की सड़क चैड़ीकरण योजना के तहत होने वाले कार्यों में खुल कर धांधली हो रही है या जानबूझकर कराई जा रही है जिस से सरकार को करोड़ों रुपए का चूना लग रहा है।बता दें कि सरकार की इस महत्वकांक्षी योजना के तहत नजीबाबाद,बूंदकी रोड का चैड़ीकरण हो रहा है लेकिन दिलचस्प बात यह है कि सडक आगे बन रही है और पीछे से खराब होती जा रही है।इसी तरह का एक वीडियो सामने आया है जिसमें नगीना बढ़ापुर प्राईवेट बस स्टैंड के सामने वाली सड़क जो लगभग बीस पच्चीस दिन पहले ही बनाई गई थी पर, राजपूत डेरी के सामने मरम्मत का काम चलना शुरू हो गया है जिस से साफ प्रतीक हो रहा है कि पूर्व में सडक का निर्माण मानक के अनुरूप नही हुआ है।इस सम्बन्ध में वहां के निवासी और व्यापारियों का आरोप है कि अब जो सड़क की मरम्मत की जा रही है,वह भी वेस्टेज मेटीरियल से हो रही है जो बरसात की एक बारिश से फूटफूट जाएगी। उन्होंने खुल्लम खुल्ला धांधली करने का आरोप लगाते हुए सडक का मानक के अनुरूप निर्माण कराने की मांग की है।

कारी शम्सुददीन चतुवेर्दी के इंतिकाल पर शोक सभा का आयोजन

प्रात: किरण, संवाददाता

नजीबाबाद। जमीअतुल उलमा ए हिंद शाखा नजीबाबाद की एक शोक सभा मस्जिद कुबा में अयोजित की गईं।जिसने आलिम ए दीन मौलाना शमसुद्दीन चतुवेर्दी के निधन पर दुआए मगफिरत और ईसाल ए सवाब पहुंचाया गया। शोक सभा में उलमाए इकराम ने मौलाना शमसुद्दीन चतुवेर्दी की जिंदगी पर रोशनी डालते हुए कहा कि मौलाना का विसाल उनके लिए एक बहुत बड़ा हादसा है जिसे भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि मौलाना चतुवेर्दी ने दीन इस्लाम की तबलीग से अपनी एक अलग ही पहचान बनाई थी। मौलाना ने अपनी जिंदगी का बड़ा हिस्सा हिंदुओं के पवित्र ग्रंथों, वेदों को गहराई से पढ़ने और समझने के बाद इस्लाम की सच्चाई को उजागर किया है।

मौलाना नेक दिल और वली सिफत इंसान थे उन्होंने हजरत मोहम्मद की सीरत को वेदों से भी उजागर किया है और एक किताब अंतिम महापुरुष हिंदी और उर्दू में लिखी है जो बहुत ही मकबूल हुई है। वह आकाशवाणी नजीबाबाद से भी जुड़े रहे।

उन्होंने बताया कि मौलाना मरहूम जमी अतुल उलेमा के इस वक्त सरपरस्त भी थे। शोक सभा में मौलाना असलम कासमी,मुफ्ती अरशद कासमी ,मुफ्ती इसरार,मौलाना जावेद कासमी,मुफ्ती इस्लामुद्दीन, मुफ्ती उवैस शिबली, मुफ्ती असद,कारी इफ्तेखार, कारी अल्ताफ, मौलाना कलीमुजजमा, मुफ्ती सरफराज, हाफिज तस्लीम, कारी यूसुफ, इंजिनियर मोअज्जम अहमद आदि बड़ी संख्या में उलमा मौजूद थे।

31 जनवरी तक प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के समस्त लाभार्थियों का पूर्ण कराएं ई-के0वाई0सी0

आधार सीडिंग व भूलेख अंकनः जिलाधिकरी

प्रात: किरण, संवाददाता

बिजनौर। जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने बताया कि भारत सरकार के निदेर्शानुसार 13वीं किस्त का भुगतान केवल उन्हीं कृषकों को किया जायेगा, जिनका भूलेख अंकन का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा जिन लाभार्थियों ने पी०एम० किसान पोर्टल पर अपनी ई-के०वाई०सी० करा ली है साथ ही किसानों के बैंक खाते को आधार सीडिंग एवं एन०पी०सी०आई० से लिंक कराना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि सभी पात्रों को योजना का लाभ मिलना चाहिए। उन्होंने बताया कि शासन स्तर से प्राप्त निदेर्शों अन्तर्गत प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजनान्तर्गत 13वीं किस्त प्रदत्त किये जाने हेतु दिनांक 31 जनवरी 2023 तक समस्त लाभार्थियों की ई-के0वाई0सी0, बैंक खाते की आधार सीडिंगध्एन०पी०सी०आई सीडेड, ओपन सोर्स डाटा निस्तारण एवं अवशेष भूलेख अंकन को पूर्ण करने के सम्बन्ध में अवगत कराया गया है कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में 13वीं किस्त प्रदत्त की जानी है। उन्होंने 30 जनवरी तक जनपद में अभियान चलाकर ईकेवाईसी व आधार सिडिंग कराने के लिए योजना व तरिके से कार्य करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया है। 20 व 21 जनवरी को समस्त जन सेवा केन्द्रों एवं बैंकों में ई-के०वाई०सी० कराने तथा बैंक खातों को आधार सीडिंग एवं एन०पी०सी०आई० से लिंक कराने हेतु विशेष अभियान चलाया जाये। 23 व 30 जनवरी को कृषि विभाग के विकास खण्ड स्तर पर राजकीय कृषि बीज भण्डारों पर निर्धारित तिथियों में जन सेवा केन्द्रों के प्रभारी बायोमैट्रिक ई-के०वाई०सी० करने हेतु समस्त सुविधाओ के साथ उपस्थित रहेंगे।

अपर जिलाधिकारी ने की आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा

प्रात: किरण, संवाददाता

बिजनौर। कलेक्टर स्थित महात्मा विदुर सभागार में अपर जिलाधिकारी वित्त अरविंद कुमार सिंह ने समेकित शिकायत निवारण प्रणाली (आइजीआरएस) के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सभी डिफाल्टर संदर्भों का प्राथमिकता पर निस्तारण कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि आईजीआरएस पोर्टल आमजन की शिकायतों के गुणवत्ता पर व समयबद्व निस्तारण के लिए बनाया गया है। इसकी मॉनिटरिंग उच्च स्तर से होती है। उन्होंने डिफाल्टर संदर्भों का निस्तारण प्राथमिकता पर करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि उन्होंने कहा कि आमजन की शिकायतों का निस्तारण मा0 मुख्यमंत्री जी की प्राथमिकताओं में है, मा0 मुख्यमंत्री जी जन शिकायतो के गुणवत्तापरक निस्तारण के लिए बेहद गंभीर व संजीदा है। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता की संतुष्टि भी आवश्यक है अगर किसी कारणवश किसी प्रकरण का निस्तारण नहीं किया जा सकता है तो इस संबंध में शिकायतकर्ता को लिखित में सूचित करें ताकि शिकायत की पुनरावृति ना हो।

इस अवसर पर उप जिलाधिकारी चांदपुर रितु रानी, डिप्टी कलेक्टर सुमित सिंह सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पुलिस परिवार केन्द्र की ओर से परिवारों को टूटने से बचाया जा रहा

एक परिवार को एक साथ रहने के लिए राजी किया

बिजनौर। दिनेश सिंह, पुलिस अधीक्षक बिजनौर के निर्देशन में पुलिस लाइन प्रांगण में पुलिस परिवार परामर्श केन्द्र की बैठक कर सुनवाई की गई। इस बैठक में परिवार परामर्श केन्द्र में 02 मामलों को सुना गया, इसमें आपसी वैचारिक मतभेद की वजह से परिवार टूटने के कगार पर था। परिवार परामर्श केन्द्र के अधिकारीध्कर्मचारी व विभिन्न क्षेत्रों से नामित सदस्यों की ओर से दोनों पक्षों की बातो को विधिवत सुना गया, जिसमें परिवार परामर्श केन्द्र के सदस्यों की सूझ-बूझ से पति-पत्नि के मध्य आपसी मनमुटाव व कलह को दूर करते हुए 01 परिवारों का आपसी समझौता कराया गया। उक्त जोड़ो ने फिर से एक साथ जीवन व्यतीत करने हेतु अपनी सहमति जताई। परिवार परामर्श के सदस्यों द्वारा दम्पत्ति जोड़े को हंसी खुशी एक साथ विदा किया गया एवं अन्य मामलों में अगली तारीख दी गई है। परिवार परामर्श के दौरान समिति सदस्य आनंद स्वरूप शर्मा, उ0नि0 सविता तोमर, उ0नि0 सपना रानी, म0का0 रीना पुण्ड़ीर ,उपस्थित रहें।

जनपद में हर्षोल्लास, धूमधाम व गरिमापूर्ण ढंग से मनाया जाएगा गणतंत्र दिवस

सभी तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जाएंः एडीएम

बिजनौर। अपर जिलाधिकारी वित्त अरविंद कुमार सिंह ने कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा विदुर सभागार में आगामी गणतंत्र दिवस की तैयारियों के संबंध में अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि सभी तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जाएं। उन्होंने बताया कि गणतंत्र दिवस पूर्व की भांति पूरे हर्षोल्लास, धूमधाम व गरिमापूर्ण तरीके से मनाया जाएगा। अपर जिला अधिकारी अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि 26 जनवरी 2023 को प्रातः 8:30 सरकारी भवनों पर झंडारोहण, राष्ट्रगान तथा संविधान में उल्लिखित संकल्प का स्मरण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रात 9:00 बजे पुलिस लाइन में पुलिस परेड का आयोजन जिसमे जिले के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों तथा सैन्य बल कर्मियों की विधवाओं व अभिभावकों को सम्मान आमंत्रित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 26 जनवरी को प्रातः 10:00 बजे जनपद के समस्त शिक्षण संस्थाओं में राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा तथा राष्ट्रगान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि समस्त शिक्षण संस्थान में नाटक, विचार गोष्ठी, निबंध, लेखन की प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जाएगा। उन्होंने इस संबंध में बेसिक शिक्षा अधिकारी व जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देशित किया। उन्होंने बताया कि दिन में शिक्षण संस्थाओं में खेलकूद, साइकिल रेस आदि का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी धामपुर मनोज कुमार सिंह, उप जिलाधिकारी चांदपुर रितु रानी, डिप्टी कलेक्टर सुमित सिंह सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बरेली-मुरादाबाद खण्ड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के लिए बनाए गए 23 मतदान केन्द्र व 36 मतदेय स्थल

बिजनौर। जिला निर्वाचन अधिकारी उमेश मिश्रा ने बताया कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 25 के उपबंधों के अनुसरण में निर्वाचन आयोग के पूर्व अनुमोदन से बरेली-मुरादाबाद खण्ड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र (जनपद-बिजनौर) के लिए 23 मतदान केन्द्र व 36 मतदेय स्थल बनाएं गए है। जिला निर्वाचन अधिकारी उमेश मिश्रा ने बताया कि 36 मतदेय स्थलों में बिजनौर में 03, मण्डावर 01, हल्दौर 02, नजीबाबाद 04, किरतपुर 01, नगीना 01, अफजलगढ 02, कोतवाली 02, धामपुर 05, नहटौर 03, स्योहारा 03, शेरकोट 02, जलीलपुर 02, नूरपुर 04 व नांगल में 01 मतदेय स्थल बनाए गए है।

यार्ड में रेलवे द्वारा इंटरलॉकिंग का काम कराया जा रहा

नजीबाबाद। मौअज्जमपुर गजरौला रेल मार्ग के मंडी धनौरा यार्ड में इंटरलाकिंग कार्य के चलते पैसेंजर ट्रेन का संचालन नहीं होगा तथा दो दिन ट्रेन गजरौला से नजीबाबाद के लिए विलंब से रवाना होगी। मुरादाबाद मंडल के मौअज्जमपुर नारायण- गजरौला रेल मार्ग के मंडी धनौरा यार्ड में रेलवे द्वारा इंटरलॉकिंग का काम कराया जा रहा है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक कोचिंग सुधीर कुमार ने क्षेत्रीय स्टेशनों को कार्य के चलते एक पैसेंजर ट्रेन एक दिन रद्द होने और एक दिन विलंब से चलने की सूचना क्षेत्रीय स्टेशनों के लिए जारी की है। नजीबाबाद से गजरौला के बीच संचालित 04334 और 04333 पैसेंजर ट्रेन 21 जनवरी,2023 को संचालित नहीं होगी। गजरौला से नजीबाबाद के लिए अपराह्न 3.10 बजे रवाना होने वाली 04333 पैसेंजर ट्रेन 20 जनवरी को गजरौला स्टेशन से 45 मिनट और 22 जनवरी को गजरौला से 90 मिनट विलंब से नजीबाबाद के लिए रवाना होगी।२

विकास भवन में हुआ बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं जन-जागरूकता अन्तर्गत हस्ताक्षर अभियान एवं शपथ समारोह

बेटियां आगे चलकर देश व समाज में अपना व अपने परिवार का नाम ऊंचा करेंगीः बोरा

प्रात: किरण, संवाददाता

बिजनौर। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं जन-जागरूकता के अन्तर्गत विकास भवन सभाकक्ष बिजनौर में मुख्य विकास अधिकारी पूर्ण बोरा की अध्यक्षता में हस्ताक्षर अभियान एवं शपथ समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

उन्होंने कह कि बेटियां आज किसी से कम नहीं है, उनका ठीक प्रकार से लालन-पालन किया जाये तो वह आगे चलकर देश व समाज में अपना व अपने परिवार का नाम ऊंचा करेंगी।

जिला प्रोबेशन अधिकारी संजय कुमार ने बताया कि मिशन शक्ति 2023 की शपथ इस प्रकार है- मैं शपथ लेता हूँ और सत्यनिष्ठा पूर्वक प्रतिज्ञा करता हूँ

कि मैं लिंग चयन या कन्या भ्रूण हत्या में किसी भी रूप में भागीदार नहीं बनूगां।

मैं यह भी शपथ लेता हूँ कि मैं अपने साथियों एवं रिश्तेदारों को भी भ्रूण हत्या जैसे पाप नहीं करने दूगां। मैं शपथ लेता हूँ कि मैं भ्रूणहत्या के खिलाफ यथाशक्ति जनसामान्य को जागरूक भी करूगां।

मैं शपथ लेता हूँ कि मैं बेटियों को पढ़ाऊगां और नारी सशक्तिकरण में भागीदार बनूगां।

इस अवसर पर जिला प्रोबेशन अधिकारी संजय कुमार, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी, मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी, अधिशासी अभियन्ता ग्रामिण अभियन्त्रण, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला उधान अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, पी०ओ० नेडा, बाल विकास परियोजना अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

पुलिस द्वारा बस में यात्रियों के साथ लूटपाट की योजना बनाते तीन हिस्ट्रीशीटर बदमाश गिरफ्तार

बदमाशों से अवैध शस्त्र हुए बरामद

प्रात: किरण, संवाददाता

बिजनौर। पुलिस अधीक्षक, जनपद बिजनौर द्वारा जनपद में चलाये जा रहे संदिग्ध व्यक्तियों व वाहन चैकिंग अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक, नगर डा0 प्रवीण रंजन सिंह व पुलिस क्षेत्राधिकारी अनिल कुमार सिंह नगर के कुशल पर्यवेक्षण में थाना कोतवाली शहर पुलिस द्वारा बुधवार को समय करीब 23.45 बजे मुखबिर की सूचना पर रोडवेज बस स्टैण्ड के निकट प्रात गुप्ता की कोठी के निकट में रखे खोखे के पीछे रोडवेज बस यात्रियों के साथ लूटपाट की योजना बनाते हुये तीन बदमाशों मनीष कुमार पुत्र विरेश सिंह निवासी अखलाशपुर थाना हल्दौर जिला बिजनौर व राशिद पुत्र रईस निवासी ऊंची दनकौर थाना दनकौर कमिश्नरेट गौतमुद्धनगर तथा कार्तिक पुत्र रितेश कुमार निवासी ग्राम हादरपुर थाना कोतवाली नगर जनपद बिजनौर को गिरफ्तार किया गया। बदमाशों की जामातलाशी में अभियुक्तगण के कब्जे से एक पिस्टल मय 04 जिंदा कारतूस व 02 तमंचे 315 बोर मय 08 जिंदा कारतूस के बरामद हुए। इस संबंध में थाना कोतवाली शहर पर मु0अ0सं0 42/23 धारा 401 गैंग व धारा 3/25 शस्त्र अधिनियम पंजीकृत किया गया है। पुलिस द्वारा पूछताछ में बदमाशों ने बताया कि राशिद गिरोह का सरगना है, जो उन दोनों बदमाशों के साथ मिलकर लूटपाट की घटनाओं को अंजाम देता है। चोरी व लूट से प्राप्त धन को वे आपस में बांट लेते हैं। तीन बदमाशों ने पूछताछ में बताया कि वह तीनों आपस में दोस्त है तथा रोडवेज बस में यात्रियों के साथ लूटपाट के इरादे से आये थे। वह किसी राहगिर व यात्रियों से रोडवेज में बैठकर सवारियों से लूटपाट करना चाहते थे।

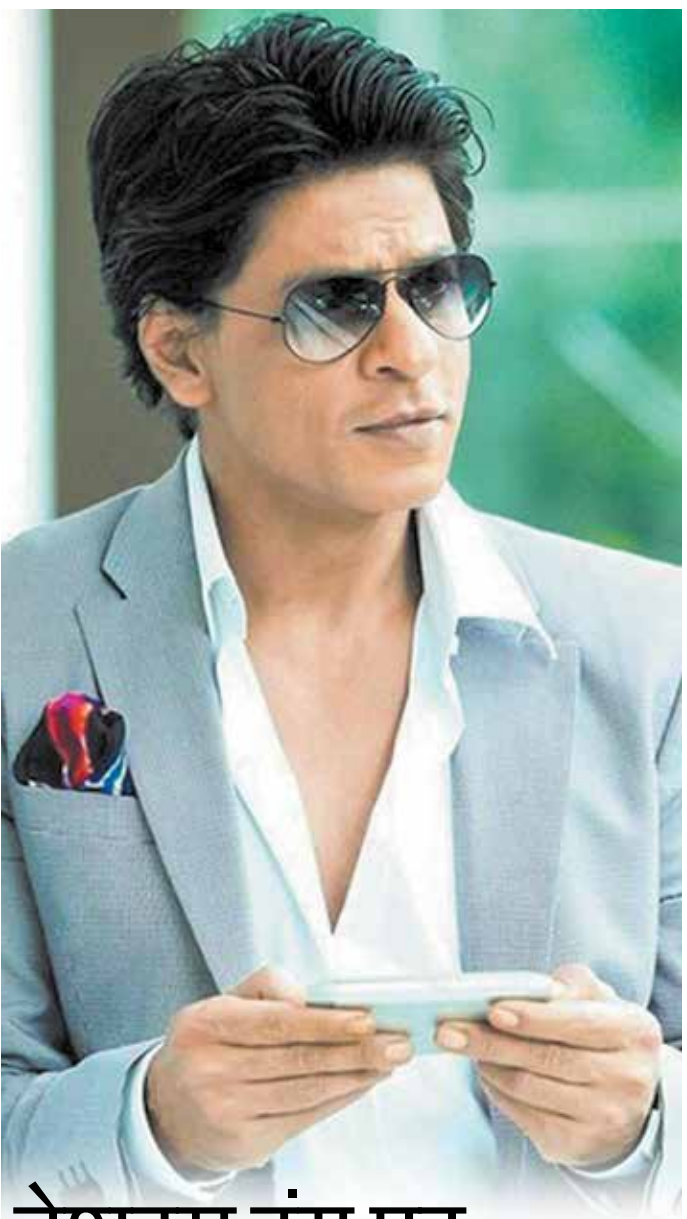

बेशरम रंग पर पहली बार शाहरुख खान ने तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड एक्टर दीपिका पादकोण और शाहरुख खान की फिल्म पठान 25 जनवरी 2023 को रिलीज हो रही है। इस बीच पहली बार शाहरुख खान ने बेशरम रंग गाने और दीपिका पादुकोण व को-स्टार जॉन अब्राहम को लेकर चुप्पी तोड़ी है। देखिए वीडियो में शाहरुख खान पठान को लेकर क्या क्या खास बताते हैं।

शाहरुख खान क्या बोले

बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण की पठान के रिलीज में चंद दिन बाकी है। अब तक इस फिल्म को लेकर खूब धूम धड़ाका देखने को मिला है। कुछ ने इसके गाने बेशरम रंग को लेकर विवाद किया तो कुछ ने शाहरुख खान पर सवाल उठाए। मगर इस पूरे मामले में न तो दीपिका पादुकोण ने रिएक्ट किया न ही किंग खान ने। यहां तक कि मेकर्स ने भी कुछ ऑफिशियल बयान सामने नहीं दिया। मगर अब शाहरुख खान ने पठान और बेशरम रंग को लेकर पहली बार चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने इशारों ही इशारों में काफी कुछ कहा। आइए आपको शाहरुख खान का वीडियो दिखाते हैं जिसमें वह पठान को लेकर रिएक्ट करते हैं।

यशराज फिल्म्स ने शाहरुख खान का पठान से जुड़ा एक इंटरव्यू शेयर किया है। जहां कई सवाल हैं और एक एक का किंग खान जवाब दे रहे हैं। वह अपने को-स्टार जॉन अब्राहम और दीपिका पादुकोण पर भी रिएक्ट करते हैं। इस इंटरव्यू में चौथा सवाल बेशरम रंग गाने से जुड़ा था। उनसे पूछा गया कि बेशरम रंग गाने की शूटिंग स्पेन में की गई थी आपका शूटिंग एक्सपीरियंस कैसा था?

दीपिका पादुकोण के बारे में किंग खान ने कहा कि वह शानदार हैं। उन्होंने एक्शन भी जबरदस्त किया। बेशरम रंग गाने के लिए दीपिका जैसी ही कोई चाहिए था। जिनकी कद काठी और एक्शन सब परफेक्ट रहा। जब आप पठान देखेंगे तो समझेंगे कि कैसे वह बेहतरीन डांस भी करती हैं तो एक्शन भी जबरदस्त करती हैं।

शूटिंग पर फैमिली को भी ले गए थे शाहरुख खान

शाहरुख खान ने कहा सिद्धार्थ और मेकर्स ने इस शूटिंग के लिए बेहद खास लोकेशन को चुना। मैंने खुद भी ऐसी लोकेशन नहीं देखी थी। ये बहुत ही खूबसूरत जगह है। मैं तब बच्चों को भी ले गया था और उन्होंने भी वहां एन्जॉय किया।

जॉन अब्राहम को लेकर शाहरुख खान ने कही ये बात

शाहरुख खान ने जॉन अब्राहम के बारे में कहा कि वह सालों से उन्हें जानते हैं। दोनों कई बार मिले हैं। वह शर्मीले किस्म के शख्स हैं। वह बेहतरीन एक्टर हैं और काफी कूल है। उन्होंने विलेन बनने के लिए जो रिस्क लिया वह बेहतरीन है। एक्शन सीन्स करने में मैंने उनसे भी काफी कुछ सीखा। शुरुआत में वह मुझे मारने वाले सीन्स में कतरा रहे थे। फिर मैंने ही कहा कि नहीं लगेगा मुझे मारो। मैं यकीनन कह रहा हूं कि जब पठान रिलीज होगी तो जॉन अब्राहम के किरदार को खूब पसंद किया जाएगा।

सब कहते हैं गांधी जी अपनी जिद पर आ जाते तो वह भगत सिंह की फांसी रुकवा सकते थे

फिल्ममेकर राजकुमार संतोषी अपनी अपकमिंग फिल्म गांधी गोडसे- एक युद्ध लेकर चर्चा में हैं जिसमें दोनों के विचारों को खुलकर रखा गया है। उन्होंने कहा कि अपनी फिल्म में किसी का पक्ष नहीं लिया है। राजकुमार संतोषी ने कहा कि सबका मानना था कि अगर गांधी जी अपनी जिद पर आते तो वह भगत सिंह की फांसी रुकवा सकते थे।

मैंने तय किया था कि न मैं गांधी की साइड लूंगा, न गोडसे की

राजकुमार संतोषी ने कहा कि यह फिल्म उनकी सबसे मुश्किल फिल्मों में से एक है। उन्होंने कहा, गांधी गोडसे मेरे करियर की बहुत चैलेंजिंग फिल्म है क्योंकि दो ऐसे किरदार पर मैं फिल्म बना रहा हूं जो बहुत ही ज्यादा कॉन्ट्रोवर्शल है लेकिन मेरा जमीर बहुत ही क्लियर है। जिस वक्त मैंने कहा था कि मैं ये फिल्म बनाऊंगा, मैंने तय कर लिया था कि मैं किसी की साइड नहीं लूंगा क्योंकि इसका जो सबसे बड़ा इन्वेस्टमेंट है वो है सच।

गोडसे के साथ नाइंसाफी हुई

उन्होंने कहा, गांधी जी के बारे में बहुत कुछ पढ़ा है, बहुत कुछ जाना और उनके सिद्धांत-योगदार का पूरा सम्मान भी करता हूं। रही बात गोडसे की तो मुझे व्यक्तिगत तौर पर लगता है कि उनके साथ अन्याय हुआ। कोर्ट में जो उन्होंने बताया कि उन्होंने वो कदम क्यों उठाया, क्यों उन्होंने गांधी जी की हत्या की, मुझे लगता है उन सब मुद्दों को दबा दिया गया। तो मेरा कहना है कि वो गोडसे के साथ नाइंसाफी हुई। अब दो-तीन साल पहले कोर्ट ने पब्लिक डोमेन में लाने का ऑर्डर दिया तो आप पढ़ सकते हैं और सुन सकते हैं।

संतोषी ने कहा- गांधी जी को गाली देना फैशन जैसा संतोषी ने कहा, गांधीजी पर भी कई आरोप लगे हैं। गांधी जी को गाली देना फैशन जैसा हो गया है आजकल तो उनके लिए भी ये फिल्म बहुत इम्पॉर्टेंट है। क्योंकि मैंने दोनों को मौका दिया है, दोनों को एक मंच पर लाया और दोनों अपनी बात रखते हैं। गांधी के प्रति जिन्हें शिकायतें होंगी उन्हें भी इस फिल्म से समाधान मिलेगा।

ये दोनों फिल्में सोसायटी के लिए एक सेवा है

उन्होंने आगे कहा, लेजंड ऑफ भगत सिंह भी मैंने बनाई। फिल्ममेकिंग मेरी रोजीरोटी है, मेरा बिजनस है, धंधा है, उसी से मेरा घर चलता है। लेकिन ये दो फिल्म लेजंड ऑफ भगत सिंह और गांधी गोडसे, मुझे लगता है ये सोसायटी के लिए एक सेवा है, मैंने लोगों को कुछ लौटाया है।

लोगों ने उस लेटर की वजह से वीर सावरकर की कुर्बानी पर पानी फेर दिया

क्या इस फिल्म में कहीं सुभाष चंद्र बोस के बारे में कुछ कही गई है? इसपर राजकुमार संतोषी ने कहा, सुभाष चंद्र बोस बड़े काबिल लीडर थे, वो कांग्रेस में थे। फिर एक ऐसा सिचुएशन आया कि उन्हें छोड़ना पड़ा कांग्रेस। वीर सावरकर ने बहुत छोटी उम्र से आवाज उठाई और उन्हें कालापानी की सजा दी गई थी। इससे साफ है कि अंग्रेज उससे हिल गए। ऐसे तो काला पानी की सजा नहीं हुई होगी। अब एक बात चलती हैं कि उन्होंने लेटर लिखकर माफी मांगी थी, और इससे उनकी कुर्बानी पर पानी फेर दिया। अरे पहले समझो तो सही कि उन्होंने किया क्या था, क्यों सजा मिली थी। जाकर देखो उस सेल को कि किस तकलीफ से वो गुजरे हैं, उन्होंने देश की आजादी के लिए बहुत कुछ किया।

गांधी जी अगर चाहते तो गत सिंह की फांसी रुकवा सकते थे

बापू के पड़पोते तुषार गांधी की नाराजगी पर बातें करते हुए उन्होंने कहा, जब मैंने भगत सिंह बनाई थी तब भी उन्होंने शिकायत की थी कि मैंने उनके साथ न्याय नहीं किया। लेकिन जिन लोगों ने फिल्म देखी है उनको पता है कि मैं अपने मन से कुछ नहीं करता हूं। उस वक्त जब भगत सिंह को फांसी दी गई थी तो कई जगह प्रोटेस्ट हुआ था। गांधी जी को काला झंडा दिखाया गया था, सबका मानना था कि गांधी जी अगर चाहते अगर जिद पर आ जाते तो वह भगत सिंह की फांसी रुकवा सकते थे। नेहरू जी ने भी कहा था कि गांधी जब मिलेंगे इरविन से तो ये शर्त रखेंगे कि गांधी जी फांसी को रोक दिया जाए। उन्हें आजीवन कारावास, कालापानी दिया जाए लेकिन फांसी न दिया जाए, 23 साल का लड़का है फांसी रोक दिया जाए। यह फिल्म 26 जनवरी 2023 को रिलीज हो रही है।

ओटीटी पर स्ट्रीम होगी हंसिका सोहेल की वेडिंग

हंसिका मोटवानी की ग्रैंड वेडिंग पर आधारित रियलिटी शो आने वाला है। शो का नाम लव शादी ड्रामा है, जिसमें हंसिका और सोहेल कथुरिया की शादी के खास पलों और ड्रामा को दिखाया जाएगा। बुधवार को हंसिका ने टीजर शेयर करते हुए शो खास अंदाज में शो की अनाउंसमेंट की है। टीजर शेयर करते हुए हंसिका ने लिखा- 'बिना ड्रामे के भला शादी कैसी? लव शादी और ड्रामा जल्द ही।'

डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होगा शो

वीडियो में हंसिका कहती हैं- हाय, मैं हंसिका मोटवानी। इस साल मेरी जिंदगी में कुछ बेहद खास हुआ है। मैंने इस साल शादी कर ली। आप मेरे चेहरे पर शादी का ग्लो देख सकते हैं और आप मेरी शादी के खास पल डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम कर सकते हैं। इस शो का नाम है- लव, शादी और।' इतने में ही कैमरे के पीछे से आवाज आती है- ड्रामा।' हंसिका को टाइटल समझ नहीं आता, हंसिका फिर कहती हैं- ड्रामा कैसे? क्या हम सब कुछ बताने वाले हैं? ऐसा नहीं होगा। मुझे शो के मेकर्स ने बात करने की जरूरत है।

वीडियो देख फैंस ने किया रिएक्ट

हंसिका के इस पोस्ट पर उनके फैंस जमकर रिएक्ट कर रहे हैं। एक फैन ने कमेंट सेक्शन में लिखा- आपके इस शो का बड़ी ही बेसब्री से इंतजार है। दूसरे फैन ने लिखा- आप बहुत ही ज्यादा खूबसूरत लग रही हैं, फैंस को अपनी शादी में क्यों नहीं बुलाया। एक अन्य यूजर ने लिखा- शादी के बाद आपका ग्लो और भी ज्यादा बढ़ गया है।

कपल ने 4 दिसंबर को हुई थी शादी

बता दें कि हंसिका मोटवानी ने 4 दिसंबर को सोहेल से शादी की थी। दोनों ने एक-दूसरे को ऐतिहासिक मुंडोता फोर्ट में वरमाला पहनाई। हंसिका रेड ब्राइडल लहंगे में नजर आईं। सोहेल ऑफ व्हाइट शेरवानी पहने दिखे। उनकी शादी और प्री-वेडिंग फोटोज बेहद सुर्खियों में रहीं।

मौनी रॉय अपने अगले प्रोजेक्ट से फैंस को कराया रूबरू

मौनी रॉय टीवी से लेकर बॉलीवुड तक अपनी एक अलग पहचान बना चुकी हैं। मौनी बॉलीवुड की सबसे भरोसेमंद अभिनेत्रियों में से एक हैं। इस अभिनेत्री को सुपरहिट फिल्म ब्रह्मास्त्र-पार्ट वन- शिवा में जूनून के किरदार के लिए काफी सराहना मिली। हाल ही में मौनी रॉय ने एक आगामी परियोजना के लिए अपने मेकअप के दृश्य साझा किए, और प्रशंसक इस बात को लेकर उत्सुक हैं कि उनके पास क्या है। अभिनेत्री ने अपने प्रशंसकों से आशीर्वाद मांगा क्योंकि वह एक नया प्रोजेक्ट शुरू कर रही हैं, लेकिन प्रशंसक यह जानने के लिए अपने विचारों को साझा रहे हैं कि यह क्या है। पिछले साल उनकी फिल्म ब्रह्मास्त्र साल की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। उनके किरदार, जुनून को प्रशंसकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली।मौनी के किरदार ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और अब वह दर्शकों को चकित करने के लिए एक बार फिर से खुद को तैयार कर रही हैं। 2023 की शुरुआत एक अच्छे नोट के साथ हुई है क्योंकि वह वर्तमान में द वर्जिन ट्री की शूटिंग के लिए खुद को तैयार कर रही है।

करीना कपूर ने अपने नए प्रोजेक्ट के बारे में दिया हिंट

बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर खान ने इंस्टाग्राम पर एक एक्शन से भरपूर वीडिया पोस्ट साझा कर अपने नए प्रोजेक्ट की ओर इशारा किया है। करीना कपूर खान ने कुछ नया करने की ओर इशारा करते हुए इंस्टाग्राम पर एक छोटा वीडियो पोस्ट किया है। वीडियो में देखा जा सकता है करीना काले रंग की ड्रेस पहने हुए हैं और एक्शन मोड में जमीन पर बिजली की तरह गिरती हैं। करीना ने वीडियो केकैप्शन में लिखा कि यह इतना बड़ा रहस्य नहीं है, आपको बस इतना करना है कि अच्छी तरह से पूछें। वह 27 जनवरी को इसकी घोषणा करेंगी। वीडियो ने कई फैंस को सुपरस्टार शाहरुख खान के साथ करीना की लोकप्रिय सुपरहीरो फिल्म रावन की याद दिला दी। करीना कपूर हंसल मेहता की अनटाइटल्ड फिल्म और सुजॉय घोष के जापानी उपन्यास द डिवोशन ऑफ सस्पेक्ट एक्स पर आधारित फिल्म में नजर आएंगी। करीना क्रू में भी नजर आएंगी, जिसमें तब्बू और कृति सेनन भी हैं।

छुट्टियों पर जाना चाहती हैं रश्मिका

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा किया है जिसमें वो फिर से छुट्टियों पर जाने की इच्छा के बारे में बात कर रही हैं। रश्मिका को इंस्टाग्राम पर साझा की गई एक तस्वीर में काफी आरामदायक कपड़ों में देखा जा सकता है। मंगलवार को इंस्टाग्राम पर रश्मिका ने किसी खूबसूरत जगह से एक शानदार तस्वीर पोस्ट की और इसे कैप्शन दिया, मैं वापस जाना चाहती हूं। हालांकि, उन्होंने लोकेशन शेयर नहीं की।

फिल्म जॉयलैंड जरुर देखना चाहिए

भारतीय अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने पाकिस्तान की ऑस्कर प्रविष्टि जॉयलैंड की प्रशंसा करते हुए इसे मस्ट वॉच फिल्म बताया। प्रियंका ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर फिल्म के ट्रेलर का एक वीडियो साझा किया। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, हैशटैग जॉयलैंड वास्तव में देखकर खुशी हुई है। इस कहानी को जीवंत करने के लिए पूरी टीम को शाबाशी। इसे अवश्य देखना चाहिए। उन्होंने अपने पोस्ट में फिल्म के निर्माताओं, निर्देशक और कलाकारों के कुछ सदस्यों को भी टैग किया।

डेब्यूटेंट सईम सादिक द्वारा निर्देशित जॉयलैंड एक पितृसत्तात्मक परिवार की कहानी कहती है, जो परिवार की रेखा को जारी रखने के लिए लड़के के जन्म की लालसा रखता है। परिवार का सबसे छोटा बेटा, नायक, चुपके से एक कामुक नृत्य थियेटर में शामिल हो जाता है और एक ट्रांस महिला के प्यार में पड़ जाता है। फिल्म में सानिया सईद, अली जुनेजो, अलीना खान, सरवत गिलानी, रस्टी फारूक, सलमान पीरजादा और सोहेल समीर हैं। थोड़े समय के प्रतिबंध के बाद इसे नवंबर में पाकिस्तान में रिलीज किया गया था। जॉयलैंड इस समय ऑस्कर की सर्वश्रेष्ठ विदेशी फिल्म श्रेणी के लिए 10 फिल्मों की शॉर्टलिस्ट में है, जहां यह भारतीय फिल्म छेल्लो शो के साथ प्रतिस्पर्धा कर रही है।

संक्षिप्त खबरें

पीएम मोदी रोजगार मेला के तहत 71 हजार नियुक्ति पत्र बांटेंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में भर्ती हुए नए लोगों को करीब 71,000 नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे। इस दौरान वे उन्हें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए उन्हें संबोधित करेंगे। यह केंद्र सरकार के रोजगार मेला अभियान का हिस्सा है। इस अभियान के तहत सरकार ने पिछले साल 10 लाख लोगों को नौकरी देने की घोषणा की थी। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से बताया गया है कि यह रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की मोदी सरकार की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में एक कदम है। बयान में कहा गया है कि रोजगार मेला रोजगार सृजन में उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेगा और युवाओं को उनके सशक्तिकरण और राष्ट्रीय विकास में भागीदारी के लिए सार्थक अवसर प्रदान करेगा। देशभर से चयनित कर्मियों में जूनियर इंजीनियर, लोको पायलट, तकनीशियन, इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर, कांस्टेबल, स्टेनोग्राफर, जूनियर अकाउंटेंट, ग्रामीण डाक सेवक, आयकर निरीक्षक, शिक्षक, नर्स, डॉक्टर, सामाजिक सुरक्षा अधिकारी आदि शामिल हैं। कार्यक्रम के दौरान ह्यकर्मयोगी आरंभ मॉड्यूल के तहत नवनियुक्तों का अनुभव भी साझा किया जाएगा। यह मॉड्यूल विभिन्न सरकारी विभागों में सभी नई नियुक्तियों के लिए एक ऑनलाइन ओरिएंटेशन कोर्स है।

इंडसइंड का मुनाफा 58% और सेंट्रल बैंक का 64 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली। इंडसइंड बैंक को दिसंबर तिमाही में 1,964 करोड़ का मुनाफा हुआ है जो दिसंबर, 2021 के 1,242 करोड़ की तुलना में 58% ज्यादा है। सकल बुरा फंसा कर्ज (ग्रॉस एनपीए) 2.06 फीसदी रहा। इसका जमा 3.25 लाख करोड़ और कर्ज 2.84 लाख करोड़ रुपये रहा। सेंट्रल बैंक ने बुधवार को बताया कि दिसंबर तिमाही में फायदा 64% बढ़कर 458 करोड़ रहा जो 2021 में 279 करोड़ रुपये था। बैंक की कुल आय बढ़कर 7,635 करोड़ रुपये रही। शुद्ध एनपीए 4.39% से घटकर 2.09% रहा।

अगले वित्त वर्ष में कोयला उत्पादन एक अरब टन से ज्यादा रहने का लक्ष्य

नई दिल्ली। सरकार ने बुधवार को कहा कि अगले वित्त वर्ष के लिए कोयला उत्पादन का लक्ष्य एक अरब टन से ज्यादा रखा गया है। कोयला मंत्रालय ने एक बयान में कहा, कुल लक्ष्य में से सरकारी कंपनी कोल इंडिया को 78 करोड़ टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य दिया गया है। इसके अलावा सिंगरेनी कॉलरीज कंपनी लिमिटेड (एसीसीएल) को 7.5 करोड़ टन और वाणिज्यिक खदानों से 16.2 करोड़ टन कोयले के उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है। बयान के अनुसार, कोयला मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2023-24 में एक अरब टन से ज्यादा कोयला उत्पादन का लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य को पाने के लिए कोयला सचिव अमृत लाल मीणा ने सभी कोयला कंपनियों के साथ गहराई से समीक्षा की है। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) के अंतर्गत 290 खदानें संचालित हैं, जिनमें से 97 खदानें हर साल 10 लाख टन कोयले का उत्पादन करती हैं। इन सभी 97 कोयला खदानों के लिए, भूमि अधिग्रहण, वन विभाग से मंजूरी, पर्यावरण विभाग से मंजूरी, रेल संपर्क और सड़क संपर्क के मुद्दों पर चर्चा हुई और इनकी समयावधि तय की गई। कोयला कंपनियों के लगातार प्रयासों से 97 कोयला खदानों में से 56 में कोई मुद्दा लंबित नहीं है।

शेयर बाजार में गिरावट का रुख, सेंसेक्स 290 अंक लुढ़का

नई दिल्ली, एजेंसी

दो दिन की मजबूती के बाद आज घरेलू शेयर बाजार में गिरावट का रुख बना नजर आ रहा है। भारतीय शेयर बाजार ने आज कमजोरी के साथ कारोबार की शुरूआत की। हालांकि खरीदारों ने थोड़ी देर तक लिवाली करके सहारा देने की कोशिश भी की, लेकिन बिकवाली के दबाव की वजह से बाजार की गिरावट लगातार जारी रही।

शुरूआती घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.48 प्रतिशत और निफ्टी 0.51 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे।

पहले घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से यूपीएल, एक्सिस बैंक, ओएनजीसी, एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस और सिप्ला के शेयर 1.54 प्रतिशत से लेकर 0.14 प्रतिशत तक की मजबूती के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे।

दूसरी ओर अडाणी एंटरप्राइज, टाइटन कंपनी, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, कोटक महिंद्रा और टाटा मोटर्स के शेयर 3.61 प्रतिशत से लेकर 1.44 प्रतिशत तक की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे।

अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 1,887 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी।

इनमें से 803 शेयर मुनाफा कमाकर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,084 शेयर नुकसान उठाकर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 5 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में और 25 शेयर बिकवाली के दबाव के कारण लाल निशान में बने हुए थे।

जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 12 शेयर हरे निशान में और 38 शेयर लाल निशान में कारोबार करते दिख रहे थे।

वैश्विक स्तर पर बने नकारात्मक माहौल के बीच बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के

सेंसेक्स ने आज कमजोरी के साथ कारोबार की शुरूआत की। ये सूचकांक 125.72 अंक टूटकर 60,920.02 अंक के स्तर पर खुला।

कारोबार की शुरूआत होते ही बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से सेंसेक्स में भी तेज गिरावट आई। हालांकि थोड़ी देर बाद खरीदारों ने लिवाली करके इस सूचकांक को सहारा देने की कोशिश की, लेकिन बिकवाली का दबाव इतना अधिक था कि सेंसेक्स लगातार गिरता चला गया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच शुरूआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 290.30 अंक की कमजोरी के साथ 60,755.44 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स की तरह ही नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के निफ्टी ने भी आज गिरावट के साथ कारोबार की शुरूआत की।

ये सूचकांक 45.55 अंक की कमजोरी के साथ 18,119.80 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत में ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण निफ्टी भी लगातार गिरता गया।

बीच में खरीदारों की कोशिश से एक बार इस सूचकांक में तेजी आती नजर आई। लेकिन थोड़ी ही देर बाद बिकवाली का दबाव ज्यादा बढ़ जाने की वजह से निफ्टी गोता लगाने के लिए मजबूर हो गया।

बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरूआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद ये सूचकांक 93.55 अंक की कमजोरी के साथ 18,071.80 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

नकारात्मक ग्लोबल संकेतों के बीच आज प्री ओपनिंग सेशन में भी घरेलू शेयर बाजार ने कमजोरी के साथ शुरूआत की थी। इस सेशन में बीएसई का सेंसेक्स 262.83 अंक यानी 0.43 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 60,782.91 अंक के स्तर पर था।

वहीं निफ्टी प्री ओपनिंग सेशन में 32.10 अंक यानी 0.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ 18,133.20 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ था।

इसके पहले पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को सेंसेक्स 390.02 अंक यानी 0.64 प्रतिशत की मजबूती के साथ 61,045.75 अंक के स्तर पर बंद हुआ था।

वहीं निफ्टी ने 112.05 अंक यानी 0.62 प्रतिशत की तेजी के साथ 18,165.35 अंक के स्तर पर बुधवार के कारोबार का अंत किया था।

कच्चा तेल 84 डॉलर प्रति बैरल के करीब, पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम में नरमी का रुख है। पिछले 24 घंटे में ब्रेंट क्रूड एक फीसदी से ज्यादा गिरावट के साथ 84 डॉलर प्रति बैरल के करीब और डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 79 डॉलर प्रति बैरल के करीब कारोबार कर रहा है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक गुरुवार को राजधानी दिल्ली में पेट्रोल का भाव 96.72 रुपये, जबकि डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर टिका रहा मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। इसी तरह कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है, जबकि चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के चौथे दिन शुरूआती कारोबार के दौरान ब्रेंट क्रूड 1.09 डॉलर यानी 1.26 फीसदी लुढ़कर 83.89 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 1.25 डॉलर यानी 1.57 फीसदी फिसलकर 78.26 डॉलर प्रति बैरल के करीब कारोबार कर रहा है।

माइक्रोसॉफ्ट 10 हजार कर्मचारियों की करेगी छंटनी, नडेला ने की पुष्टि

नई दिल्ली, एजेंसी

वैश्विक मंदी से डरी दुनियाभर की प्रौद्योगिकी कंपनियां बड़े पैमाने पर छंटनी कर रही हैं। ट्विटर, अमेजन, मेटा और ओला के बाद दुनिया की सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर कंपनी माइक्रोसॉफ्ट भी इस साल अपने 10 हजार कर्मचारियों को बाहर करेगी। कंपनी के भारतीय मूल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सत्या नडेला ने कंपनी के कर्मचारियों को लिखे पत्र में इसकी पुष्टि की है। उन्होंने यह भी कहा कि कंपनी लंबी अवधि के लक्ष्यों पर केंद्रित कदम उठा रही है। नडेला ने कहा कि निकाले जाने वाले कर्मचारियों को सूचना दे दी गई है। इसमें से कुछ को तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया है। इससे कंपनी को करीब 1.2 अरब डॉलर की बचत होगी। दुनिया की सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर कंपनी में छंटनी की शुरूआत इंजीनियरिंग विभाग से होने वाली है। इससे पहले कंपनी जुलाई में भी अपने 1,000 कर्मचारियों को निकाल चुकी है। दरअसल, 30 जून, 2022 तक माइक्रोसॉफ्ट में कुल 2 लाख 21 हजार पूर्णकालिक कर्मचारी थे। इनमें से 1 लाख 22 हजार कर्मचारी संयुक्त राज्य अमेरिका में कार्यरत थे, जबकि 99 हजार कर्मचारी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि इससे पहले ट्विटर, अमेजन और मेटा सहित कई टेक कंपनियों ने धीमी मांग और बिगड़ते वैश्विक आर्थिक हालात के मद्देनजर छंटनी की हैं। अमेजन समेत अन्य कंपनियां जनवरी के पहले छह दिनों में 30,611 लोगों को निकाल चुकी हैं। शेयरचैट ने भी 20 फीसदी छंटनी की घोषणा की है। वहीं, देश की चार सबसे बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों टीसीएस, विप्रो, इन्फोसिस और एचसीएल टेक में भर्तियों में 97 फीसदी की गिरावट आई है।

शुरूआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 15 पैसे टूटकर 81.45 पर

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजारों में नरमी के रुख और विदेशी कोषों की निकासी के बीच बृहस्पतिवार को शुरूआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 15 पैसे गिरकर 81.45 के स्तर पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में, रुपया डॉलर के मुकाबले कमजोर रुख के साथ 81.45 पर खुला, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 15 पैसे की गिरावट को दर्शाता है। रुपया बुधवार को पिछले सत्र में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 81.30 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.09 फीसदी गिरकर 102.26 पर आ गया। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड वायदा 1.18 फीसदी गिरकर 83.98 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर था। शेयर बाजार के अस्थाई आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को शुद्ध रूप से 319.23 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए खुला है यूरोप, भारत के साथ एफटीए के लिए पूरी कोशिश

नई दिल्ली, एजेंसी

जर्मनी के चांसलर ओलाफ शॉल्त्स ने कहा कि यूरोप अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए खुला है और वह भारत तथा कुछ दूसरे देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं।

गौरतलब है कि यूरोपीय संघ ने पिछले साल भारत के साथ एक एफटीए के लिए फिर से बातचीत शुरू की है। इसके अलावा दोनों पक्षों के बीच एक निवेश संरक्षण समझौते और भौगोलिक संकेतों (जीआई) पर एक समझौते के लिए अलग से बातचीत चल रही है। यूरोपीय संघ के भीतर जर्मनी भारत के सबसे बड़े व्यापार भागीदारों में एक है। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक 2023 में यहां बुधवार शाम एक विशेष संबोधन में चांसलर ने कहा, हमने कनाडा, कोरिया, जापान, न्यूजीलैंड और चिली के साथ मुक्त व्यापार समझौतों पर सफलतापूर्वक बातचीत की है। मैं यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी पूरी कोशिश कर रहा हूं कि जल्द ही इसमें नए देश शामिल हों भारत, इंडोनेशिया और कुछ दक्षिण अमेरिकी देश। उन्होंने कहा, हम अमेरिका के साथ औद्योगिक क्षेत्र के लिए एक टैरिफ समझौते पर चर्चा करने के लिए भी तैयार हैं।

यूरोपीय संघ भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। वर्ष 2021 में कुल भारतीय व्यापार में इसकी लगभग 11 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। दूसरी ओर भारत यूरोपीय संघ का 10वां सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है।

शॉल्त्स ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के प्रति संवेदनशील अर्थव्यवस्था बनाने की ओर बदलाव इस सदी का सबसे महत्वपूर्ण काम है और रूसी युद्ध के कारण यह प्रक्रिया तेज हुई है। उन्होंने कहा कि युद्ध शुरू होन के कुछ महीनों के भीतर ही जर्मनी ने रूसी गैस, तेल और कोयले पर अपनी निर्भरता को खत्म कर दिया।

आधुनिक आप्रवासन कानून के बारे में शॉल्त्स ने कहा, अगर हम एक अग्रणी औद्योगिक राष्ट्र के रूप में प्रतिस्पर्धी बने रहना चाहते हैं, तो हमें अनुभवी चिकित्सकों, योग्य इंजीनियरों और व्यापारियों की जरूरत है। चांसलर ने कहा कि जो लोग मेहनत करने के लिए तैयार हैं, उनका जर्मनी में स्वागत है।

फोनपे ने 12 अरब डॉलर के मूल्यांकन पर 35 करोड़ डॉलर जुटाए

नई दिल्ली। वॉलमार्ट के स्वामित्व वाले डिजिटल भुगतान ऐप फोनपे ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने निजी इक्विटी फर्म जनरल अटलांटिक की अगुवाई में 12 अरब अमेरिकी डॉलर के मूल्यांकन पर 35 करोड़ डॉलर जुटाए हैं। फोनपे ने एक बयान में कहा, मार्की ग्लोबल और भारतीय निवेशक भी इस दौर में भाग ले रहे हैं। फोनपे द्वारा पूंजी जुटाने की यह कवायद हाल ही में फ्लिपकार्ट से पूरी तरह अलग होने के बाद शुरू हुई है। अमेरिकी खुदरा कंपनी वॉलमार्ट ने 2018 में फोनपे का स्वामित्व हासिल किया था। कंपनी ताजा जुटाई गई पूंजी से डेटा केंद्रों के विकास सहित बुनियादी ढांचे में महत्वपूर्ण निवेश करने और देश में बड़े पैमाने पर वित्तीय सेवाएं मुहैया कराने की योजना बना रही है। इसके अलावा कंपनी बीमा, धन प्रबंधन और उधार देने सहित नए व्यवसायों में भी निवेश करना चाहती है। दिसंबर 2015 में स्थापित फोनपे के 40 करोड़ से अधिक पंजीकृत उपयोगकर्ता हैं और 3.5 करोड़ से अधिक कारोबारी इससे जुड़े हैं। ये व्यापारी बड़े शहरों से लेकर छोटे कस्बों तक फैले हैं। कंपनी के संस्थापक और सीईओ समीर निगम ने कहा कि फोनपे एक भारतीय कंपनी है, जिसे भारतीयों ने बनाया है, और ताजा वित्त पोषण से बीमा, धन प्रबंधन और ऋण देने जैसे नए व्यावसायिक खंड में निवेश करने में मदद मिलेगी। साथ ही भारत में यूपीआई भुगतान के लिए वृद्धि की अगली लहर को भी बढ़ावा मिलेगा।

पुरानी पेंशन योजना में जाने से भविष्य में देनदारी बढ़ सकती है : रघुराम राजन

नई दिल्ली, एजेंसी

कई राज्य सरकारों ने पुरानी पेंशन योजना में वापस जाने का इरादा दिखाया है। इस पर आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने कहा कि ऐसा करने से सरकारी खर्च कम हो जाएगा, लेकिन भविष्य के लिए देनदारियां बढ़ सकती हैं। उन्होंने खुदरा ऋण देने की दिशा में बहुत अधिक झुकाव पर बैंकों को आगाह किया है।

डावोस में विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) से इतर एक ऑनलाइन पोर्टल को दिए साक्षात्कार में राजन ने कहा कि नई पेंशन योजना को इसलिए अपनाया गया क्योंकि पुरानी योजना में भारी देनदारियां बन गई थीं। उन्होंने आगे कहा कि सरकारों के लिए परिभाषित लाभ योजनाओं को अपनाना आसान है क्योंकि देनदारियों को मान्यता नहीं दी जा रही है। राजस्थान, छत्तीसगढ़ और पंजाब जैसी कई राज्य सरकारों ने पुरानी पेंशन योजना को अपनाया है, इसमें हिमाचल प्रदेश भी शामिल है। राजन ने साक्षात्कार में आगे कहा कि हालांकि यह प्रत्येक राज्य सरकार को तय करना है, लेकिन इन योजनाओं को प्रभावी ढंग से समाज के कमजोर वर्गों के लिए लक्षित किया जाना चाहिए, ताकि उन्हें लाभ मिल सके। आरबीआई के पूर्व गवर्नर ने साक्षात्कार के दौरान भारतीय बैंकों को खुदरा ऋण देने की दिशा में उनके बदलाव के प्रति आगाह भी किया, क्योंकि उन्होंने कहा था कि मंदी के मामले में संभावित जोखिम हो सकते हैं। राजन की टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब भारतीय बैंकों ने थोक ऋण की तुलना में खुदरा संपत्ति में भारी उछाल देखा है।

इंटरव्यू में उन्हें यह कहते हुए उद्धृत किया गया था कि बैंकों को इंफ्रास्ट्रक्च र ऋण देने में शामिल सभी जोखिमों की जांच करनी चाहिए। पूर्व बैंकर ने कहा कि 2007 और 2009 के बीच, आरबीआई इंफ्रास्ट्रक्च र लोन की ओर बढ़ा था, हालांकि बाद में उसमें समस्याएं सामने आईं।

जेएसडब्ल्यू एनर्जी की इकाई को एसईसीआई से दो परियोजनाएं मिलीं

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसकी इकाई जेएसडब्ल्यू रिन्यू एनर्जी फाइव को सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एसईसीआई) से बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली से संबंधित दो परियोजनाएं मिली हैं। कंपनी ने एक बयान में कहा कि इसके तहत कंपनी को 12 साल तक प्रति माह 10.8 लाख रुपये प्रति मेगावाट का निश्चित क्षमता शुल्क मिलेगा। इन परियोजनाओं की कुल क्षमता 500 मेगावाट/ 1000 मेगावाट है। कंपनी ने बताया कि 500 मेगावाट/1000 मेगावाट की ऊर्जा भंडारण प्रणाली का मतलब है कि 500 मेगावाट की बैटरी दो घंटे तक पावर बैकअप दे सकती है। इस तरह इससे कुल 1,000 मेगावाट का उत्पादन होता है।

ग्लोबल मार्केट में दबाव, एशियाई बाजारों का मिलाजुला रुख

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका में आर्थिक मंदी आने की आशंका ने वॉल स्ट्रीट समेत पूरे ग्लोबल मार्केट पर काफी नेगेटिव असर डाला है। पिछले कारोबारी सत्र में वॉल स्ट्रीट के तीनों इंडेक्स बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोपीय बाजार में भी पिछले कारोबारी सत्र के दौरान दबाव का माहौल बना रहा। जबकि आज एशियाई बाजारों में मिलाजुला रुख नजर आ रहा है।

पिछले कारोबारी सत्र के दौरान डाओ जोंस 613.89 अंक यानी 1.81 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 33,296.96 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने पिछले कारोबारी सत्र के दौरान 1.56 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,928.86 अंक के स्तर पर अपने कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक भी 138.10 अंक यानी 1.24 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 10,957.01 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

जानकारों के मुताबिक माइक्रोसॉफ्ट के बाद अमेजॉन की ओर से की गई कर्मचारियों की छंटनी के ऐलान से वॉल स्ट्रीट का मूड बिगड़ा है। अमेजॉन के अलावा ट्विटर ने भी कंपनी में छंटनी का एक और दौर शुरू करने के संकेत दिए हैं, जिससे अमेरिकी बाजार में निगेटिविटी बढ़ी है। छंटनी की खबरों से इस बात की आशंका एक बार फिर जताई जाने लगी है कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर अभी भी मंदी का खतरा मंडरा रहा है। ये भी कहा जा रहा है कि अगर हालात जल्दी ही नहीं सुधरे, तो अमेरिकी अर्थव्यवस्था 2008 जैसे हालात में भी पहुंच सकती है। मंदी के इस डर ने वॉल स्ट्रीट के तीनों इंडेक्सों पर पिछले कारोबारी सत्र के दौरान काफी बुरा असर डाला।

यूरोपीय बाजार का भी पिछले कारोबारी सत्र के दौरान बुरा हाल बना रहा। बाजार के तीन प्रमुख इंडेक्सों में से दो गिरावट का शिकार हो गए, जबकि एक में मामूली बढ़त देखी गई। एफटीएसई इंडेक्स 0.26 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,830.70 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स 0.03 प्रतिशत कमजोर होकर 15,181.80 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर सीएसी इंडेक्स ने 0.09 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 7,083.39 अंक के स्तर पर पिछले कारोबारी सत्र का अंत किया।

एशियाई बाजारों में भी आज मिलाजुला कारोबार होता नजर आ रहा है एशिया के चार प्रमुख बाजारों में गिरावट का रुख बना हुआ है। जबकि पांच बाजारों में मामूली तेजी नजर आ रही है। एसजीएक्स निफ्टी 102 अंक यानी 0.56 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 18,120 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 400.44 अंक यानी 1.49 प्रतिशत की गिरावट के साथ 26,390.68 अंक के स्तर पर कारोबार करता दिख रहा है। इसके अलावा स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.39 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 3,276.83 अंक के स्तर पर और हैंग सेंग इंडेक्स 0.03 प्रतिशत की नरमी के साथ 21,672.07 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

दूसरी ओर ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 14,932.93 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा कोस्पी इंडेक्स 0.34 प्रतिशत की मजबूती के साथ 2,376.28 अंक के स्तर पर बना हुआ है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.62 प्रतिशत उछलकर 6,807.94 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.10 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,687.07 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.13 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,228.60 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

मारुति सुजुकी ने ग्रैंड विटारा की शिपिंग शुरू की

नई दिल्ली। यात्री कार प्रमुख मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने अपने नए स्पोर्ट यूटिलिटी वाहन (एसयूवी) ग्रैंड विटारा का लैटिन अमेरिका में निर्यात शुरू कर दिया है। कंपनी का लक्ष्य ग्रैंड विटारा को लैटिन अमेरिका, अफ्रीका, मध्य पूर्व, आसियान और पड़ोसी क्षेत्रों के 60 से अधिक देशों में निर्यात करना है। मारुति सुजुकी के लिए टोयोटा किर्लोस्कर द्वारा निर्मित ग्रैंड विटारा की पहली खेप यहां कामराजार बंदरगाह से लैटिन अमेरिका के लिए रवाना हुई। रबंध निदेशक और सीईओ, हिसाशी टेकूची के अनुसार, कंपनी ने अपनी अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति बढ़ाने के लिए कई पहल की है। जुलाई 2022 में अनावरण किए गए ग्रैंड विटारा को घरेलू बाजार में जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है और हमें विश्वास है कि भारत निर्मित ग्रैंड विटारा विदेशी बाजारों में भी इसी तरह की सफलता हासिल करेगी।

इराक में फुटबॉल स्टेडियम के बाहर भगदड़, एक की मौत और दर्जनों घायल

बगदाद (एजेंसी)। इराक में एक फुटबॉल स्टेडियम के बाहर हुई भगदड़ में एक व्यक्ति की मौत हो गई और दर्जनों लोग घायल हो गए। इराकी न्यूज एजेंसी की खबर के अनुसार दक्षिणी इराक में स्थित स्टेडियम में लोग टूर्नामेंट का फाइनल मैच देखने के लिए इकट्ठा हुए तब यह भगदड़ मची।

यह देश में चार दशक में पहला अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल टूर्नामेंट था। इराकी न्यूज एजेंसी ने कहा कि बसरा अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम के बाहर हुई इस घटना में करीब 60 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। आठ देशों के अरब गल्फ कप का फाइनल मैच गुरूवार को इराक और ओमान के बीच खेला जाएगा। इराक 1979 के बाद पहली बार टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा है।

रणजी ट्राफी

विदर्भ ने रचा इतिहास, सबसे कम स्कोर का बचाव करते हुए जीता मैच

नागपुर (एजेंसी)। बाएं हाथ के स्पिनर आदित्य सरवटे के 11 विकेट की मदद से विदर्भ ने 73 रन के आसान लक्ष्य का पीछा कर रही गुजरात को रणजी ट्रॉफी ग्रुप डी के मैच के तीसरे दिन 54 रन पर समेटकर 18 रन से जीत दर्ज की। विदर्भ ने भारत में प्रथम श्रेणी क्रिकेट के इतिहास के सबसे कम स्कोर का बचाव किया है। इससे पहले बिहार ने दिल्ली को 1948 . 49 में मात्र 78 रन का लक्ष्य देने के बाद जीत दर्ज की थी। इसी मैदान पर नौ फरवरी से भारतीय टीम को आस्ट्रेलिया के खिलाफ पहला टेस्ट खेलना है। मैच में पहले दिन 15 और दूसरे दिन 16 विकेट गिरे। रणजी मैच बगल की पिच पर खेला गया जिस पर टेस्ट नहीं खेला जाना है। गुजरात ने एक विकेट पर छह रन से आगे खेलना शुरू किया और पूरी टीम 31 ओवर में 54 रन पर आउट हो गई। सरवटे ने 15 . 3 ओवर में 17 रन देकर छह विकेट लिये। पहली पारी में उन्होंने पांच विकेट लिये थे। बायें हाथ के स्पिनर हर्ष

दुबे ने तीन विकेट चटकाये। गुजरात के लिये सिर्फ तीसरे नंबर के बल्लेबाज सिद्धार्थ देसाई ही दोहरे अंक तक पहुंच सके जिन्होंने 18 रन बनाये। विदर्भ ने पहली पारी में 74 रन बनाये थे जबकि गुजरात ने 256 रन बनाकर 182 रन की बढत हासिल की थी। विदर्भ ने दूसरी पारी में 254 रन बनाकर गुजरात को 73 रन का लक्ष्य दिया था।

ख्वाजा की राय से सहमत नहीं पूर्व आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर, बोला- भारत में हो सकती है परेशानी

मेलबर्न (एजेंसी)। पूर्व आस्ट्रेलियाई विकेटकीपर इयान हीली फॉर्म में चल रहे उस्मान ख्वाजा की राय से सहमत नहीं हैं कि भारत में नौ फरवरी से शुरू हो रही चार टेस्ट मैचों की बॉर्डर-गावस्कर श्रृंखला के लिये अभ्यास मैचों की जरूरत नहीं है। आस्ट्रेलियाई टीम नागपुर में शुरूआती टेस्ट से पहले भारत में एक भी अभ्यास मैच नहीं खेलेगी और दौरा करने वाली टीम के सदस्य ख्वाजा ने हाल में कहा कि इससे उपमहाद्वीप में स्पिन विकेटों पर टीम को कोई नुकसान नहीं होगा। ख्वाजा ने हाल में आस्ट्रेलियाई मीडिया में कहा था, ''जब हम खेलेंगे तो वहां का विकेट स्पिन कर सकता है लेकिन वहां का विकेट गाबा की तरह घास से भरा भी हो सकता है तो अभ्यास मैचों का कोई मतलब नहीं है। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि हमने आखिरकार सीख लिया है। जब मैंने सुना कि हमारा अभ्यास मैच नहीं है तो मैं

मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनल्ड के पास गया और कहा, ''अच्छा विचार। वहीं हीली उनकी बात से इत्तेफाक नहीं रखते हैं और उन्होंने कहा कि ख्वाजा जैसे खिलाड़ी को (जो अभी शीर्ष फॉर्म में है) भले ही भारतीय पिचों से तालमेल बिठाने की जरूरत शायद नहीं हो लेकिन टीम में ऐसे कई खिलाड़ी होंगे जिन्हें उप महाद्वीप के विकेट का आदी होने की जरूरत होगी। हीली ने गुरूवार को सेन रेडिया से कहा, ''यह बात फॉर्म में चल रहा बल्लेबाज (ख्वाजा) कर रहा है। उन्होंने कहा, ''अभ्यास मैच भले ही फॉर्म में चल रहे खिलाड़ी के नहीं हो लेकिन कुछेक के लिये यह जरूरी है।

दंगल गर्ल्स के पिता महावीर फोगाट का खुलासा

सरकार में पहुंच का फायदा उठाता है डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष, विनेश ने मां को बताई थी आपबीती

रोहतक (एजेंसी)। हरियाणा की दंगल गर्ल के पिता द्रोणाचार्य अवार्डी महावीर सिंह फोगाट ने रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यूएफआई) अध्यक्ष बृजभूषण शरण को लेकर खुलासा किया है। महावीर सिंह फोगाट ने कहा कि डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष सरकार में पहुंच का फायदा उठाता है। उसने खिलाड़ियों के सभी कैंप लखनऊ में ही लगवाए, क्योंकि वहां पर उनका आवास है। विनेश फोगाट ने बृजभूषण शरण की हरकतों को लेकर अपनी मां से चर्चा की थी। मां को अपनी आपबीती बताई भी थी। इस तरह की हरकत करना गलत है। रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया और उसके प्रेसिडेंट के विरोध में देश के नामी रेसलर दिल्ली के जंतर-मंतर पर बुधवार से धरना दे रहे हैं।

उन्होंने कहा कि बृजभूषण शरण ने हरियाणा और हरियाणवी खिलाड़ियों से भी भेदभाव रखा है। हमेशा ही कुश्ती की नेशनल प्रतियोगिता अपनी सुविधा और लालच में ऐसे स्थान पर करवाई, जहां खिलाड़ी तक नहीं। कभी भी हरियाणा की तरफ रुख भी नहीं किया, जहां से करीब 80 प्रतिशत कुश्ती खिलाड़ी हैं और पहलवानों की नई पौध पैदा हो रही है।

हरियाणा में कभी नहीं करवाया कुश्ती का नेशनल- महावीर सिंह फोगाट ने बताया कि बृजभूषण शरण खिलाड़ियों के कैंप लखनऊ में आयोजित करवाते हैं। वहां पर बृजभूषण शरण का घर भी है। इसलिए वे बड़े आयोजनों को अपनी सुविधा अनुसार करवाते हैं। जब से वे

अध्यक्ष बने हैं, तब से अब तक हरियाणा में एक भी कुश्ती का नेशनल नहीं करवाया।

स्पॉन्सरशिप में 50 प्रतिशत लेता है डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष- महावीर फोगाट ने आरोप लगाया कि डब्ल्यूएफआई के अध्यक्ष बृजभूषण शरण खिलाड़ियों के आगे बढ़ने में रोड़ा अटकाते हैं। जब भी खिलाड़ियों को कोई स्पॉन्सर करता है तो उसमें से 50 प्रतिशत डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष खुद लेता है। वहीं आधा खिलाड़ियों को मिलता है। अपनी इच्छा अनुसार ही स्पॉन्सर मिलने देता है, अन्यथा वह ऐतराज जताता है।

खिलाड़ियों को नहीं मिलता अच्छा खाना- उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को साई में भी अच्छा खाना नहीं मिलता। खिलाड़ी इसकी शिकायत भी नहीं कर पाते। क्योंकि डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष खुद अपनी मर्जी से डाइट का निर्धारण करता है। वह अपनी सरकार में पहुंच का फायदा उठाता है और साई में भी सभी से मिलीभगत करके यह काम करता है।

फोगाट बहनों ने बनाया अलग खाना- महावीर फोगाट ने कहा कि फोगाट बहनें (गीता फोगाट, बबीता फोगाट, संगीता फोगाट व रितु फोगाट) साई कैंप में रही हैं, लेकिन उन्हें भी अच्छा खाना नहीं मिला। इसलिए चारों बहनें अपना अलग ही खाना बनाती थीं। ताकि वे कुश्ती के लिए अपने शरीर को स्वस्थ रख पाएं। अभी भी खाने का यही हाल है।

डर के साए में खिलाड़ी और कोच- उन्होंने कहा कि इसकी शिकायत करने की हिम्मत ना तो खिलाड़ी जुटा पा रहे थे और ना ही कोच। हालांकि हरकतों की जानकारी सभी को थी। सभी डर के साय में थे। उन्हें डर था कि इसकी शिकायत करने पर शिकायत करने वाले के भविष्य को कुश्ती से अलग कर देगा। खिलाड़ी हो या कोच उन्हें कुश्ती से निकाल देगा। इसलिए शिकायत नहीं कर पाते।

गीता फोगाट ने सभी को समर्थन देने की अपील की- गीता फोगाट ने ट्वीट किया कि हमारे देश के पहलवानों ने बहुत हिम्मत का काम किया है। डब्ल्यूएफआई में जो खिलाड़ियों के साथ होता है उस सच को सामने लाना है। हम सब देशवासियों का फर्ज बनता है कि इस सच की लड़ाई में खिलाड़ियों के साथ दें और उनको न्याय दिलाएं।

बबीता ने दिया समर्थन- बबीता फोगाट ने ट्वीट कर लिखा कि कुश्ती के इस मामले में वे सभी साथी खिलाड़ियों के साथ खड़ी हैं। साथ ही उन्होंने आश्वस्त किया कि इस विषय को सरकार से हर स्तर पर उठाने का काम किया जाएगा। खिलाड़ियों की भावनाओं के अनुरूप ही आगे का भविष्य तय होगा।

हरियाणा के खिलाड़ियों को केंद्रीय मंत्री का समर्थन

झज्जर में बोले बालियान- देश का मान बढ़ाया, आरोप बेहद गंभीर-हर हाल में जांच हो

झज्जर (एजेंसी)। केन्द्रीय राज्यमंत्री संजीव बालियान ने डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष पर यौ शोषण के आरोपों के बीच धरने पर बैठे हरियाणा के खिलाड़ियों का पक्ष लिया है। हरियाणा के झज्जर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए बालियान ने कहा कि जिस तरह के आरोप लगाए गए हैं, वह बेहद गंभीर है और उसकी हर हाल में जांच की जानी चाहिए। पीएम मोदी पहले ही पूरे सिस्टम में बदलाव की जरूरत बता चुके हैं। उन्होंने धरने पर बैठे खिलाड़ियों से बात भी की।

शिकायत का किया समर्थन

मंत्री बालियान ने कहा कि वे दिल्ली में जंतर-मंतर पर धरने पर बैठे खिलाड़ियों की शिकायत का समर्थन करते हैं। यह हमें नहीं भूलना चाहिए कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यदि किसी ने देश को पहचान दिलाई है तो वह हरियाणा ही है। यहीं वजह है कि वह हर उस खिलाड़ी का सम्मान करते है, जिसने देश का गौरव बढ़ाया है।

खिलाड़ियों से की फोन पर बात

संजीव बालियान ने कहा कि धरने पर बैठी विनेश फौगाट,बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक से उनकी फोन पर बातचीत हुई है। लेकिन उन्हें यह भी विश्वास है कि मामला संज्ञान में आने के बाद सरकार हर हाल में उनकी शिकायत पर ध्यान देगी। उन्होंने कहा कि जांच होनी चाहिए और खिलाड़ियों की शिकायत व मन की बात सुनी जानी चाहिए।

दिल्ली जाकर करेंगे बात

मंत्री ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पहले ही यह बात कह चुके है कि पूरे सिस्टम में बदलाव की जरूरत है। उन्होंने कहा कि वह चिंतित है और खिलाड़ियों के साथ व्यक्तिगत स्नेह भी रखते है। इसलिए दिल्ली जाने के बाद वह इस मामले में बात करेंगे।

डब्ल्यूएफआई में यौन उत्पीड़न पर बजरंग के कोच आहत

- **वीरेंद्र पहलवान बोले- ऐसा ही रहा तो कौन बाप बेटियों को खेलों में भेजेगा**

झज्जर (एजेंसी)। रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष बृजभूषण शरण पर लगे यौन उत्पीड़न के आरोपों पर ओलिंपियन बजरंग पूनिया और दीपक पूनिया के कोच वीरेंद्र पहलवान सामने आ गए हैं। हरियाणा के झज्झर में वीरेंद्र पहलवान ने कहा कि खिलाड़ी देश का गौरव होता है और यदि इस प्रकार के मामले ऐसे ही सामने आते रहे तो एक आम बेटी के पिता का खेलों से विश्वास ही उठ जाएगा। आपत्तिजनक मामलों पर सरकार को तुरन्त संज्ञान लेना चाहिए।

जूनियर कोच न्याय के इंतजार में- बता दें कि बृजभूषण शरण पर लगे यौन उत्पीड़न के आरोपों के बाद एक दर्जन से अधिक

पहलवान दिल्ली में जंतर मंतर पर धरने पर बैठे। खिलाड़ी विनेश फौगाट और साक्षी मलिक के समर्थन में कोच वीरेंद्र पहलवान भी आ खड़े हुए हैं। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि हरियाणा में एक मंत्री द्वारा एक जूनियर कोच के साथ की गई छेड़छाड़ का मामला पहले ही सुर्खियों में है। इसमें पीड़िता न्याय के इंतजार में है।

सरकार को पूरा एक्शन लेना चाहिए- वीरेंद्र पहलवान ने कहा कि छेड़छाड़ और यौन उत्पीड़न जैसी बातें सामने आती हैं तो यह हमारे लिए बड़े दुर्भाग्य की बात है। सरकार को इस पर पूरा एक्शन लेना चाहिए, पूरी जांच पड़ताल करनी चाहिए। ये बहुत ही गंभीर विषय है। मामले इसी प्रकार उठते रहे तो कौन बाप अपनी बेटियों को खेलों में भेजेगा। हमारा खेल राष्ट्र की सुरक्षा के साथ भी जुड़ा हुआ है। हमारे जवान, युवा जवान तगड़े (ठाडे), बुद्धिमान होंगे तो उससे ही देश की रक्षा होगी।

भारत की जीत के बाद बोले पूर्व बल्लेबाज आकाश चौपड़ा

गिल ने ओपनिंग को लेकर बहस पर विराम लगा दिया

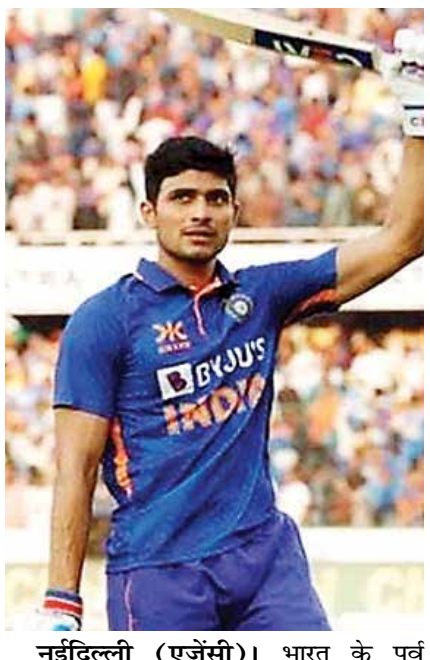

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने शुभमन गिल की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने हैदराबाद में जीत के बाद भारत के सलामी बल्लेबाज को लेकर चल रही बहस पर विराम लगा दिया है। गिल के दोहरे शतक की बदौलत भारत ने तीन मैचों की सीरीज के पहले वनडे में न्यूजीलैंड को 12 रन से हराया।

अपने यूट्यूब चैनल पर बोलते हुए चोपड़ा ने कहा, गिल ने अपने सनसनीखेज दोहरे शतक के साथ भारत के सलामी बल्लेबाजों के बीच बहस को समाप्त कर दिया है। चोपड़ ने कहा, उन्होंने (गिल) बहस खत्म कर दी है कि किसे ओपनिंग करनी चाहिए। इशान किशन के दोहरे शतक के बाद कुछ चर्चा हुई तो उससे पहले शिखर धवन को लेकर भी कुछ चर्चा हुई। कई बार यह भी महसूस किया गया कि केएल राहुल सही नंबर पर बल्लेबाजी कर रहे हैं लेकिन अब यह बिल्कुल स्पष्ट है कि शुभमन गिल को ओपनिंग करनी चाहिए।

गिल से हमारा मतलब शीर्ष पर क्रिकेट खेलना है, उन्होंने कहा, भारत ने पिछले दो महीनों में दो दोहरे शतक बनाए हैं। चोपड़ा ने कहा, वह शीर्ष पर एकदिवसीय क्रिकेट खेलने के लिए है। भारत ने पिछले डेढ़ से दो महीनों में दो दोहरे शतक बनाए हैं। ईशान किशन ने बांग्लादेश के खिलाफ दोहरा शतक लगाया था और यहां शुभमन गिल का न्यूजीलैंड के खिलाफ। गजब काम किया, बच्चा कितनी अच्छी बल्लेबाजी करता है।

पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि 50 ओवर का प्रारूप गिल के लिए सबसे अच्छा है, उन्होंने कहा कि जब भी वह बल्लेबाजी करते हैं, तो वह बहुत ही शालीनता से करते हैं। चोपड़ा ने कहा, रोहित शर्मा शुरू में अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे और शुभमन गिल उनके लिए दूसरी भूमिका निभा रहे थे। हालांकि रोहित, विराट कोहली और इशान किशन आउट हो गए लेकिन शुभमन गिल दूसरे छोर से हिट करते रहे। यह प्रारूप उन्हें सबसे ज्यादा सूट करता है। जब वह बल्लेबाजी करते हैं, तो करते हैं। यह एक बहुत ही सुंदर फैशन में है। वह 1000 वनडे रन के आंकड़े तक पहुंचने वाले सबसे तेज भारतीय हैं। यह भी आश्चर्यजनक है और अगर कोई बच्चा 350 के टीम स्कोर में 200 का स्कोर करता है तो तालियों का पात्र है। वह छक्के मार रहा था। अंत ऐसा लगा जैसे मैच एक वीडियो गेम पर खेला जा रहा था।

बच्चे को 'गोद' में लिए क्रिकेट मैच रिकॉर्ड करता नजर आया कैमरामैन, लोगों ने की वाह-वाही

हरारे (एजेंसी)। आयरलैंड के खिलाफ हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए सीरीज के पहले वनडे मैच में जिम्बाब्वे ने डीएलएस नियम के तहत 3 विकेट से जीत दर्ज की। हालांकि मैच के बाद कैमरामैन की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है जो मैच के दौरान कैमरामैन के साथ-साथ पिता का भी कर्तव्य निभाते हुए नजर आया।

दरअसल मैच के बाद जिम्बाब्वे बनाम आयरलैंड मैच को कवर कर रहे एक कैमरामैन की तस्वीर वायरल हो गई। कैमरामैन बच्चे को गोद (बेबी कैरियर के सहारे) में लिए कैमरा चलाते हुए नजर आया। इस पर क्रिकेट केन्या के क्रिकेट संचालन निदेशक राजीव मिश्रा ने ट्वीट

करते हुए तस्वीर शेयर की है। उक्त कैमरामैन की तस्वीर को साझा करते हुए उन्होंने लिखा, इस सज्जन, पितृत्व, पेशे के लिए व्यापक सम्मान। वहीं इस ट्वीट पर लोगों ने भी अपनी प्रतिक्रिया साझा करते हुए कैमरामैन के लिए प्यार और सम्मान दिया है।

मैच की बात करें तो आयरलैंड ने कप्तान बालबर्नी (121) और हैरी टेक्टर (101) के शतकों की बदौलत जिम्बाब्वे को 4 विकेट के नुकसान पर 289 रन का लक्ष्य दिया। इसके जवाब में जिम्बाब्वे की शुरूआत खराब रही। लेकिन इसके बाद तीसरे विकेट तक जिम्बाब्वे ने 80 रन बनाए। लेकिन इसके बाद एक अंतराल पर विकेट्स गिरते रहे और 36.4 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर टीम के 209 रन थे कि बारिश ने खलल डाला जो जिम्बाब्वे के लिए अच्छा रहा और टीम डीएलएस नियम के तहत 3 विकेट से जीत गई।

डब्ल्यूडब्ल्यूई रेसलर की तरह नजर आए रोबिन उथप्पा

दुबई की आईएलटी 20 लीग में मिला ग्रीन बेल्ट

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत और कर्नाटक के पूर्व बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा, ने पिछले साल सितंबर में भारतीय क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास लेने की घोषणा की। रॉबी अब विदेश की टी-20 लीग में हिस्सा ले रहा है। इस समय वे यूएई की आईएलटी-20 यानी इंटरनेशनल लीग टी-20 में खेल रहे है। वे दुबई कैपिटल्स के लिए खेलते है। वे सोमवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में गल्फ जायंट्स के खिलाफ 46 गेंदों पर 79 रन की पारी के बाद ग्रीन बेल्ट प्राप्त करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। उथप्पा वर्तमान में 122 रनों के साथ टॉप रन स्कोरर है। ग्रीन बेल्ट के साथ रॉबी की फोटो वायरल हो गई। कई लोग उनकी तुलना डब्ल्यूडब्ल्यूई रेसलर्स से कर रहे है। क्योंकि बेल्ट हूबहू डब्ल्यूडब्ल्यूई में मिलने वाले चैंपियनशिप बेल्ट की तरह ही लग रहा है। नेटिजन्स ने इंटरनेट पर इसे लेकर फनी कमेंट भी किए। ट्विटर पर फैंस ने डब्ल्यूडब्ल्यूई स्टार से की तुलना-फैंस ने की तुलना डब्ल्यूडब्ल्यूई के भारतीय मूल के रेसलर जिंदर महाल से की।

बांग्लादेश ने ऑस्ट्रेलिया के डेविड मूरे को कार्यक्रम प्रमुख बनाया

ढाका(एजेंसी)। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने ऑस्ट्रेलिया के डेविड मूरे को दो साल के लिस्कार्यक्रम प्रमुख नियुक्त किया है। 58 वर्ष के पूर्व विकेटकीपर योजना, रणनीति बनाने और उस पर अमल के प्रभारी होंगे। बीसीबी ने यहां जारी एक बयान में कहा कि उनका काम दूसरी टीमों के कोचिंग निदेशक के समकक्ष हागा। मूरे ने कहा, ''बीसीबी में कार्यक्रम प्रमुख के तौर पर अपनी नई पारी से मैं बहुत खुश हूं। मैं मुख्य कोच, उनके कोचिंग और सहयोगी स्टाफ, खिलाड़ियों के साथ काम करने और उन्हें अपनी प्रतिभा के अनुरूप प्रदर्शन में मदद करने को लेकर बहुत उत्साहित हूं। मूरे 2007 में वेस्टइंडीज टीम के इंग्लैंड दौरे पर कार्यवाहक मुख्य कोच रह चुके हैं। वह बरमूडा के भी कोच रहे हैं। वह ऑस्ट्रेलिया में सेंटर आफ एक्सीलैंड में भी 2002 से 2004 के बीच सीनियर कोच रहे।

संक्षिप्त खबरें

नहीं मिल रहा था पर्याप्त खाना, ताला तोड़कर 110 बेघर भागे ; रैन बसेरों में अव्यवस्था से परेशान है लोग

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड (डूसिब) ने कश्मीरी गेट फ्लाईओवर के नीचे से तथा यमुना बाजार हनुमान मंदिर से उठाकर रोहिणी और द्वारका में जिन 350 बेघरों को रखा हुआ है, वे वहां रहने के लिए तैयार नहीं हैं। उन्होंने बुधवार को वहां हंगामा किया तथा उन्हें छोड़े जाने की मांग की। डूसिब के एक अधिकारी ने कहा कि अगर ये लोग रहने से इसी तरह विरोध करते हैं तो इन्हें छोड़ दिए जाने पर बृहस्पतिवार तक विचार किया जा सकता है। अधिकारी ने बताया कि बेघरों को भोजन और ओढ़ने और बिछाने के लिए पर्याप्त कंबल दिए गए हैं। हंगामा करने के बाद अधिकारियों की टीम द्वारका और रोहिणी गई थी, वहां की व्यवस्था का जायजा लिया है, वहां सुविधाओं में कोई कमी नहीं है। अधिकारी ने कहा कि बेघरों को इस ठंड में बचाने के लिए वहां रखा गया है। वे खुले आसमान की जगह एक चार मंजिला इमारत में क्यों नहीं रहना चाहते हैं, यह समझ से परे है। वहीं, बेघरों के लिए काम कर रहे सुनील कुमार अलेदिया ने आरोप लगाया है कि कश्मीरी गेट और यमुना बाजार हनुमान मंदिर ने उठाकर 350 बेघरों को रोहिणी और द्वारका में कैद कर लिया गया है। डूसिब ने आदेश जारी कर उन्हें बाहर निकलने पर प्रतिबंध लगा दिया है। इनमें कई लोग काम धंधे वाले हैं जो दिन में काम करके रात में वहां सो जाते थे। मगर वहां पर्याप्त भोजन और कंबल नहीं मिल रहे हैं। उन्हें बाहर भी नहीं जाने दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि दोपहर बाद रोहिणी से 120 में से 110 बेघर ताला तोड़कर भाग गए। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें वहां दो दिन से भोजन नहीं दिया जा रहा था। वहीं, कश्मीरी गेट फ्लाईओवर नीचे से बुधवार रात को भी बेघरों को उठाने की कार्रवाई जारी रही।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना की संवैधानिक वैधता को चुनौती, कैशबैक को लेकर हाई कोर्ट में याचिका दायर

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) की संवैधानिक वैधता को दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती दी गई है। याचिकाकर्ता आकाश गोयल ने कहा है कि उक्त योजना के ग्राहकों को प्रति एलपीजी सिलेंडर पर दो सौ रुपए का कैशबैक दिया जाता है, जबकि यह लाभ अन्य गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले बीपीएल परिवारों को नहीं दिया जा रहा है। बुधवार को याचिका मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा व न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ के समक्ष आई और अदालत ने इसे 13 फरवरी को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया। याचिकाकर्ता ने याचिका में कहा कि पीएमयूवाई योजना को एक मई 2016 को शुरू किया गया था और इससे बीपीएल परिवारों को गैस सिलेंडर बेचने वाले एजेंसी के पास बिना राशि का भुगतान किए गैस सिलेंडर मिल सके ।इस योजना के तहत तीन साल में 50 लाख परिवारों को गैस कनेक्शन दिया जाना था। आकाश गोयल ने अदालत से अनुरोध कि वह सरकार से उन बीपीएल परिवारों की पहचान करने को कहे जो पीएमयूवाई के तहत नहीं आते हैं। साथ ही दो सौ रुपए के कैशबैक का लाभ देने का निर्देश देने की मांग की है।

देश में एक दिन में कोविड के 134 नए मामले हुए दर्ज, एक्टिव केस में आई कमी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरूवार को कोवड संक्रमण के नए आंकड़े पेश किए हैं। कोविड के नए आंकड़ों के अनुसार भारत में एक दिन में कोविड-19 के 134 मामले दर्ज किए गए हैं। जबकि सक्रिय मामलों की संख्या घटकर 1 हजार 962 रह गई। भारत में अब तक कुल 4.46 करोड़ कोविड मामले दर्ज किए गए हैं। सुबह 8 बजे अपडेट किए गए आंकड़ों में मरने वालों की संख्या 5 लाख 30 हजार 728 थी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक दैनिक संक्रमण दर 0.07 प्रतिशत दर्ज की गई है। जबकि साप्ताहिक सक्रंमण दर 0.08 प्रतिशत थी। स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार कोविड के सक्रिय मामलों में अब कुल संक्रमणों का 0.01 प्रतिशत शामिल है, जबकि राष्ट्रीय कोविड-19 रिकवरी दर बढ़कर 98.80 प्रतिशत हो गई है। 24 घंटों में सक्रिय मामलों की संख्या में 36 मामलों की कमी आई है। बीमारी से ठीक होने वालों की संख्या बढ़कर 4 करोड़ 41 लाख 48 हजार 815 हो गई है। जबकि मृत्यु दर 1.19 प्रतिशत दर्ज की गई है। मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार, राष्ट्रव्यापी कोविड-19 टीकाकरण अभियान के तहत देश में अब तक कोविड टीके की 220.20 करोड़ खुराक दी जा चुकी है। भारत की कोविड-19 टैली ने 7 अगस्त, 2020 को 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख, 5 सितंबर को 40 लाख और 16 सितंबर को 50 लाख का आंकड़ा पार किया है। यह 28 सितंबर को 60 लाख, 11 अक्टूबर को 70 लाख के पार चली गई थी। तो वहीं 29 अक्टूबर को 80 लाख, 20 नवंबर को 90 लाख और 19 दिसंबर को एक करोड़ के आंकड़े को पार कर गया। भारत ने पिछले साल 23 जून को तीन करोड़ और इस साल 25 जनवरी को चार करोड़ का गंभीर माइलस्टोन पार किया था।

पूर्व सीएम कमलनाथ के भतीजे रतुल पुरी को मिली जमानत, मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हैं आरोपित

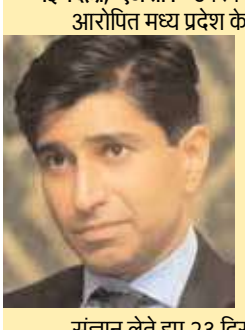

नई दिल्ली, एजेंसी। उर्वरक घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपित मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के भतीजे रतुल पुरी को राउज एवेन्यू की विशेष अदालत ने जमानत दे दी है। घोटाला के बदले रिश्वत के रूप में 685 करोड़ रुपये का भुगतान करने का दावा किया गया था। विशेष न्यायाधीश विकास ढुल ने कहा कि जांच के दौरान पुरी को गिरफ्तार नहीं किया गया और अब उन्हें हिरासत में भेजने से कोई उद्देश्य पूरा नहीं होगा। ऐसे में उन्हें जमानत दी जाती है। अदालत ने मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दायर पूरक आरोप पत्र का संज्ञान लेते हुए 23 दिसंबर को रतुल पुरी को पेश होने का आदेश दिया था। पुरी अदालत के आदेश पर बुधवार को पेश हुए थे। वहीं, ईडी की तरफ से पेश हुए विशेष लोक अभियोजक नीतेश राणा ने पुरी की जमानत याचिका का विरोध किया। ईडी ने दावा किया कि अगर पुरी को राहत दी जाती है, तो आरोपित न्याय से भाग सकते हैं। राणा ने कहा कि पुरी गवाहों को भी प्रभावित कर सकते हैं और सुबूतों से छेड़छाड़ कर सकते हैं। पुरी अगस्ता वेस्टलैंड हेलिकाप्टर घोटाले और मोजर बेयर घोटाले से जुड़े मामलों में भी आरोपित हैं। हालांकि, वह फिलहाल जमानत पर बाहर है। ईडी के अनुसार उर्वरक घोटाला मामले में राजद के राज्यसभा सांसद अमरेंद्र धारी सिंह और इफको के प्रबंध निदेशक और सीईओ यूएस अवस्थी भी शामिल हैं। अवस्थी और इंडियन पोटाश लिमिटेड के एनआरआई बेटों को भुगतान किए गए 685 करोड़ रुपये से अधिक के अवैध कमीशन से संबंधित है ।ईडी ने आरोप लगाया है कि इफको में अवस्थी और अन्य ने अपराध की आय अर्जित की ।इसका एक हिस्सा अवस्थी और अन्य द्वारा नियंत्रित संस्थाओं को हस्तांतरित कर दिया गया।

आतंकियों ने दो बार की थी नेपाल के रास्ते पाकिस्तान जाने की कोशिश, पंजाब के बड़े नेता थे निशाने पर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के जहांगीरपुरी इलाके से 12 जनवरी को पकड़े गए दो संदिग्ध आतंकियों से पूछताछ में कई बड़े खुलासे हुए हैं। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार संदिग्ध आतंकी नौशाद अली पाकिस्तान के हैंडलर्स अशफाक और सुहेल के संपर्क में था, जो लश्कर के आतंकवादी हैं। सुहेल ने पंजाब में बड़े नेताओं को निशाना बनाने की योजना बनाई थी। नौशाद विभिन्न जेलों में रहने के दौरान पाकिस्तान के आतंकियों से मिला था।

दो बार की थी पाकिस्तान जाने की कोशिश : पूछताछ में आतंकी नौशाद अली ने दिल्ली पुलिस को बताया कि उसे अपने पाकिस्तानी आकाओं से निर्देश मिले थे और उसने दो बार नेपाल के रास्ते पाकिस्तान जाने की कोशिश की थी, लेकिन वह इसमें नाकाम रहा। बता दें कि नौशाद अली और उसके सहयोगी जगजीत सिंह उर्फ जग्गा को पिछले गुरुवार को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया गया था। वे हरकत-उल अंसार संगठन और हिजबुल मुजाहिदीन के आतंकवादियों के संपर्क में थे, जिसे भारत में एक आतंकी संगठन माना जाता है। सूत्रों के मुताबिक, स्पेशल सेल की पूछताछ में नौशाद ने खुलासा किया कि उसे लगातार पाकिस्तानी हैंडलर्स असफाक और सुहैल से निर्देश मिल रहे थे। नौशाद का पाकिस्तानी आतंकी असफाक उर्फ आरिफ से लगातार संपर्क में था। अशफाक उर्फ आरिफ आतंकी संगठन लश्कर ए तैयबा का प्रमुख सदस्य है। आतंकी संगठन लश्कर का सदस्य है सुहेल समाचार एजेंसी एएनआई से मिली जानकारी के मुताबिक, आरिफ ने ही नौशाद को एक अन्य पाकिस्तानी आतंकी सुहैल से मिलवाया था। सुहेल आतंकी संगठन लश्कर का भी सदस्य है, जो वर्तमान में पाकिस्तान से संचालित हो रहा है। सुहेल ने पंजाब के कुछ बड़े नेताओं को निशाना बनाने की योजना तैयार की थी। नौशाद ने पूछताछ के दौरान खुलासा किया कि जब वो जेल में था, तब उसकी मुलाकात आतंकी संगठन हरकत-उल-अंसार से जुड़े नदीम से हुई थी।

हत्या के आरोप में जेल में बंद था नौशाद : जेल से पैरोल पर बाहर आने के बाद नदीम ने जिहाद के लिए मिलकर काम करने के लिए नौशाद को हरकत-उल-अंसार संगठन में शामिल कर लिया था। हत्या के आरोप में जेल में बंद नौशाद 2018 में जेल से छूटा था, तभी से वह पाकिस्तानी आतंकी सुहेल के इशारे पर काम करने लगा था।

नेपाल जाकर खोज रहा था पाकिस्तान जाने का रास्ता : नौशाद वर्ष 2019 में दो बार नेपाल भी गया था ताकि नेपाल से पाकिस्तान जाने का रास्ता खोज सके। लेकिन जिस नेपाली अधिकारी के जरिए वह अपना नेपाली पासपोर्ट बनवा रहा था, उसे रिश्वतखोरी के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया था। नौशाद करीब 27 साल तक भारत की अलग-अलग जेलों में बंद रहा और उस दौरान वह पाकिस्तानी आतंकी संगठनों के आतंकियों से मिलता रहा, जिसके बाद वह उनके लिए काम करने लगा। उल्लेखनीय है कि इससे पहले, दिल्ली पुलिस ने बताया था कि गिरफ्तार किए गए दो आतंकी कम से कम चार अन्य व्यक्तियों के संपर्क में थे, जिनके पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन हरकत-उल अंसार और हिजबुल मुजाहिदीन से संबंध हैं। गणतंत्र दिवस समारोह से कुछ दिन पहले हुए इस खुलासे के बाद दिल्ली में आयोजन को लेकर सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

सरकारी अस्पतालों में भर्ती में होता है पैसों का खेल, कॉन्ट्रैक्ट खत्म के बाद होती है नई नियुक्ति

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी के विधायक महेंद्र गोयल ने बुधवार को दिल्ली विधानसभा में रोहिणी के अंबेडकर अस्पताल में अनुबंध पर नर्सिंग अर्दली की भर्ती करने के मामले में रिश्वत लेने का आरोप लगाते हुए दी गई रिश्वत के पैसे भी विधानसभा में दिखाए। लेकिन, यह स्थिति सिर्फ अंबेडकर अस्पताल में नहीं बल्कि राजधानी के सभी सरकारी अस्पतालों में है। सभी सरकारी अस्पतालों में अनुबंध पर भर्ती करने के लिए निजी ठेकेदारों को ठेका दिया जाता है। इन ठेकेदारों के माध्यम से नर्स, नर्सिंग अधिकारी, नर्सिंग अर्दली, सफाई कर्मचारी और वार्ड ब्वाय की भर्ती की जाती है। इन्हें 15 से 16 हजार रुपये तक मासिक वेतन दिया जाता है। ठेकेदार नौकरी देने के नाम पर इनसे पैसे लेते हैं। जानकारों की माने तो हर पद पर भर्ती के लिए अलग-अलग रेट है। यह रेट संबंधित पद के एक महीने के मासिक वेतन के बराबर या कई जगह उससे अधिक है। किसी अस्पताल में अनुबंध एक साल, किसी में दो साल व किसी में तीन साल के लिए होता है। जो समय सीमा पूरी होने पर नवीनीकरण कराया जाता है। अनुबंध पूरा होने के बाद ठेकेदार पुराने कर्मियों को निकालकर नए कर्मियों की भर्ती शुरू करते हैं, जिससे नए लोगों से फिर पैसे ले सकें।

पिता को हो गया था ब्रेन हेमरेज, मां-बहनों का मजबूत सहारा था अशरफ

नई दिल्ली, एजेंसी। आइआइटी मेन गेट के सामने हिट एंड रन मामले में मृतक अशरफ की मेहनत व लगन को देखकर उनका पूरा परिवार अपने उज्ज्वल भविष्य के लिए आश्वस्त था। लेकिन इस हादसे ने पूरे परिवार की उम्मीदों पर गहरा आघात करते हुए उन्हें चूर-चूर कर दिया। मृतक अशरफ के पिता साल 2022 में ब्रेन हेमरेज के शिकार हो चुके हैं और उनका इलाज चल रहा है। ऐसे में उनकी मां, पिता व बहनों का सबसे मजबूत सहारा खुद अशरफ ही थे।मृतक अशरफ के स्वजन जफीर खान ने बताया कि अशरफ ने आइआइटी दिल्ली में स्नातक में प्रवेश लिया था। तब से अब तक की सारी पढ़ाई उन्होंने यहीं से की है और अब टेक्सटाइल व फैब्रिक विभाग में पीएचडी कर रहे थे। वह एक होनहार छात्र थे। उनका भविष्य काफी उज्जवल था। आइआइटी की ओर से उन्हें विदेशों में होने वाले कई कान्क्लेव इत्यादि में भेजा जाता था। अशरफ हाल ही में लंदन से लौटे थे और दुबई व बोस्टन यूनिवर्सिटी में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में जाने वाले थे। बताया जा रहा है कि वह एक इंटरव्यू के लिए लंदन गए थे। उन्होंने अपनी मेहनत की बदौलत आइआइटी में स्नातक से लेकर पीएचडी तक में प्रवेश पाया था। स्वजन ने बताया कि अशरफ के परिवार में उनकी मां-पिता व तीन बहनें हैं। अशरफ तीनों बहनों के बीच इकलौता भाई था। उनकी एक बहन की शादी हो चुकी है और दो बहनें पढ़ाई कर रही हैं। पिछले साल ही उनके पिता को ब्रेन हेमरेज हुआ था।

पेंशन धारकों को ठगने वाले गिरोह का भंडाफोड़, चार आरोपित पकड़े

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार के पेंशन धारकों संग आनलाइन जीवन प्रमाण पत्र के नाम पर ठगी का मामला सामने आया है। जीवन प्रमाण पत्र अपडेट करने वाली केंद्र सरकार की वेबसाइट से मिलती-जुलती फर्जी वेबसाइट बना ठगी को अंजाम दिया गया। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में ग्रेटर नोएडा के अमित खोसा व कणव कपूर और हैदराबाद के बिनाय सरकार व शंकर मंडल शामिल हैं। गिरोह द्वारा अब तक 1800 से अधिक पेंशन धारकों के साथ ठगी की गई है। डीसीपी प्रशांत गौतम ने बताया कि कुछ लोगों द्वारा केंद्र सरकार की फर्जी सरकारी वेबसाइट बनाकर ठगी करने की शिकायत मिली थी। शिकायत पर एफआइआर दर्ज कर एसीपी जय प्रकाश के नेतृत्व में इंस्पेक्टर सुनील सिद्धू, इंस्पेक्टर योगराज समेत अन्य पुलिस कर्मियों की टीम गठित की गयी। केंद्र सरकार ने 10 नवंबर 2014 को पेंशन धारकों की सुविधा के लिए जीवन प्रमाण पत्र अपडेट करने की आनलाइन सुविधा शुरू की थी। इस पर जीवन प्रमाण पत्र अपडेट करने के दो विकल्प दिए गए हैं, पहला मैन्युअल जीवन प्रमाण पत्र अपलोड करके और दूसरा आधार आधारित बायोमैट्रिक एक्सेस से। इसके अलावा प्रत्येक शहर के कुछ चुनिंदा केंद्रों पर जाकर मैन्युअल जीवन प्रमाण पत्र अपडेट करने का भी विकल्प है। अमित खोसा कामर्स ग्रेजुएट है। कुछ समय पहले तक स्टाक मार्केट विश्लेषक था। बाद में कणव कपूर के साथ ठगी में शामिल हो गया। ठगी की आय में से 35 प्रतिशत हिस्सा अमित खोसा को मिलता था।

दिल्ली में अधिकारों की जंग, अपनी मांगों को लेकर धरने पर बैठे आप विधायक

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में अधिकारों को लेकर अरविंद केजरीवाल सरकार और उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना के बीच आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला जारी है। ताजा मामले में गुरुवार सुबह आम आदमी पार्टी के विधायकों ने अपनी मांगों को लेकर दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। विधानसभा शीतकालीन सत्र के दौरान अपनी मांगों को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज सहित आप के कई विधायक एलजी के खिलाफ धरने पर बैठे गए हैं। हंगामे के चलते सदन आज करीब आधा घंटे देरी से शुरू हुआ। सदन शुरू होते ही सत्तापक्ष के विधायक- एलजी साहब होश में आओ के नारे लगाने लगे। इसके बाद सदन की कार्रवाही 15 मिनट के लिए स्थगित कर दी गई। अधिकारों को लेकर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपराज्यपाल (एलजी) के बीच चल रही खींचतान के बीच राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने एलजी वीके सक्सेना के अधिकार और बढ़ा दिए हैं। उन्हें दो नए अधिकार दिए गए हैं। इसके तहत उपराज्यपाल औद्योगिक संबंध संहिता 2022 और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एव कार्य स्थिति संहिता के तहत नियम बना सकते हैं। गृह मंत्रालय द्वारा इस संबंध में दो अलग-अलग अधिसूचनाएं 16 जनवरी को जारी की गई हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के अलावा पांच अन्य केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपालों/प्रशासकों को भी अगले आदेश तक ये शक्तियां प्रदान की गई हैं। इनमें अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव, चंडीगढ़, पुडुचेरी और लक्षद्वीप भी शामिल हैं।

राजधानी को अराजकता के हवाले नहीं किया जा सकता : केंद्र इससे पहले बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय राजधानी में सेवाओं के नियंत्रण को लेकर केंद्र और दिल्ली सरकार के बीच रस्साकसी पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। हालांकि, केंद्र सरकार ने पांच जजों की संविधान पीठ से सेवाओं पर नियंत्रण के मामले को और बड़ी बेंच को देने की अपील की है। सरकार ने यह मांग जीएनसीटीडी बनाम भारत सरकार के 2018 के फैसले को संज्ञान में लेते हुए की है। केंद्र सरकार की ओर से पेश सालीसिटर जनरल तुषार मेहता ने प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ के समक्ष संदर्भ के लिए अपना आवेदन किया। इसके जवाब में प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि वह संदर्भ (रिफरेंस) पर जिरह नहीं सुनते। इस पर पहले बहस नहीं हुई और अब हम रिज्वाइंडर में हैं।

इस साल के अंत तक यमुना में नहीं गिराया जाएगा बिना शोधित हुए सीवरेज का पानी

नई दिल्ली, एजेंसी। फिलहाल भले ही यमुना प्रदूषण को लेकर जितने सवाल खड़े हो रहे हों, लेकिन दिल्ली सरकार का लक्ष्य दिसंबर 2023 तक इसमें गिर रहे सारे सीवरेज का तय मानकों के अनुसार उपचार करना है। इससे यमुना में प्रदूषण कम करने में मदद मिलेगी। दिल्ली सरकार के पर्यावरण विभाग ने उपराज्यपाल वीके सक्सेना को प्रेजेंटेशन के जरिये इसकी जानकारी दी है।

एक बैठक में अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) दिसंबर तक निर्धारित मानकों के अनुरूप रोज लगभग 814 मिलियन गैलन अपशिष्ट जल (एमजीडी) का शोधन करने में सक्षम होंगे। दिल्ली प्रतिदिन 768 मिलियन गैलन (एमजीडी) सीवरेज उत्पन्न करती है। राजधानी में 35 एसटीपी की उपचार क्षमता 632 एमजीडी है। वर्तमान में ये एसटीपी अपनी स्थापित क्षमता का केवल 69 प्रतिशत उपयोग कर रहे हैं। यानी 768 एमजीडी सीवरेज में से सिर्फ 530 एमजीडी का उपचार किया जा रहा है। पर्यावरण विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि उपचारित अपशिष्ट जल का केवल 160.5 एमजीडी निर्धारित मानकों को पूरा करता है, यानी उपचारित अपशिष्ट जल में बीओडी (जैविक आक्सीजन मांग) और टीडीएस (कुल घुलनशील ठोस) 10 मिलीग्राम प्रति लीटर से कम होना चाहिए। अधिकारियों ने कहा कि दिल्ली की सीवरेज शोधन क्षमता जून तक बढ़कर 727 एमजीडी और दिसंबर तक 814 एमजीडी हो जाएगी।

मौजूदा एसटीपी के पुनर्वास से और जुड़ जाएगा 70 एमजीडी : सीवरेज उत्पादन में भविष्य की वृद्धि को समायोजित करने के लिए जून 2024 तक उपचार क्षमता को बढ़ाकर 935 एमजीडी कर दिया जाएगा। मौजूदा 18 एसटीपी के उन्नयन से स्थापित उपचार क्षमता में 93.2 एमजीडी की वृद्धि होगी। तीन मौजूदा एसटीपी के पुनर्वास से 70 एमजीडी और जुड़ जाएगा। ओखला, दिल्ली गेट और सोनिया विहार एसटीपी के निर्माण से उपचार क्षमता में 47 एमजीडी की वृद्धि होगी। 40 विकेन्द्रीकृत सीवरेज उपचार संयंत्र 92 एमजीडी का उपचार करने में सक्षम होंगे। इसी तरह जून 2024 तक स्थापित उपचार क्षमता 632 एमजीडी से बढ़कर 934.5 एमजीडी हो जाएगी। दिल्ली में वजीराबाद और ओखला के बीच नदी का 22 किलोमीटर का हिस्सा, जो नदी की कुल लंबाई के दो प्रतिशत से भी कम है, इसके प्रदूषण भार का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा है। अनधिकृत कालोनियों और बस्तियों से अप्रयुक्त अपशिष्ट जल, एसटीपी और सामान्य अपशिष्ट उपचार संयंत्रों (सीईटीपी) से छोड़े गए उपचारित अपशिष्ट जल की खराब गुणवत्ता भी नदी में प्रदूषण के उच्च स्तर के पीछे मुख्य कारण है। दिल्ली सरकार ने फरवरी 2025 तक यमुना को नहाने के मानकों तक साफ करने का वादा किया है। यदि बीओडी तीन मिलीग्राम प्रति लीटर से कम है और घुलित आक्सीजन (डीओ) पांच मिलीग्राम प्रति लीटर से अधिक है तो नदी को स्नान के लिए उपयुक्त माना जा सकता है।

दिल्लीवासियों को नहीं मिली सर्दी के सितम से राहत शीतलहर ने तोड़ा एक दशक का रिकार्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी समेत पूरे उत्तर भारत के राज्यों में सर्दी का सितम बुधवार को भी जारी रहा। दिल्ली में तो बुधवार को आठवें दिन शीतलहर चली। इसके साथ ही यहां शीतलहर का एक दशक का रिकार्ड भी टूट गया। 2013 से लेकर अभी तक 2021 में ही जनवरी में सात दिन शीतलहर चली थी। बृहस्पतिवार से शीतलहर बंद हो जाएगी। अलबत्ता, हल्की बरसात हो सकती है। बुधवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान सामान्य से पांच डिग्री कम 2.6 डिग्री जबकि अधिकतम तापमान सामान्य स्तर पर 19.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। सबसे कम न्यूनतम तापमान 2.2 डिग्री लोधी रोड और सबसे कम अधिकतम तापमान 17.3 डिग्री सेल्सियस मयूर विहार में दर्ज किया गया। हवा में नमी का स्तर 34 से 97 प्रतिशत रहा। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि बृहस्पतिवार को सुबह हल्की धुंध होगी। दिन में आंशिक तौर पर बादल छाए रहेंगे। रात के समय हल्की बरसात या बूंदाबांदी हो सकती है। अधिकतम व न्यूनतम तापमान क्रमशः21 और पांच डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। बुधवार को कोहरे से निजात रही। दृश्यता का न्यूनतम स्तर 500 से 1000 मीटर रहा। मौसम विभाग ने बुधवार को जारी पूर्वानुमान में बताया कि एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है। इसके असर से पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में 20 की रात से 26 जनवरी तक और उत्तर पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में 23 से 25 जनवरी तक के मौसम में बदलाव नजर आएगा। बृहस्पतिवार से उत्तर पश्चिम भारत के राज्यों में शीतलहर खत्म हो जाएगी, इससे ठंड में भी कमी आएगी।

उत्तर भारत में छाया रहा कोहरा : मौसम विभाग के मुताबिक, बुधवार को पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली में शीतलहर चली। पूर्वी यूपी, पश्चिमी राजस्थान, पूर्वी और पश्चिमी मध्य प्रदेश में भी शीतलहर का प्रकोप रहा। हिमाचल प्रदेश, ओडिशा, त्रिपुरा, बिहार, पश्चिम बंगाल, सिक्किम जैसे राज्यों में सुबह और शाम के समय घना कोहरा छाया रहा।

जम्मू कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड में 20-21 जनवरी को हल्की से मध्यम बरसात होगी। 22- 26 जनवरी के बीच यहां पर ज्यादा वर्षा व बर्फबारी हो सकती है। वहीं, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 23-25 जनवरी जबकि दिल्ली में 23- 24 को हल्की से मध्यम बरसात होने की संभावना है। मौसम विभाग ने बताया कि उत्तर पश्चिम भारत के हिस्सों में बृहस्पतिवार और शुक्रवार को न्यूनतम तापमान में तीन से पांच डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज की जाएगी। इसके बाद अगले तीन दिनों तक तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा।

पाक में बैठे आकाओं के संपर्क में थे दोनों आतंकी ! गणतंत्र दिवस से पहले थी हमले की साजिश

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल द्वारा जहांगीरपुरी इलाके से पकड़े गए आतंकी नौशाद और जगजीत से पूछताछ में कई अहम जानकारियां सामने आई हैं। दोनों आतंकी पाकिस्तान में बैठे अपने चार हैंडलर के संपर्क में थे। नौशाद आतंकी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन के भी संपर्क में था।

भारत में खड़ा करना चाहते थे टेरर-गैंगस्टर नेटवर्क : दोनों भारत में टेरर-गैंगस्टर नेटवर्क को खड़ा करने की फिराक में थे। पूछताछ में आतंकियो ने बताया कि वे पाकिस्तान में हरकत उल अंसार के नजीर भट, नासिर खान, नजीर खान और हिजबुल मुजाहिद्दीन के नदीम के संपर्क में थे। इसके अलावा ये गैंगस्टर सुनील राठी, इरफान उर्फ छेनू, हाशिम बाबा, इबले हसन और इमरान पहलवान गिरोह के संपर्क में भी थे।

आतंकियों को दी गई थी टारगेट किलिंग की जिम्मेदारी : विशेष रूप से नौशाद को भारत में आतंकियों और गैंगस्टरों के गठजोड़ को मजबूत करने का जिम्मा सौंपा गया था। जगजीत कनाडा में बैठे खालिस्तानी आतंकियों के संपर्क में भी था। स्पेशल सेल के सूत्रों का कहना है कि दोनों आतंकियों को देश में टारगेट किलिंग की जिम्मेदारी भी सौंपी गई थी। जगजीत को पंजाब के दो हिंदू नेताओं की हत्या करने का काम सौंपा गया था। इसमें शिवसेना और कांग्रेस पार्टी के नेता शामिल हैं। हत्या के बदले में जगजीत को ढाई कारोड़ रुपये देने का वादा किया गया था। वहीं, नौशाद अली द्वारा भर्ती किए गए दो अन्य आतंकियों को भी दिल्ली में तीन बड़े नेताओं की हत्या का जिम्मा दिया था। इनमें बजरंग दल के नेता भी शामिल हैं। फिलहाल स्पेशल सेल फरार आतंकियों को पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड और दिल्ली में तलाश रही है।

हथियार तस्करी के दौरान गैंगस्टरों के संपर्क में आया था नौशाद सूत्रों के मुताबिक, नौशाद कुख्यात हथियार तस्कर है। तस्करी में ही वह पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पंजाब और दिल्ली-एनसीआर के गैंगस्टरों के संपर्क में आया था। नौशाद ने नवंबर 1996 में 2.25 किलोग्राम आरडीएक्स और 11.5 लाख रुपये के लिए असम के रहने वाले अब्दुल्ला शेरवानी की गोली मारकर हत्या कर दी थी। जांच में पता चला था कि शेरवानी से बरामद आरडीएक्स और पैसा, नौशाद का सहयोगी और पाकिस्तानी आतंकी माड्यूल हरकत-उल अंसार के सक्रिय सदस्य नदीम से चुराए गए थे। इस मामले में नौशाद और नदीम दोनों पर हत्या और विस्फोटक अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था। इसके साथ ही आरडीएक्स सप्लाई करने वाले कश्मीर के बिलाल सिद्दीकी को भी गिरफ्तार किया गया था। जांच में पता चला है कि नौशाद ने पहली हत्या वर्ष 1991 में की थी। उसने जहांगीरपुरी इलाके में अपना वर्चस्व कायम करने के लिए जितेंद्र डाबला की हत्या कर दी थी। इस मामले में इसे जेल भेजा गया था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129